हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 156, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 6 दिसम्बर, 2023 दिन बुधवार गाजीपुर/वाराणसी

स्वास्थ्य सबसे बड़ी संपदा कैरियर के साथ दुआएं भी लें

सीएम योगी ने नव चयनित डॉक्टरों और स्टाफ नर्स को बांटे नियुक्ति पत्र

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मिशन रोजगार के तहत करीब ढाई हजार लोगों को नियुक्ति पत्र दिया जा रहा है। सभी मानव सेवा में लगे। कैरियर के साथ लोगों का आशीर्वाद और दुआ भी लें। वह मेडिकल कालेजों और आयुष के चिकित्सक शिक्षकों वी स्टाफ नर्स के नियुक्ति पत्र वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2142 स्टाफ नर्स को नियुक्ति पत्र दिया जा रहा है। सभी अपने दायित्व को समझें और जीवन में कितना भी धन संपदा हो लेकिन स्वास्थ्य ठीक नहीं है तो कुछ नहीं है। स्वस्थ शरीर से ही धर्म साधना हो सकती है। आज एलोपैथ और आयुष विधा में एक साथ नियुक्ति पत्र मिल रहा है। यह ईश्वरी कृपा है। मुख्यमंत्री योगी ने काह कि पहले दूसरे राज्यों में जाने पर प्रदेश का नाम छुपाना पड़ता था लेकिन अब स्थिति बदली है। प्रदेश में 2017 तक मात्र 17 मेडिकल कॉलेज थे लेकिन अब हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज होगा। प्रदेश में नर्सिंग और पैरामेडिकल कालेज भी खोले जा रहे हैं। शिक्षा की गुणवत्ता भी बढ़ रही है। मिशन निरामय के तहत गुणवत्ता में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। स्वस्थ सेवा में करीब 10 हजार करोड़ लोगों को आयुष्मान का लाभ मिल रहा है। इन्हें पांच लाख तक उपचार की सुविधा मिल रही है। 75 जिलों में डायलिसिस की सुविधा है। एंबुलेंस सेवा के रिस्पॉन्स टाइम को न्यूनतम किया गया है। गोरखपुर और रायबरेली में एम्स शुरू हो गए हैं। यह डबल इंजन की सरकार का कमाल है। उन्होंने कहा कि अब आयुष विभाग के पास आयुष विश्वविद्यालय है। इसे बढ़ा रहे हैं। आयुष में अपार संभावनाएं हैं। कालेजों और वेलनेस सेंटर को संवारा जा रहा है।

सोशल मीडिया को राममय करेगी योगी सरकार, इन्फ्लूएंसर्स के जरिए प्रचार, ड्रोन शो और वाटर स्क्रीन...

लखनऊ। प्रदेश सरकार अयोध्या में जनवरी में होने जा रहे भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर के उद्घाटन कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने में जुटी हुई है। इसके तहत पूरे प्रदेश में विभिन्न कार्यक्रम के साथ विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी कार्यक्रम प्रसारित किए जायेंगे। इसके लिए संस्कृति विभाग ने सोशल मीडिया के बड़े इन्फ्लूएंसर्स से संपर्क किया है। राममंदिर के उद्घाटन से पहले अयोध्या के विकास, राममंदिर और प्रभु श्रीराम से जुड़ी गाथाओं को सोशल मीडिया पर जोर-शोर से प्रसारित किया जाएगा। वहीं मंदिर के उद्घाटन के दौरान आयोजित होने वाले कार्यक्रमों को भी विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रसारित किया जाएगा। दीपोत्सव की तर्ज पर राम कथा से जुड़े हुए विभिन्न प्रसंगों को रील्स के माध्यम से प्रसारित किया जाएगा। फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स और यूट्यूब जैसे बड़े सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ऐसे इन्फ्लूएंसर्स से विभाग संपर्क कर रहा है। विभाग की ओर से इस पर 25 लाख रुपये खर्च किये जाएंगे।

राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या, बदमाशों ने घर में घुसकर मारी गोली

जयपुर। राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के प्रदेशाध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की मंगलवार को जयपुर में गोली मारकर हत्या कर दी गई। श्यामनगर इलाके में उनके घर में घुसकर कुछ अज्ञात बदमाशों ने गोली मारी है। जयपुर के पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसेफ ने जानकारी देते हुए बताया कि गोली लगने के बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहा उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। फायरिंग की सूचना मिलते ही पुलिस-प्रशासन मौके पर पहुंचे। सुखदेव सिंह के आवास के बाहर भारी तादाद में पुलिस बल तैनात है। जानकारी के मुताबिक, सुखदेव सिंह गोगामेड़ी को चार गोलियां मारी गई। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि सुखदेव सिंह गोगामेड़ी मंगलवार दोपहर करीब 1:45 बजे श्याम नगर जनपथ स्थित घर के बाहर खड़े थे। इसी दौरान स्कूटर पर दो बदमाश आए। हमलावरों ने गोगामेड़ी पर फायरिंग की।

'मोदी सरकार स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों पर कर रही काम...', लोकसभा में कृषि मंत्री ने विपक्ष को दिया जवाब

नई दिल्ली। कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने मंगलवार को लोकसभा में विपक्ष के प्रश्नों का उत्तर दिया। केंद्रीय कृषि मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदन में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी के एक प्रश्न का उत्तर दे रहे थे। कांग्रेस नेता ने पूछा था कि क्या केंद्र ने एमएसपी को कानूनी अधिकार बनाने की किसानों की मांग पर कोई फैसला लिया है। कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने मंगलवार को लोकसभा में कहा कि कृषि सुधारों पर स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट यूपीए शासन के दौरान आई थी, लेकिन यह नरेंद्र मोदी सरकार थी जिसने इसकी सिफारिशों पर काम करना शुरू किया और एमएसपी को उत्पादन लागत से 50 प्रतिशत अधिक तय किया। तोमर ने कहा कि तीन कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के विरोध के बाद न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) सहित विभिन्न मुद्दों की जांच के लिए केंद्र द्वारा गठित एक समिति ने अब तक 30 से 35 बैठकें की हैं। उन्होंने लोकसभा को बताया कि समिति की सिफारिशें अभी आनी बाकी हैं। चौधरी के सवाल के जवाब में, तोमर ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने एमएस स्वामीनाथन के तहत आयोग का गठन किया था, लेकिन इसकी रिपोर्ट 2017 में आई जब कांग्रेस के नेतृत्व वाला संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन प्रधान मंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व में सत्ता में था।तोमर ने कहा कि मनमोहन सिंह सरकार ने आयोग की सिफारिशों पर विचार करने के लिए तत्कालीन केंद्रीय कृषि मंत्री को शामिल करते हुए एक समूह का गठन किया। उन्होंने कहा कि स्वामीनाथन आयोग ने 201 सिफारिशें की थीं। इनमें से 100 सिफारिशों पर एनडीए सरकार काम कर रही है। लेकिन, मुख्य सिफारिश एमएसपी पर थी। स्वामीनाथन ने कहा था कि लागत (उत्पादन) पर 50 प्रतिशत लाभ जोड़कर एमएसपी घोषित किया जाना चाहिए। केंद्रीय कृषि मंत्री ने लोकसभा को बताया कि यूपीए सरकार 2014 तक थी। यूपीए शासन के दौरान, इस सिफारिश (एमएसपी पर) पर विचार नहीं किया गया था... नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने के बाद, आयोग की सिफारिशों पर काम शुरू हुआ। तोमर ने कहा कि सरकार आज खरीद पर 2.28 लाख करोड़ रुपये खर्च करती है। उन्होंने कहा कि "अब तक लगातार प्रगति" हुई है।

न्यायिक आदेश के बावजूद सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम से संबंधित याचिका नहीं हुई लिस्ट, याचिकाकर्ता ने जताई हैरानी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम द्वारा सुझाए गए नामों को क्लीयर करने में कथित तौर पर सरकार की देरी के खिलाफ दायर याचिका मंगलवार को सुनवाई के लिए लिस्टेड नहीं हुई। इस पर याचिकाकर्ता ने हैरानी जताई है। जस्टिस संजय किशन कौल और जस्टिस सुधांशु धुलिया ने 20 नवंबर को इस याचिका पर सुनवाई की थी और मंगलवार को फिर से सुनवाई करने का निर्देश दिया था। याचिकाकर्ता की तरफ से पेश हुए वकील ने पीठ को बताया कि याचिका मंगलवार को सुनवाई के लिए लिस्ट हुई थी लेकिन डिलीट हो गई। इस मामले पर एक और याचिका दायर हुई है। दूसरे याचिकाकर्ता की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण ने याचिका के लिस्ट से डिलीट होने पर हैरानी जताई।

इलाहाबाद हाईकोर्ट से अखिलेश यादव को बड़ी राहत चार्जशीट पर रोक; दादरी थाने में दर्ज हुआ था मुकदमा

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को इलाहाबाद हाईकोर्ट से मंगलवार को बड़ी राहत मिली। फरवरी 2022 में अखिलेश यादव समेत अन्य के खिलाफ नोएडा के दादरी थाने में मुकदमा दर्ज हुआ था। कोर्ट ने चार्जशीट और अपराधिक कार्यवाही पर रोक लगा दी है। अखिलेश यादव समेत अन्य के खिलाफ बगैर अनुमति भारी भीड़ के साथ जुलूस निकालने का आरोप लगा था। आचार संहिता उल्लंघन और कोविड 19 के नियमों के उल्लघंन के आरोप में मुकदमा दर्ज हुआ था। पुलिस ने जांच के बाद चार्जशीट दाखिल की थी। कोर्ट ने पुलिस चार्जशीट मामले पर संज्ञान लिया था। जिसके बाद अखिलेश यादव ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर चार्जशीट को चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने अखिलेश यादव की याचिका पर सुनवाई करते हुए चार्जशीट और अपराधिक कार्यवाही पर रोक लगा दी। आचार संहिता के उल्लंघन मामले में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और जयंत चौधरी समेत 400 कार्यकताओं के खिलाफ दादरी में मुकदमा दर्ज हुआ था। अखिलेश-जयंत पर आरोप था उन्होंने अपने कार्यक्रम के दौरान

चुनाव आचार संहिता का उल्लघंन किया था। नाइट कर्फ्यू में विजय यात्रा निकालकर आचार संहिता और कोविड प्रोटोकॉल का उल्लंघन करने पर दादरी कोतवाली पुलिस ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव, राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी समेत 400 अन्य लोगों पर पुलिस ने केस दर्ज किया था। नामजद किए गए लोगों में सपा-रालोद गठबंधन के दादरी विधानसभा प्रत्याशी राजकुमार भाटी और सपा जिलाध्यक्ष इंदर प्रधान समेत दस से अधिक नेता भी शामिल थे। वहीं विजय यात्रा के वीडियो की जांचकर शामिल लोगों की पहचान की गई थी। मामले में आईपीसी की धारा-188, 269, 270 और 3/4 महामारी एक्ट के अंतर्गत एफआईआर दर्ज की गई थी। बता दें कि विजय यात्रा पर निकले प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव और जयंत चौधरी पहले लुहारली टोल प्लाजा और फिर दादरी पहुंचे थे। तय कार्यक्रम के अनुसार, विजय यात्रा को पहुंचने में काफी देर हो गई थी। पुलिस ने बताया था कि रात आठ बजे से सुबह आठ बजे तक चुनाव प्रचार पर रोक थी। वहीं, नाइट कर्फ्यू भी लागू हो चुका था।

भारत की तरफ से केन्या के कृषि सेक्टर को मिला तोहफा, मॉडर्न फार्मिंग के लिए 250 मिलियन अमेरिकी डॉलर देने की हुई घोषणा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को भारत के दौरे पर आए केन्या राष्ट्रपति विलियम सामोई रुतो के साथ व्यापक बातचीत के बाद केन्या के कृषि क्षेत्र के आधुनिकीकरण के लिए उन्हें 250 मिलियन अमेरिकी डॉलर देने के भारत के फैसले की घोषणा की। रुतो दोनों देशों के बीच समग्र संबंधों का विस्तार करने के उद्देश्य से तीन दिवसीय यात्रा पर सोमवार को यहां पहुंचे। वार्ता के बाद अपने मीडिया बयान में पीएम मोदी ने कहा कि भारत ने अपनी विदेश नीति में हमेशा अफ्रीका को उच्च प्राथमिकता दी है और पिछले लगभग एक दशक में मिशन मोड पर महाद्वीप के साथ अपने समग्र संबंधों का विस्तार किया है। उन्होंने कहा, "मुझे विश्वास है कि राष्ट्रपति रुटो की भारत यात्रा न केवल द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करेगी बल्कि अफ्रीका के साथ हमारे जुड़ाव को एक नई गति देगी।" प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत केन्या को उसके कृषि क्षेत्र के आधुनिकीकरण के लिए 250 मिलियन अमेरिकी डॉलर की ऋण सहायता प्रदान करेगा। हिंद-प्रशांत का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि क्षेत्र में भारत और केन्या के बीच करीबी सहयोग साझा प्रयासों को आगे बढ़ाएगा। पीएम मोदी ने

कहा कि भारत और केन्या का मानना है कि आतंकवाद मानवता के सामने सबसे गंभीर चुनौती है। उन्होंने आगे कहा कि दोनों पक्षों ने आतंकवाद विरोधी सहयोग बढ़ाने का फैसला किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों पक्ष भारत-केन्या आर्थिक सहयोग की पूरी क्षमता का एहसास करने के लिए नए अवसर तलाशना जारी रखेंगे।

बैठक में ममता के न आने पर भड़के अधीर रंजन, बोले- उन्होंने कभी हमें वोट देने की अपील नहीं की

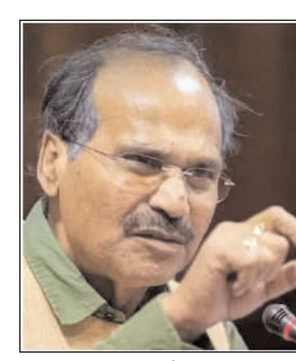

नई दिल्ली। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इंडिया गठबंधन पार्टियों की एक बैठक की घोषणा की थी। आज इंडिया गठबंधन पार्टियों के सांसदों के साथ मल्लिकार्जुन खरगे ने बैठक बुलाई। वहीं बुधवार को इंडिया गठबंधन के शीर्ष नेताओं के साथ कांग्रेस बैठक करेगी। छह दिसंबर को इंडिया गठबंधन की बैठक को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने नाराजगी जताई थी। उन्होंने बताया कि उन्हें इस बैठक को लेकर किसी प्रकार की कोई जानकारी नहीं दी गई थी। बंगाल की सीएम ने इस बैठक पर बात करते हुए कहा था, 'मुझे नहीं पता। मुझे इस बैठक के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई, इसलिए मैंने उत्तर बंगाल में अपना कार्यक्रम जारी रखा। अगर हमें इस बैठक की जानकारी होती तो हम यह कार्यक्रम नहीं रखते। हम उस बैठक में जरूर शामिल होते, लेकिन हमें इस बैठक की कोई जानकारी नहीं दी गई।' ममता बनर्जी के बैठक में शामिल होने से इनकार करने पर कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी भड़क गए। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा, 'उसका घमंड चुनाव से पहले भी ऐसा ही था। पांच राज्यों में चुनाव थे, लेकिन उसने भाजपा को हराने के लिए लोगों से विपक्षी पार्टियों को वोट देने की अपील तक नहीं की।' बैठक को लेकर ममता बनर्जी के बयान पर शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने सफाई पेश की। उन्होंने कहा, 'इंडिया गठबंधन में सभी साथ है। हम यहां किसानो से लेकर महिलाओं की सुरक्षा जैसे अन्य कई मुद्दों से लड़ने के लिए हैं। हम इस मुद्दों को देखेंगे और ठीक करने की कोशिश करेंगे। हम बैठक के शीघ्र आयोजन के लिए हर संभव योजना करेंगे।' इंडिया गठबंधन की बैठक पर भाजपा नेता दिलीप घोष ने भी एक बयान जारी किया है। उन्होंने अपने बयान में नीतीश कुमार से लेकर ममता बनर्जी को निशाने पर लिया।

गजल होटल मामला: बाहुबली मुख्तार अंसारी के बेटे को बड़ी राहत, हाईकोर्ट ने जमानत अर्जी मंजूर

प्रयागराज। बाहुबली मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गजल होटल जमीन मामले में बड़ी राहत दी है। यह आदेश न्यायमूर्ति राजबीर सिंह ने अब्बास अंसारी की जमानत अर्जी को स्वीकार करते हुए दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गजल होटल की भूमि के बैनामे के मामले में बाहुबली मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास को राहत दे दी है। कोर्ट ने जमानत मंजूर करते हुए निजी मुचलके और दो प्रतिभूतियों पर रिहा करने का आदेश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति राजबीर सिंह ने अब्बास अंसारी की जमानत अर्जी को स्वीकार करते हुए दिया है। अब्बास अंसारी पर मऊ के सदर कोतवाली क्षेत्र के महुआबाग में निर्मित गजल होटल की भूमि की खरीद-फरोख्त में धोखाधड़ी का आरोप है। मामले में अब्बास की मां अफशा अंसारी, भाई उमर अंसारी भी आरोपी हैं। जिला प्रशासन ने होटल का पहले ही ध्वस्तीकरण कर दिया है। अधिवक्ता उपेंद्र उपाध्याय ने तर्क दिया था कि होटल के लिए जब भूमि का लेनदेन किया गया तो उस समय याची किशोर था। इसमें उसकी कोई गलती नहीं है। जिला प्रशासन ने सियासत की वजह से ऐसा किया। कोर्ट ने मामले में जिला प्रशासन से रिपोर्ट तलब की थी। तथ्यों और परिस्थितियों को देखते हुए अब्बास की जमानत अर्जी मंजूर कर ली।

गठबंधन की छह दिसंबर को होने वाली बैठक टली, ममता-नीतीश समेत कई नेताओं ने आने में जताई असमर्थता

नई दिल्ली। भाजपा के खिलाफ एकजुट हुए विपक्षी दलों के गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) की छह दिसंबर को होने वाली बैठक टल गई है। बताया गया है कि गठबंधन की कुछ पार्टियों के प्रमुख नेताओं के बैठक में न आ पाने के चलते बैठक को फिलहाल स्थगित करने का फैसला किया गया। कांग्रेस के सूत्रों के मुताबिक, अब छह दिसंबर को शाम छह बजे इंडिया गठबंधन में शामिल पार्टियों के सांसदों की बैठक आयोजित की जाएगी। बाद में दिसंबर के तीसरे हफ्ते में मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर इस गठबंधन के प्रमुख नेताओं की औपचारिक समन्वय बैठक होगी। यह बैठक ऐसे समय होने वाली थी जब मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और मिजोरम के हालिया विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा है। गौरतलब है कि सपा नेता अखिलेश यादव और तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने पहले ही इंडिया की बैठक में जाने में असमर्थता जताई थी। इसके बाद तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और द्रमुक के नेता एमके स्टालिन ने चक्रवात के कारण पैदा हुए हालात के चलते बैठक में शामिल नहीं हो सकते थे। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अस्वस्थता का हवाला दिया है। वहीं, पश्चिम

बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी परिवार के एक कार्यक्रम में व्यस्त हैं। इसके चलते । इससे पहले समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने कहा था कि पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव इंडिया गठबंधन की बैठक में जाने का कोई कार्यक्रम नहीं है। इतना ही नहीं कुछ दलों ने कांग्रेस पर सवाल खड़े किए थे। नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जदयू) ने चार राज्यों के नतीजे आने के बाद सोमवार को कहा था कि कांग्रेस ने मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनावों में इंडिया गठबंधन के साझेदारों के साथ कोई तालमेल नहीं कर अकेले चुनाव लड़कर गलती की। वहीं, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के वरिष्ठ नेता अभिषेक बनर्जी ने सोमवार को दावा किया था कि तीन राज्यों में विधानसभा चुनाव में हार का सामना करने वाली कांग्रेस आत्ममुग्धता से पीड़ित है। उन्होंने कांग्रेस को अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले अपनी आंतरिक कलह से निपटने की सलाह दी थी। बता दें कि इंडिया की अब तक तीन बैठक पटना, बंगलूरू और मुंबई में हो चुकी हैं। गठबंधन के घटक दलों के नेताओं की पिछले दिनों मुंबई में हुई बैठक में गठबंधन के भविष्य के कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने के लिए 14 सदस्यीय समन्वय समिति का गठन किया गया था।

विदेशियों को इंटरनेट स्पीड मुहैया कराने के नाम पर ठगी करने वालों पर मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज

लखनऊ। इंटरनेट की स्पीड बढ़ाने का झांसा देकर विदेशियों के बैंक खाते साफ करने वाले साइबर जालसाजों के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया है। ईडी ने गोरखपुर के साइबर क्राइम थाने में सितंबर में दर्ज एफआईआर के आधार पर केस दर्ज करके जांच शुरू की है। सूत्रों के मुताबिक गोरखपुर निवासी श्याम गुप्ता ने बीती 17 सितंबर को साइबर क्राइम थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। इसमें बताया था कि वह बेतिहाता स्थित ज्यूबिलेट इंफो प्रा. लि. में कस्टमर केयर एग्जीक्यूटिव का काम करता था। इस दौरान पता चला कि कंपनी घोटाला कर रही है। कंपनी द्वारा दी गई ट्रेनिंग के मुताबिक उसे अपनी पहचान विदेशी बतानी थी। विदेशियों के बातचीत के दौरान बीटी ओपनरीच नामक कंपनी का इंटरनेट स्पीड टेस्ट कराया जाता था। स्पीड कम होने पर जब कस्टमर उसे बढ़ाने को कहता था तो कंपनी के सुपरवाइजर कादिर, राहुल व धीरज आदि को कॉल ट्रांसफर की जाती थी। इसके बाद वे विदेशियों से अनीडेस्क एप डाउनलोड कराते थे। इसके जरिए विदेशियों के बैंक खातों तक पहुंच बनाकर उसमें जमा रकम निकाल लेते थे। कंपनी अपने कर्मचारियों को वेतन नकद देती थी। श्याम गुप्ता की शिकायत पर साइबर क्राइम थाने में कंपनी के संचालक अनिक दत्ता, आकाश गुप्ता, आदित्य मिश्रा और पांच सुपरवाइजर के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। अब ईडी ने मामले में मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत केस दर्ज कर कंपनी के संचालकों को तलाश रहा है। अनीडेस्क एप का इस्तेमाल कई आतंकी संगठन भी करते हैं। यूपी एटीएस की जांच में इसकी पुष्टि हो चुकी है। इस एप्लीकेशन का इस्तेमाल आतंकी संगठन के सदस्य आपस में बातचीत और टेरर फंडिंग के लिए करते हैं। यह प्लेटफॉर्म स्वतंत्र रिमोट एक्सेस प्रदान करने की वजह से जांच एजेंसियों की नजरों में नहीं आता है।

संपादकीय

धरती की चिंता

एक बार फिर दुनिया के तमाम देश लगातार ग्लोबल वार्मिंग से मानवता पर मंडराते संकट को दूर करने के लिये संयुक्त अरब अमीरात में एकजुट हुए हैं। दुबई में आयोजित संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन के 28वें सम्मेलन से पूरी दुनिया की आस जगी है। दुनिया टकटकी लगाए बैठी है कि कॉप-28 सम्मेलन से धरती को बचाने के लिये कुछ ठोस निर्णय लिए जाएंगे। बीत रहे साल में मौसम के चरम के चलते तापमान वृद्धि, अलनीनो प्रभाव से बढ़ता समुद्री तापमान, अंटार्कटिका में तेजी से बर्फ के पिघलने, बाढ़, अतिवृष्टि, अनावृष्टि और चक्रवातों के जो भयावह परिणाम सामने आए, वो बता रहे हैं कि यदि अब निर्णायक फैसले न हुए तो धरती को बचाना मुश्किल हो जाएगा। अब तक के तमाम पर्यावरण सम्मेलनों में वायदे तो बड़े-बड़े हुए हैं लेकिन ठोस काम इस दिशा में नहीं हो पाया है। खासकर विकसित देशों के अड़ियल रवैये से इस दिशा में आशाजनक प्रगति नहीं हो पायी है। जबकि मौजूदा हालात में विकसित देशों से न केवल कार्बन उत्सर्जन कम करने की उम्मीद है बल्कि हरित ऊर्जा में निवेश बढ़ाने की भी दरकार है। वह भी ऐसे वक्त में जब ग्लोबल वार्मिंग हर देश के दरवाजे पर दस्तक दे चुकी है। दुर्भाग्य की बात यह कि पेरिस समझौते में औद्योगिक क्रांति से पूर्व स्थिति के अनुरूप जिस तापमान को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने की बात हुई थी, उस लक्ष्य को अब तक नहीं पाया जा सका है। धरती का ताप अनुकूलक माने जाने वाले अंटार्कटिका की बर्फ तेजी से पिघलना हमारी गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। यही वजह है कि बीत रहे साल में मौसम के चरम की तमाम घटनाएं दृष्टिगोचर हो रही हैं। ऐसे में दुनिया के पर्यावरण संरक्षण से जुड़े तमाम संगठन व आम लोग उम्मीद कर रहे हैं कि कॉप-28 में कुछ बदलावकारी फैसले लिये जाएं। दरअसल, यह वक्त अब तक के तमाम सम्मेलनों में लिये गए फैसलों पर पुनर्विचार का भी है। यह विचार मंथन का अवसर है कि पिछले साल मिस्र में हुए सम्मेलन के निष्कर्ष कहां तक अमल में लाये जा सके हैं। दुखद ही है कि दुनिया के तमाम संपन्न देश संकीर्ण स्वार्थों में उलझे हुए हैं जबकि धरती के अस्तित्व पर गंभीर संकट मंडरा रहा है। यह वक्त नेट जीरो के लक्ष्य हासिल करने के लिये ईमानदार पहल करने का भी है। सवाल यह भी कि धनी देश हरित ऊर्जा में कितना निवेश करते हैं। यह भी कि धनी देश विकासशील देशों द्वारा अपने आर्थिक विकास की कीमत पर नेट जीरो के लक्ष्य हासिल करने में कितनी मदद करते हैं। उन औद्योगिक इकाइयों का नियमन भी जरूरी है जो भारी मात्रा में प्रदूषण फैलाते हैं। निस्संदेह, यदि हमें आने वाली पीढ़ियों का भविष्य संरक्षित करना है तो आर्थिक विकास की गति धीमी करने से भी गुरेज नहीं करना चाहिए। भारत ने हमेशा जलवायु प्रतिबद्धताओं को लागू करने में ईमानदार पहल की है। भारत ने ग्लासगो में हुए कॉप-26 सम्मेलन में वर्ष 2070 तक शून्य उत्सर्जन के लक्ष्य पाने की घोषणा की थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तब अपनी पंचामृत रणनीति का खुलासा किया था। जिसमें उन्होंने 2070 तक शून्य उत्सर्जन के अलावा वर्ष 2030 तक ऊर्जा क्षमता में गैर जीवाश्म ईंधन की हिस्सेदारी को पचास फीसदी तक बढ़ाने का वायदा किया है। इसके अलावा वर्ष 2030 तक वार्षिक नवीकरणीय ऊर्जा की क्षमता को 500 गीगावॉट तक बढ़ाना तथा कार्बन उत्सर्जन में एक अरब टन तक कमी लाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। निश्चित रूप से ये लक्ष्य जलवायु संरक्षण को लेकर भारत की प्रतिबद्धता को ही दशार्ते हैं। ऐसे में धनी देशों को उन देशों की मदद के लिये आगे आना होगा जो वैश्विक पर्यावरण को बचाने के लिये अपने आर्थिक हितों से समझौता कर रहे हैं। इसमें दो राय नहीं कि आज दुनिया में जो पर्यावरणीय संकट मंडरा रहा है उसके मूल में विकसित देशों द्वारा प्राकृतिक संसाधनों की निर्मम लूट भी शामिल है। उम्मीद की जानी चाहिए कि कॉप-28 में धरती को बचाने के लिये ठोस निर्णय लिये जाएंगे।

आया है बयान !

दूर करेंगे अड़चन ।
आया है बयान ।।
मिले बराबर हक ।
और सही सम्मान ।।
ना चिंता की बात है ।
होगा त्वरित हल ।।
है हमको संवारना ।
आने वाला कल ।।
लगा रहेगा तू तू मैं मैं ।
ना पर हो नुकसान ।।
इसका भी अब थोड़ा थोड़ा ।
रख रहे हैं ध्यान ।।
समय लेगा करवट ।
है पूरा विश्वास ।।
हो भले मतभेद पर ।
छोड़ेंगे ना आस ।।

–कृष्णेन्द्र राय

राजस्थान में जनता ने सिर्फ सरकार नहीं बदली बल्कि कांग्रेस को सबक भी सिखाया है

निरंजन परिहार

राजस्थान में कांग्रेस की हार के बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस्तीफा दे दिया है और राज्यपाल कलराज मिश्र ने उनको अगली सरकार बनने तक कार्यवाहक मुख्यमंत्री बने रहने को कह दिया है। गहलोत के इस्तीफे का कारण यही है कि राजस्थान में राज बदल गया मगर रिवाज नहीं बदला। राज बदलते ही मुख्यमंत्री का इस्तीफा वाजिब था। हालांकि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कह रहे थे कि न तो राजस्थान में राज बदलेगा और रिवाज भी नहीं बदलेगा। उनका मतलब था कि कांग्रेस की सरकार फिर आएगी और हर पांच साल में सत्ता परिवर्तन का जो रिवाज है वह इस बार बदल जाएगा। मगर, ऐसा नहीं हो सका। राजनीति में वैसे भी नेता के मन का होता कहां है, होता तो आखिर वही है जो जनता चाहती है। जनता ने चाहा और राज बदल गया। कांग्रेस चली गई, और गहलोत भी जा रहे हैं। नई सरकार के शपथ लेते ही वे भी भूतपूर्व हो जाएंगे।

राजस्थान के राजनीतिक परिदृश्य को सही मायने में देखा जाए तो विधानसभा चुनाव के नतीजों में कुछ भी नया नहीं है। तीन दशक से राजस्थान में हर पांच साल में सरकार को घर बिठाने की परंपरा रही है। एक बार कांग्रेस तो दूसरी बार बीजेपी। बारी-बारी से दोनों पार्टियों को लोग सरकार में लाते रहे हैं। हालांकि, राजस्थान के मुख्यमंत्री के रूप में अपने तीसरे कार्यकाल में गहलोत ने समाज के हर वर्ग के लिए सरकार के खजाने खोल कर कुछ अलग तरह की जादूगरी दिखाने के सारे प्रयास किए, लेकिन उनके मंत्रियों व विधायकों के भ्रष्टाचार के कारण उनका जादू हर स्तर पर लगातार फेल होता ही नजर आया। हालांकि, गहलोत हर संभव कोशिश करते रहे। सरकारी कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना का लाभ देकर एक बड़े वर्ग को साधने के लिए सरकार के दांव को परफेक्ट समझना कहीं न कहीं बड़ी गलती रही, क्योंकि सरकारी कर्मचारियों ने ही उनको वोट नहीं दिया। फिर महिला सशक्तिकरण के नाम पर योजनाओं और धन लक्ष्मी जैसी योजनाओं का भी असर ग्राउंड स्तर पर ज्यादा लाभकारी साबित नहीं हो सका, क्योंकि सरकार की योजनाओं को जनता तक पहुंचाने वाले कार्यकर्ता कांग्रेस के पास नहीं थे। सही मायने में देखें, तो जनता को जो सबसे बड़ा लाभार्थी तबका, जिसको लेकर कांग्रेस आश्वस्त थी कि वह उसी को वोट देगा, वही साथ छोड़कर बीजेपी के साथ खड़ा हो गया और कांग्रेस उसे समझ भी नहीं सकी।

राजस्थान में कांग्रेस के 30 विधायक कम पड़ गए हैं। पिछली विधानसभा में 99 थे मगर अब 69 ही जीते हैं। खास बात यह है कि कांग्रेस सरकार के 17 मंत्रियों सहित मुख्यमंत्री के 5 सलाहकार भी चुनाव हार गए हैं। ये सभी 17 मंत्री, गोविन्द राम मेघवाल, भंवर सिंह भाटी, रमेश मीणा, परसादी लाल मीणा, विश्वेन्द्र सिंह, प्रताप सिंह खाचरियावास, ममता भूपेश, शकुंतला रावत, राजेंद्र यादव, बीडी कल्ला, सालेह मोहम्मद, राम लाल जाट, सुखराम विश्नोई, उदयलाल आंजना, जाहिदा खान, प्रमोद जैन भाया और भजन लाल जाटव राजस्थान सरकार में काफी महत्वपूर्ण विभाग के मुखिया थे तथा गहलोत सरकार के ताकतवर नेता थे। मगर प्रदेश की जनता ने उन्हें हरा दिया। इनके अलावा विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी और पूर्व मंत्री रघु शर्मा भी चुनाव हार गए। यह बेहद चौंकाने वाली बात है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की जो सरकार अपने विकास व जनसेवा के कार्यों को जबरदस्त अभियान के तहत जनता तक ले गई, उसी सरकार के 17 मंत्री, 5 सलाहकार व दस बड़े नेता चुनाव हार गए।

देखा जाए, तो मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अपने इस बार के 5 साल के कार्यकाल में सबसे पहले तो अपने साथी सचिन पायलट से जूझते रहे, फिर लगभग डेढ़ साल तक कोरोना से जूझे, एक के बाद एक घोषणाओं और योजनाओं के दौर चले। जमता को अपनी योजनाओं से लाभ पहुंचाने की कोशिश करते हुए वे अपनी सरकार बचाने के भी हर कोशिश करते रहे। इसे इन शब्दों में भी कहा जा सकता है कि गहलोत ने एक तरह से अपना सब कुछ दांव पर लगा दिया, जिसके लिए उन्होंने सरकारी खजाने के खाली होने की भी परवाह नहीं की। खासकर एक के बाद एक योजनाओं के जरिए महिला सशक्तिकरण और पिछड़े इलाकों के विकास के लिए जमीनी स्तर पर काम भी बहुत बड़े पैमाने पर किया गया। मगर कांग्रेस को समझ में नहीं आ रहा है कि आखिर उससे चूक कहां हो गई, जो राजस्थान की जनता उसके बजाय बीजेपी को बहुमत देकर उसके साथ खडी हो गई।

राजस्थान में कांग्रेस को सत्ता से खदेड़ने के कारण तलाशे जा रहे हैं। क्या कांग्रेस की अंदरूनी कलह पार्टी के लिए बुरी हार का कारण बनी, या पार्टी का लचर संगठन हारने के लिए जिम्मेदार रहा, या फिर राज्य की जनता को नए नेतृत्व की चाह थी। क्या बाबा बालकनाथ के नाम पर यूपी की तरह राजस्थान में भी योगी फैक्टर चला या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति जनता का अटूट विश्वास था और या फिर वसुंधरा राजे पर एक बार फिर लोगों ने विश्वास जताया। कांग्रेस समझ ही नहीं पा रही है कि उसको सत्ता से बेदखल क्यों होना पड़ा। इन सारे ही सवालों में सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर क्यों इतना सब करने के बाद भी कांग्रेस की हालत इतनी खराब हुई। दरअसल कांग्रेस की अंतर्कलह से प्रदेश की जनता खुद ही परेशानी में थी। लगातार 5 साल तक सचिन पायलट के सीएम बनने के सपने ने कांग्रेस को जिस कलह तक पहुंचाया, और गहलोत के कुर्सी बचाने के द्वंद्व को इतना ताकतवर बना दिया कि गहलोत जैसा सहज, सरल व सदाशयी नेता भी जनता को पदलोलुप नजर आने लगा। इस चुनाव से पहले गहलोत की छवि ऐसी कभी नहीं रही। फिर, सबसे बड़ा कारण रहा उनके मंत्रियों व विधायकों के भारी भ्रष्टाचार का, बीजेपी ने हर स्तर पर कांग्रेस के भ्रष्टाचार को लोगों तक पहुंचाया व यह सुनिश्चित किया कि लोग उस हर बात को समझें कि कांग्रेस के भ्रष्ट विधायक जनता को किस तरह से लूट रहे हैं। उधर, सरकार भी जनता के काम व परेशानियों को भूल कांग्रेस के अंदरूनी झगड़े को सुलझाने में वक्त जाया करती रही, इसका सीधा फायदा बीजेपी को हुआ। कांग्रेस की हार का एक जो सबसे बड़ा कारण रहा, वह यह भी कहा जा सकता है कि राजस्थान के चुनाव में पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व का कोई उत्साह नहीं दिखा। राहुल गांधी तो बोलते बोलते अपनी ही पार्टी की सरकार के जाने तक की बात बोल गए थे। हालांकि राहुल के कहने से राजस्थान में वोट नहीं पड़ते, पर वे भी निराशा में प्रचार करने ऐन मौके पर ही पहुंचे। कांग्रेस का प्रचार अभियान जनता में जोर पकड़ ही नहीं सका, क्योंकि उसके सारे बड़े नेता अपनी सीट बचाने में ही उलझे रहे। मगर, चुनाव से कुछ समय पहले लगातार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैलियों ने भी बीजेपी के पक्ष में जबरदस्त हवा बनाई।

नेहरू के रिकॉर्ड की बराबरी करने और राजीव गांधी के रिकॉर्ड को तोड़ने की दिशा में बढ़ रहे हैं मोदी

नीरज कुमार दुबे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत से खुश होकर ऐलान किया कि इस हैट्रिक ने 2024 की हैट्रिक की गारंटी दे दी है तो उत्साहित भाजपा सांसदों ने संसद के शीतकालीन सत्र की शुरूआत में प्रधानमंत्री मोदी के सामने 'तीसरी बार मोदी सरकार' और 'बार बार मोदी सरकार' का नारा लगा कर देश भर के पार्टी कार्यकताओं का उत्साह बढ़ा दिया। देखा जाये तो 2024 का लोकसभा चुनाव होने में तीन-चार महीने का समय बचा है। इसलिए अगला चुनाव जीतने के लिए जहां भाजपा कोई कसर नहीं छोड़ रही है वहीं विपक्ष भी एकजुट होकर पूरा जोर लगा रहा है। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने कामकाज और देश के लिए हासिल की गयी उपलब्धियों पर जनता का समर्थन एक बार फिर मिलने की उम्मीद है। हम आपको बता दें कि मोदी ने 2019 के लोकसभा चुनावों में राम मंदिर बनाने, अनुच्छेद 370 हटाने, मुस्लिम महिलाओं को तीन तलाक से आजादी दिलाने, देश की महिलाओं को संसद और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण दिलाने, सीएए लाने, देश की सीमाई सुरक्षा को मजबूत बनाने तथा रोजगार के अवसर बढ़ाने समेत कई अन्य वादे किये थे जिन्हें पूरा कर उन्होंने 'मोदी की गारंटी' शब्द को सार्थक सिद्ध कर दिया है।

देखा जाये तो भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विशाल राजनीतिक कद जैसा कोई अन्य नेता किसी भी पार्टी के पास नहीं है। मोदी जिस तरह से अपने बलबूते अपनी पार्टी को किसी भी राज्य का या केंद्र का चुनाव जिता सकते हैं उतनी राजनीतिक क्षमता किसी अन्य नेता में नजर नहीं आती। मोदी की बातों और वादों पर जितना विश्वास देश की जनता करती है वैसी साख किसी अन्य नेता की बातों और वादों की नहीं है। मोदी अगर जनता से वादे पूरे होने की गारंटी हैं तो मोदी भाजपा के लिए भी जीत की गारंटी हैं। देश की राजनीतिक परिस्थितियां दर्शा रही हैं कि 2024 का लोकसभा चुनाव भाजपा के लिए संभवतः 2019 से भी ज्यादा अच्छे परिणाम ला सकता है। लेकिन भाजपा सिर्फ अच्छे चुनावी परिणाम के लिए काम नहीं कर रही है। मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा को दूसरों की ओर से कायम पुराने रिकॉर्ड तोड़ने और नये रिकॉर्ड बनाने का ऐसा जुनून सवार है कि वह 2024 में एक बड़े रिकॉर्ड की बराबरी करने और एक बड़े रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए काम कर रही है।

हम आपको बता दें कि भाजपा यदि 2024 के लोकसभा चुनावों को भी जीत जाती है तो तीसरी बार प्रधानमंत्री बनते ही नरेंद्र मोदी देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के लगातार तीन बार देश का प्रधानमंत्री बनने के रिकॉर्ड की बराबरी कर लेंगे। इसके साथ ही भाजपा 2024 में 1984 के संसदीय चुनावों में राजीव गांधी को मिली 404 सीटों का रिकॉर्ड तोड़ने के लक्ष्य के साथ काम कर रही है। इसीलिए भाजपा नेताओं ने नारा दे भी दिया है कि 'अबकी बार 400 पार'। देखा जाये तो नारा देना आसान है लेकिन उसे हकीकत में बदलना बेहद कठिन है, लेकिन आज के राजनीतिक दौर की एक सच्चाई यह भी है कि मोदी है तो मुमकिन है।

सवाल यह है कि 2024 में मोदी कैसे बनाएंगे नया रिकॉर्ड? कहां से आयेंगी 400 से ज्यादा सीटें? इन्हीं सवालों का जवाब तलाशने और आंकड़ों को अपने पक्ष में करने के लिए भाजपा बहुत पहले ही जमीन पर काम करना शुरू कर चुकी है। इस समय देखा जाये तो 13 राज्यों में भाजपा की अपने बलबूते सरकार है। इन राज्यों की संसदीय सीटों की बात करें तो उत्तर प्रदेश में 80, उत्तराखण्ड में पांच, असम में 14, छत्तीसगढ़ में 11, गोवा में 2, गुजरात में 26, हरियाणा में 10, मध्य प्रदेश में 29, महाराष्ट्र में 48, मणिपुर में 2, राजस्थान में 25, अरुणाचल प्रदेश में 2 और त्रिपुरा में 2 सीटें हैं। इसके अलावा भाजपा जिन राज्यों में गठबंधन सरकार में शामिल है उनमें मेघालय में 2, सिक्किम, नगालैंड और पुडुचेरी में 1-1 लोकसभा सीट शामिल हैं। यदि इन सीटों का कुल योग कर लें तो 261 सीटें बनती हैं। इसके अलावा यदि अन्य पार्टियों के शासन वाले राज्यों में भाजपा की लोकसभा सीटों की बात करें तो पार्टी ने 2019 के लोकसभा चुनावों में दिल्ली, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश, झारखंड और बिहार में भी शानदार प्रदर्शन किया था और अभी के हालात को देखें तो भाजपा इन राज्यों में अपने पिछले प्रदर्शन से ज्यादा अच्छे परिणाम 2024 में देने की स्थिति में नजर आ रही है। साथ ही यदि केंद्र शासित प्रदेशों की संसदीय सीटों की बात करें तो जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, अंडमान एवं निकोबार, चंडीगढ़, दादरा और नागर हवेली में भी 2024 में भाजपा की जीत के आसार नजर आ रहे हैं। इसके अलावा भाजपा जिस तरह दक्षिण के अन्य राज्यों में भी अपनी पैठ बनाने की कोशिश कर रही है उसके परिणाम खासतौर पर तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और केरल में देखने को मिल सकते हैं क्योंकि हाल में कई चुनावों में भाजपा ने इन राज्यों में अपना वोट प्रतिशत भी बढ़ाया है और अपनी पार्टी के संगठन को भी दुरुस्त किया है। देखा जाये तो एक बात साफ है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा इतनी लंबी लकीर खींचने में विश्वास रखते हैं जहां तक कोई सोच भी नहीं सकता हो। इसलिए जब भाजपा ने 'अबकी बार 400 पार' का नारा दिया है तो उस पर विपक्ष को कोई हैरानी नहीं हो रही है। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता रामगोपाल यादव ने तो कह भी दिया है कि भाजपा की नीति है कि वह नया रिकॉर्ड बनाना चाहते हैं इसलिए यह राजीव गांधी के जमाने में कांग्रेस की ओर से बनाये गये रिकॉर्ड को तोड़ना चाहते हैं। यही नहीं, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी विश्वास जता दिया है कि जितनी सीटें पिछले लोकसभा के चुनाव में आई थीं, इस बार उससे अधिक सीटों पर भाजपा विजय प्राप्त करेगी। पार्टी के अन्य नेता भी इसी तरह का विश्वास व्यक्त कर रहे हैं। बहरहाल, साल 2023 की शुरूआत त्रिपुरा, मेघालय और नगालैंड में चुनावी जीत के साथ और साल का अंत भी राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में चुनावी जीत के साथ करने वाली भाजपा के लिए 2024 कैसा रहेगा यह तो आने वाला वर्ष ही बतायेगा लेकिन इतना तो दिख ही रहा है कि हालिया विधानसभा चुनाव परिणामों से भाजपा का जोश एकदम हाई है।

महिला अग्निवीरों की शिरकत से और सशक्त हुई भारतीय नौसेना

डॉ. रमेश ठाकुर

नौसेना बलों की उपलब्धियां और राष्ट्र में उनके योगदान का वर्णन जितना किया जाए, उतना कम होगा। इसलिए भारत में ही नहीं, पूरे वर्ल्ड में हमारी नौसेना की वाहवाही होती है। इसलिए क्योंकि वह दिनों दिन अपने नए-नए प्रयोगों से नित नई ऊंचाइयां छू रही है। इस कड़ी में अब एक और नया अध्याय जुड़ गया है। नौसेना में आधी आबादी ने दस्तक दे दी है। इसी सीजन में एक हजार अग्निवीर महिला सैनिक नौसेना में शामिल हुई हैं जिससे इस टुकडी की न सिर्फ ताकत बढ़ी, बल्कि उनके अनुशासन कार्यान्वयन में भी क्रांतिकारी परिवर्तन आना शुरू हुआ। आज नौसेना दिवस है इस बार ये दिन इसलिए भी खास है क्योंकि इसमें अब महिलाओं की भी सहभागिता सुनिश्चित हो गई है। नौसेना में पहली मर्तबा नौसेनिक पोत पर महिला कमांडिंग अधिकारी को नियुक्त किया गया। सरकार का ये कदम निश्चित रूप से अकल्पनीय और सराहनीय है। महिला सशक्तिकरण में भारत ने एक और कदम आगे बढ़ा दिया है।

बहरहाल, आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण और जलीय निगरानी तंत्र में स्वदेशी जहाज, पनडुब्बी, आईएनएस विक्रांत, जलीय विमान, यूएवी यानी मानव रहित हवाई वाहन, हमारी नौसेना की ताकत हैं। उनकी सुरक्षा अभेद है। पलक झपकते ही दुश्मन को पानी में डुबोने की हिम्मत रखती है। नौसेना के इतिहास और आज के खास दिवस की बात करें, तो उसका एक सुनहरा युग हमने व्यतीत किया है। सन 1971 के इंडो-पाक युद्ध के दौरान ऑपरेशन ट्राइडेंट के शुरू होने कीं याद में हमारी सेना प्रत्येक वर्ष 4 दिसंबर को ह्यनौसेना दिवस का पर्व मनाती है। इंडियन नेवी की पूर्ण स्थापना की जहां तक बात है तो श्रीगणेश 1612 में हुआ। जब ईस्ट इंडिया कंपनी ने रायल इंडियन नेवी नाम से अपनी सेना बनाई थी। उस वक्त ईस्ट इंडिया कंपनी ने अपने कमर्शियल शिपों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर इस सैन्य का गठन किया था। पर, आजादी मिलने के बाद स्वतंत्र व्यवस्था ने 1950 में भारतीय नौसेना के रूप में पुनर्गठित कर दिया।

नेवी डे समुद्री सीमाओं को सुरक्षित सहजने और जलीय ऑपरेशन व मिशनों को मुकम्मल करने के तौर पर भी याद किया जाता है। बंदरगाह की यात्राओं, विभिन्न देशों की नौसेनाओं के साथ संयुक्त अभ्यास, परोपकारी मिशनों, समुद्री किनारों को सुरक्षा देना और अंतरराष्ट्रीय संबंधों को बनाए रखने की जिम्मेदारी भी इन्हीं कंधों पर होती है। नौसेना की अकल्पनीय भूमिका पर तो चचाएं होती ही है, उनकी देश भक्त निष्ठा जनमानस को सेना के प्रति आदर-सम्मान करना भी सिखाती है। देश का कोई ऐसा शख्स नहीं जिसे अपनी सेना पर गर्व न होता हो। नौसेना भारतीय सशस्त्र बलों की समुद्री प्रभाग है, जिसमें राष्ट्रपति कमांडर-इन-चीफ के रूप में कार्य करता है।

बहरहाल, नौसेना के समझ इस वक्त कुछ चुनौतियां खड़ी हुई है। वो चुनौती चीन दे रहा है। दरअसल, चीन हमारे समुद्री क्षेत्र में घुसपैठ करने की फिराक में कई समय से घात लगाए बैठा हुआ है। ये सच है कि सेना से वास्ता रखने वाली ज्यादातर सूचनाएं सार्वजनिक नहीं की जाती, इसलिए कि इंटरनल सुरक्षा का ख्याल रखा जाता है। फिर भी अगर कोई सूचना सेना द्वारा देशवासियों को दी जाए, तो समझ लेना चाहिए, मामला गंभीर है। नौसेना को सूचना मिली है कि हिंद प्रशांत में चीन कभी भी कोई बड़ी गड़बड़ी कर सकता है। ये बात पिछले ही सप्ताह खुद नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने बताई। मसला वास्तव में गंभीर है, हल्के में नहीं लिया जा सकता। चीन हिंद महासागर में अपनी सैन्य शक्तियों के माध्यम से भारतीय जलीय परिक्षेत्र में आक्रमण करने के मूड में है। हालांकि, कुछ एशिया देशों ने तो घुटने टेक भी दिए हैं। पाकिस्तान के जल क्षेत्र में वो खुलकर मनमानी कर रहा है। लेकिन उसकी भारतीय क्षेत्र में हिम्मत नहीं हो रही। उनको पता है भारतीय नौसेना उनका बुरा हाल कर देगी।

भारतीय नौसेना दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी नौसेना मानी जाती है। इसलिए चाइना इंडियन नौसेना की ताकत को अच्छे से जानता-समझता है। जलीय महासागरों का इस्तेमाल किसी भी राष्ट्र की वैध आर्थिक आकांक्षाओं के लिए होता है। इस लिहाज से देखें तो चीन के पास आर्थिक गतिविधियों के लिए हिंद महासागर क्षेत्र में मौजूद रहने का एक वैध कारण है। पर, हिंद महासागर क्षेत्र में क्षेत्रीय नौसैनिक शक्ति के रूप में, वहां क्या हो रहा है, इस पर भारतीय नौसेना अगर नजर रखती है तो चीन चिड़ता है। वो चाहता, उसकी कोई पहरेदारी न करे, समुंद्री संपदा पर दंबगई से राज करता रहे। पाकिस्तान, ताइबान, नेपाल आदि मुल्क शांत रहते हैं, वैसी ही उम्मीद चीन भारत से करता है। लेकिन, भारतीय नौसैनिक हमेशा चौकन्नी रहती है। चीन भी जानता है कि उनकी छोटी सी भूल पर ही भारतीय सैनिक उनको नेस्तनाबूद कर देंगे। इसलिए चीन फूंक-फूंक कर कदम रखता है।

भारतीय नौसेनिकों को ह्यजल प्रहरीह्व भी कहा जाता है, क्योंकि वो जल मार्ग की सुरक्षा में हमेशा मुस्तैद रहते हैं। वैसे, आज नौसेना दिवस पर चीन की निगाहें हमारी नौसैनिक प्रदर्शन पर गड़ी रहेगी। भारतीय नौसेना अपनी पश्चिमी कमान से लबरेज विभिन्न किस्म के जहाजों और नाविकों को इकट्ठा करके सामूहिक जश्न मनाएगी। उत्सव के दौरान, नौसेना दिवस की गतिविधियों का समन्वय पूर्वी नौसेना कमान, विशाखापत्तनम द्वारा होगा। युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि समारोह के अलावा, नौसेना के उप-जहाज, विमान और अन्य बल एक व्यावहारिक प्रदर्शन में अपने कौशल और ऊर्जा का प्रदर्शन करेंगे। आज के दिन नौसेना अपने युद्धपोतों व विमानों को एनार्कुलम में प्रदर्शनी महोत्सव आयोजित करके आम जनों को भी दिखाने का सुअवसर देती है जिसमें नेवी बॉल्स, नेवी क्वींस और अन्य प्रतियोगिताएं आयोजित होती हैं।

10 दिसम्बर को 6 केंद्रों पर लगेगा बौद्धिक ज्ञान प्रतियोगिता का महाकुंभ

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। मंगलवार को जिले की प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था वेलफेयर क्लब तथा बौद्धिक ज्ञान प्रतियोगिता प्रकोष्ठ (संयुक्त) की आवश्यक बैठक प्रधान कार्यालय पीरनगर पर की गयी। जिसमे जनपद स्तरीय बौद्धिक ज्ञान प्रतियोगिता अंतर्गत लिखित परीक्षाओं के आयोजन तथा परीक्षा केन्द्रों के निर्धारण पर विस्तृत चर्चा की गयी। क्लब पीआरओ सूर्य रेख मणि के अनुसार सामान्य ज्ञान ,गणित एवम तार्किक शक्ति, चित्रकला एवं निबंध की प्रतियोगिता 10 दिसम्बर दिन रविवार को जनपद के 06 केन्द्रों पर आयोजित की जाएगी जिसमे गाजीपुर सदर क्षेत्र में रामदूत इंटरनेशनल स्कूल रौजा को मुख्य परीक्षा केंद्र बनाया गया है जहाँ महाराजगंज, आदर्श गाव, रेवतीपुर, सुहवल क्षेत्र के प्रतियोगी परीक्षा देंगे जहाँ राहुल प्रताप मिश्रा को केंद्र व्यस्थापक नियुक्त किया गया है। वहीं गाजीपुर घाट, खालिसपुर, कठवामोड़ के अभ्यर्थियों के लिए सत्यदेव इंटरनेशनल स्कूल बोरसिया को केन्द्र बनाया गया है केन्द्र व्यवस्थापक प्रमोद कुमार बिंद होंगे, गौसपुर फिरोजपुर के छात्रों के लिए अवध इंटरनेशनल स्कूल को जहां रामनाथ कुशवाहा केन्द्र व्यस्थापक होंगे तथा मुहम्मदाबाद, सुरतापुर, मिजार्बाद, शेरपुर के अभ्यर्थियों को मार्टिंस चिल्ड्रेन एकेडमी भावरकोल में परीक्षा देनी होगी जहा श्रीमती सुषमा यादव को केन्द्र व्यस्थापक की जिम्मेदारी दी गई है, कासिमाबाद क्षेत्र में सूरज इंटरनेशनल स्कूल को केन्द्र बनाया गया है जहा अलावलपुर, गंगौली, नारायनपुर, महेशपुर के छात्र परीक्षा देंगे सत्यदेव दुबे केंद्र व्यस्थापक होंगे, शादियाबाद चौचकपुर करण्डा के छात्रो के लिये रेनबो मार्डन स्कूल नंदगंज केंद्र व्यस्व्थापक पवन पांडेय होंगे जबकि सैदपुर, देवकली तथा देवचंदपुर के छात्रो के लिए आरजेपी स्कुल सैदपुर केंद्र व्यस्थापक अनिल कुशवाहा होंगे। क्लब पीआरओ के अनुसार प्रतियोगी परीक्षाओं के सफल सम्पादन हेतु ओजस कोचिंग शाखा नवाबगंज के 120 अनुभवी एवं कुशल छात्र छात्राये कक्ष निरीक्षक नियुक्त किये जायेंगे जबकि सुचिता व पारदर्शिता के लिये सत्य प्रकाश तिवारी, सुरेन्द्र प्रताप मिश्रा, धीरेन्द्र त्रिपाठी को प्रेक्षक जबकि डा0 जितेन्द्र कुमार को केन्द्रीय प्रेक्षक बनाया गया है। प्रतियोगियों को किसी भी प्रकार की परेशानियों के निराकरण के लिए कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है जिसका कंट्रोल नम्बर 9415881122 है। बैठक में क्लब उपाध्यक्ष धीरेन्द्र त्रिपाठी, जनपद गवर्नर पवन पाण्डेय, अध्यक्षा महिला प्रकोष्ठ श्रीमती रिंकू यादव, क्लब आडिटर डा0 जितेन्द्र कुमार, संयुक्त सचिव राम नाथ कुशवाहा, गोपी सिंह कुशवाहा , सत्य देव दूबे , अजय यादव , राम कुमार ,राम नगीना प्रजापति, सतेन्द्र श्रीवास्तव, आदि उपस्थित रहे । क्लब महिला प्रकोष्ठ उपाध्यक्ष श्रीमती सुषमा यादव ने किया।

राम कथा के श्रवण मात्र से ही मानव जीवन धन्य हो जाता है

प्रखर पटहेरवा, कुशीनगर। रजवटिया में श्री महाविष्णु महायज्ञ के दौरान चल रही श्रीराम कथा में कथावाचक पद्मेश महाराज ने श्री रामचरित मानस के विभिन्न प्रसंगों का सजीव वर्णन कर रहे हैं। इस दौरान उन्होंने सातवे दिन जब प्रभु श्रीराम के विवाह का वर्णन किया, तो मानो पूरा पंडाल श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा।लोग झूम झूम कर भजन गाने लगे। धर्मेंद्र विश्वकर्मा, राजेश चौबे, हरेंद्र शर्मा, अमित शर्मा के द्वारा बजाए जा रहे वाद्ययंत्रों की ध्वनि पर विवाह गीत गाते हुए श्रदालु प्रभु श्रीराम और माता जानकी के विवाह के प्रसंग का आनन्द लेते दिखे। इससे पहले सुबह यज्ञाचार्य डा. धर्मेंद्र शास्त्री ने यजमान निक्की सिंह, विजयप्रताप सिंह, शालिनी सिंह, संदीप सिंह, फूलमती देवी, जीउत गुप्ता, अजय सिंह, सीमा सिंह, से सुबह व शाम को हवन कराया। इस दौरान पूरा पंडाल श्रद्धालुओं से खचाखच भरा नजर आया और वैदिक मंत्रोचार से पंडाल गूंजता रहा, यज्ञस्थल की सैकड़ों की तादात में भक्त परिक्रमा कर अपनी आस्था प्रकट करते नजर आए। कथा प्रसंग को आगे बढाते हुए कथावाचक पद्मेश जी महाराज ने कहा कि भगवान श्री राम का जीवन चरित्र ही धर्म है। भगवान राम अपने गुरु, पिता, भाई संत, अनुचर, सहचर से कैसे व्यवहार करते हैं। धर्म को समझना हो तो उनके आदर्श को अपना लें तो धर्म का पालन हो जाएगा, क्योंकि धर्म के सारे लक्षण भगवान के चरित्र में समाहित हैं। उन्होंने कहा कि राम कथा के श्रवण मात्र से ही मानव जीवन धन्य हो जाता है तथा मनुष्य जीवन के सारे दुखों का नाश हो जाता है। उसे हर स्थिति में एक समान रहने की सीख मिलती है। राम नाम तो कण-कण में व्याप्त है। मात्र कुछ ही वक्त निकालकर अगर कोई रामकथा सुन ले तो उसका जीवन सफल हो जाता है। आज हर किसी के जीवन में उतार-चढ़ाव है। ऐसे में रामकथा उन्हें सच्चाई का अहसास करवाती है। बिना सत्संग के मानव का जीवन अधूरा होता है। जीवन के सारे कष्टों का निवारण सिर्फ राम कथा से ही संभव है। आयोजको ने बताया कि 7 दिसम्बर को विशाल भण्डारे के साथ यज्ञ की पूणार्हुति ह्योगी। उन्होंने कार्यक्रम में लोगो के शामिल होने की अपील की है।

अंतर महाविद्यालीय रोप स्क्रिपिंग प्रतियोगिता संपन्न

प्रखर मिजार्पुर। कैलहट क्षेत्र के राजदीप महाविद्यालय में महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ द्वारा अंतर महाविद्यालीय रोप स्क्रिपिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस आयोजन में महिला एवं पुरुष दोनों संवर्ग के प्रतिभागियों ने प्रतिभा किया। प्रतियोगिता में होप 1 मिनट, स्पीड स्पेंड 30 सेकंड ,एंडोरेंस 3 मिनट ,डबल अंदर 30 सेकंड, ट्रिपल अंडर फ्री स्टाइल म्यूजिक के साथ तथा टीम इवेंट में स्पीड रिले 30 सेकंड चार प्रतिभागियों के साथ ,डबल टच स्पीड रिले एवं डबल टच स्पीड फ्री रिले प्रतियोगिताएं संपन्न हुई । जिसमें मीरा यादव सुश्री बिना डॉक्टर मृदुला व्यास निर्णायक मंडल तथा संदीप यादव अभिषेक प्रताप, आशुतोष सिंह ,शिल्पी कुशवाहा, स्नेहा ने प्रतियोगिता संपन्न करने में सहयोग प्रदान किया। उक्त अवसर पर महाविद्यालय के प्रबंधक इंजीनियर राजबहादुर सिंह, प्राचार्या डॉक्टर गायत्री सिंह, चंद्रशेखर सिंह, डॉक्टर इमरान, शिवलाल यादव ,विनोद सिंह आदि उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालक अखंड प्रताप सिंह ने किया उक्त प्रतियोगिता में 6 महाविद्यालय ने प्रतिभाग किया।

टैक्सीस्टैंड हैं परंतु वाहन सड़कों पर

प्रखर महराजगंज/ बृजमनगंज। नगर पंचायत बृजमनगंज मे आए दिन राहगिरो को हो रही परेशानी को लेकर वार्ड नं 13 निवासी समाजसेवी पंकज श्रीवास्तव ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र। उन्होंने बताया कि नगर पंचायत बृजमनगंज में टैक्सी स्टैंड के लिए जगह निर्धारित कई महीने पहले ही किया जा चुका है परंतु अभी तक वहां पर कोई भी सवारी गाड़ियां नहीं खडी करते हैं। कोल्हई रोड पर, धानी मोड़ पर, धानी ढाला पर तीन पहिया एवं चार पहिया वाहन खडा कर देते है जिसके कारण सड़क जाम की समस्या बनी रहती है एक तरफ प्रदूषण की समस्या के साथ छात्रों एवं राहगीरों को आने जाने मे दिक्कतों का सामना करना पड़ता हैं। इस संबंध में नगर पंचायत अध्यक्ष राकेश जायसवाल ने कहा कि जल्द ही समस्या का समाधान किया जायेगा।

पांच दिवसीय बौद्ध धम्म जागरण का हुआ शुभारंभ

प्रखर बृजमनगंज महराजगंज। बृजमनगंज थाना क्षेत्र के ग्रामसभा फुलमनहां के नव निर्मित अम्बेडकर पार्क में शनिवार को अम्बेडकर जन कल्याण समिति के द्वारा पांच दिवसीय बुद्ध कथा का धमाकेदार आगाज हुआ। जो दिन में 2 बजे से शाम 4 बजे तक और रात्रि 8 बजे से 12 बजे तक चलेगी। बौद्ध धम्म जागरण के मुख्य अतिथि राज्य विधि अधिकारी एडवोकेट रामअवध मौर्य ने भगवान बुद्ध और डा भीम राव अम्बेडकर की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित करके बुद्ध कथा का शुभारंभ किया। कथा में पहुंचे एडवोकेट रामअवध मौर्य ने कहा बुद्ध कथा से क्षेत्र के लोग प्रभावित होकर बुद्ध के बताए हुए मार्ग पर चलेंगे और एक नया इतिहास रचेंगे। देश की काफी आबादी ने बुद्ध के बताए हुए मार्ग पर चलकर उन्नति हासिल की है एवं तमाम तरह की वर्ण व्यवस्थाओं एवं पाखंडो कुरीतियों एवं ऊंच-नीच की भावना से मुक्त हुए है। कथा में कथावाचक सुश्री संघमित्र बौद्ध द्वारा आए समस्त कथा श्रोताओं का अपने संगीत के माध्यम से भगवान बुद्ध के जीवन बृतांत व डा. भीमराव अंबेडकर के संपूर्ण जीवन परिचय को सुनाया। उन्होंने अहिंसा को लेकर भगवान बुद्ध के लिए कार्य और संदेशों को बौद्ध श्रोताओं को बताया। साथ ही बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के जीवन वृतांत व संघर्षो का भी बखान किया। जहां पर हजारों की संख्या में आए लोगों ने बुद्ध कथा सुन कर आनंद लिया। इस दौरान विनोद भारती, गोपाल, दिलीप कुमार बौद्ध, श्रवण कुमार, चंद्र कुमार, अनील कुमार, विंदा प्रसाद, रामदवान यादव, संदीप भारती, जोगमन भारती, राम सावर, राममिलन पटवा, बबलू वर्मा आदि मौजूद रहे।

सिग्नस लक्ष्मी हॉस्पिटल के हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. शशिकान्त सिंह ने कहा आयुष्मान कार्ड के अंतर्गत मध्यम एवं निम्न वर्गीय समाज के लोगों को कम पैसे में आधुनिकतम हृदय चिकित्सा सेवा

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। कैण्ट रोडवेज स्थित काशी के प्रथम कॉरपोरेट सुपर स्पेशिलिटी हॉस्पिटल सिग्नस लक्ष्मी हॉस्पिटल के सभागार में 5 दिसम्बर मंगलवार कों किया गया पत्रकार वार्ता का आयोजन` इस पत्रकार वार्ता के माध्यम से सिग्नस लक्ष्मी हॉस्पिटल के नये हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. शशिकान्त सिंह एम.बी.बी. एस.,एम.डी. (जनरल मेडिसीन), डी.एम. (कार्डियोलॉजी) एम्स, विशेषज्ञ - इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी, पीडियाट्रिक कार्डियोलॉजी, सदस्य अमेरिकन कॉलेज ऑफ कार्डियोलॉजी, हार्ट फेल्योर सर्टिफाइड (यूरोपियन सोसाइटी ऑफ कार्डियोलॉजी) के बारे में दी गई विस्तृत जानकारी ` डॉ. शशिकान्त सिंह को कोरोनरी एंजियोग्राफी, कोरोनरी एजियोप्लास्टी, अस्थायी और स्थायी पेसमेकर इम्पलांटेशन, इम्प्लांटेबल कार्डियक डिफिब्रिलेटर, कार्डियक रीसिक्रनाइजेशन थेरेपी, जन्मजात शंटघावों को बंद करने वाला उपकरण, वाल्युलर हृदय रोग जैसे पीटीएमसी,पल्मोनरी स्टेनोसिस, महाधमनी का समन्वय, परिधीय धमनी, डिवाइस प्रत्यारोपण में विशेषज्ञता हासिल है` आयुष्मान कार्ड के अंतर्गत मध्यम एवं निम्न वर्गीय समाज के लोगों को कम पैसे में आधुनिकतम हृदय चिकित्सा सेवा (बाईपास सर्जरी, एंजीयोप्लास्टी- स्टेन्ट लगाना, पेसमेकर, वाल्व प्रत्यारोपण, कोरोनरी एंजीयोग्राफी, 2डी इको टीएमटी हॉल्टर, इलेक्ट्रो फिजियोलॉजी, वक्षीय सर्जरी एवं फेफड़े के ट्यूमर की सर्जरी आदि) प्रदान की जाती है` जैसा कि विदित हो कि कैण्ट रोडवेज स्थित सिग्नस लक्ष्मी हॉस्पिटल पूर्वांचल का प्रथम कॉरपोरेट सुपर स्पेशियालिटी हॉस्पिटल है जहाँ पर बड़े शहरों की तरह चिकित्सा सुवधिायें रियायती मूल्य पर उपलब्ध करायी जाती है इस हॉस्पिटल में मरीजों को अपने घर जैसे माहौल में ईलाज किया जाता है` सिग्नस लक्ष्मी हॉस्पिटल में मुख्यतः हृदय रोग, न्यूरो सर्जरी, कैंसर सर्जरी, जनरल सर्जरी, ट्रामा, घुटना एवं कूल्हा प्रत्यारोपण, गैस्ट्रो एवं लीवर डिपार्टमेंट आदि विभागों की सुविधायें उपलब्ध है` पत्रकार वार्ता के दौरान मुख्यतः मेडिकल डायरेक्टर डॉ. सफीर हैदर, वाइस प्रेसीडेंट सुमित सैनी एवं यूनिट हेड आदित्य झा आदि उपस्थित रहे।

एनडीआरएफ के जवानों ने बेजुबान को कुएं से निकाला, गाय की बचाई जान

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। एनडीआरएफ वाराणसी की टीम आपदा के समय जन मानस की सहायता हेतू राहत-बचाव कार्य के लिए सदैव तत्पर रहती है लेकिन कभी यदि जीव-जंतुओं को बचाने की बात आती है तो मानवता के नाते अपने दायित्व को निभाते हुए एनडीआरएफ के बचाव कर्मी अपनी सार्थक भूमिका निभाते है इसी क्रम में आज एक घटना गांव मजीठिया, थाना लालपुर -पांडेयपुर के अंतर्गत घटित हुई जिसमें एक गाय 50-60 फिट गहरे कुएं में जा गिरी। कुआं खेतों के बीच में था जिसका बहुत समय से इस्तेमाल नहीं किया जा रहा था जैसे ही गांव वालों को इसकी जानकारी मिली तो उन्होंने गाय को निकालने का प्रयास किया` कुएं में जहरीली गैस होने के कारण स्थानीय लोग गाय तक पहुंच नहीं बना पा रहे थे जिसके बाद जिला प्रशासन को घटना की जानकारी दी गई और घटना का संज्ञान लेते हुए चौकाघाट स्थित एनडीआरएफ टीम को घटना की दी गयी जानकारी। एनडीआरएफ के उप महानिरिक्षक मनोज कुमार शर्मा ने त्वरित कार्यवाही करते हुए एनडीआरएफ टीम को घटना स्थल पर बचाव कार्य के लिए निर्देशित किया घटनास्थल पर पहुंची टीम ने स्थिति का जायजा लिया। कुएं में गिरी गाय की स्थिति को देखते हुए तुरंत कार्रवाई करते हुए डीप डाइविंग सेट लगाकर, रोप रेस्क्यू के माध्यम से रेस्क्यूअर को नीचे उतारा गया अपनी जान जोखिम में डालकर एनडीआरएफ के रेस्क्यूअर ने गाय तक पहुंच बनाई और गाय को लगी चोटों को ध्यान में रखते हुए गाय को बाँधा और टीम ने रोप रेस्क्यू के माध्यम से सुरक्षित गाय को कुएं से बाहर निकाला पुलिस की मौजूदगी में गाय को गांव वालों को सौंपा गया।

महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी द्वारा आयोजित दीपोत्सव के उपलक्ष में इतिहास विभाग द्वारा एक दिवसीय शैक्षणिक उत्सव का आयोजन किया गया

प्रखर वाराणसी। इतिहास विभाग के स्नातक एवं स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों ने निबंध लेखन प्रतियोगिता में भाग लिया । निबंध लेखन का विषय" पर्यावरण संरक्षण एवं भारतीय परंपरा " विभागाध्यक्ष प्रोफेसर जया कुमारी आर्यन ने पर्यावरण संरक्षण एवं भारतीय परंपरा के महत्व तथा दीक्षांत समारोह के बारे में विस्तृत बताया । निबंध प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में प्रोफेसर आनंद शंकर चौधरी, डॉक्टर अंजना वर्मा ,डॉक्टर गोपाल यादव और डॉक्टर अनिरुद्ध कुमार तिवारी रहे एवम् कार्यक्रम के संयोजक डॉक्टर शैलेश कुमार सहसंयोजक डॉ अंजू सिंह रही। इस अवसर पर विभाग के अध्यापक डॉक्टर रविंद्र कुमार गौतम , डॉक्टर विरेंद्र प्रताप,डॉक्टर मनोज कुमार सिंह ,डॉक्टर अलका पांडे , डॉक्टर प्रिया श्रीवास्तव उपस्थित रही।

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिये व मतदान के लिये छात्राओं को एसडीएम ने किया जागरूक

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। गौर गांव मिजार्मुराद स्थित स्व. वंशनारायण सिंह महिला महाविद्यालय में 5 दिसम्बर मंगलवार कों एसडीएम राजातालाब अमित कुमार गुप्ता ने सभी छात्राओं को मतदाता सूची में नाम जोड़वाने व मतदान के लिए जागरूक किया` एसडीएम ने छात्राओं से कहां कि हम सबकी जिम्मेदारी है कि 18 वर्ष पूर्ण कर चुके लोगों का नाम मतदाता सूची में जुड़वाने के लिए आप सभी लोग प्रेरित करें मतदाता सूची में नाम जोड़वाने के लिए अभी तीन दिन का समय बचा हुआ है` एसडीएम ने कहा की भारत विश्व का सबसे बड़ा प्रजातंत्र देश है इसमें स्वस्थ जनतंत्र की पहचान सभी करें।मतदान प्रजातंत्र से नाता है हम सब मतदाता हैं हम सब ने ठाना है कि मतदाता सूची में नाम जुड़वाना है साथी ही सभी को मत का प्रयोग करने के लिए जागरूक किया` इस दौरान महाविद्यालय की दो सौ छात्राओं को मतदाता सूची में नाम जुड़ने के लिए एसडीएम ने छात्राओं को फॉर्म उपलब्ध कराएं इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रबंधक व भाजपा नेता संजीव सिंह गौतम, प्राचार्या डॉ. रिंकी सिंह, एचओडी अपर्णा विश्वकर्मा, डॉ. आशुतोष उपाध्याय, प्रशासनिक अधिकारी अभिषेक त्रिपाठी 'सुमित' सहित महाविद्यालय के समस्त प्रवक्तागण व छात्राएं उपस्थित रही।

निबंध कार्यालय वापस कचहरी आने पर अधिवक्ताओं में हर्ष, संघर्ष समिति का किया स्वागत

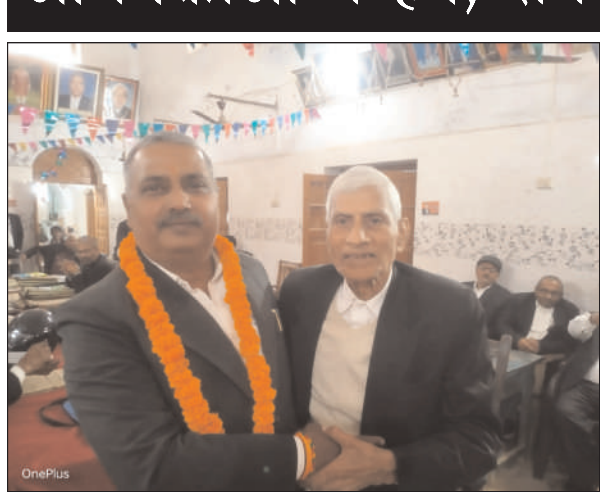

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। मंगलवार को सिविल बार संघ गाजीपुर के सभागार में निबंधन कार्यालय कचहरी परिसर में आने पर अधिवक्तागण को धन्यवाद एवं जनपद न्यायाधीश महोदय, को आभार देने के लिए मिटिंग की गयी जिसमें सेन्ट्रल बार संघ के अध्यक्ष व महासचिव अपने साथियो के साथ आये संघर्ष समिति के अध्यक्ष सुरेश सिंह सेन्ट्रल बार के अध्यक्ष विजय बहादुर सिंह एवं महासचिव राजेश श्रीवास्तव पूर्व अध्यक्ष धीरेन्द्र नाथ सिंह वर्तमान अध्यक्ष सुधाकर राय व महासचिव रतन जी श्रीवास्तव का माल्यार्पण कर स्वागत व बघाई दी गयी व अधिवक्ता एक्ता जिन्दाबाद के नारे लगा कर व मिठाईया खिलाकर विजय दिवस के रूप में मनाया गया धन्यवाद श्री चन्द्रबली राय, सत्येन्द्र श्रीवास्तव, प्रदीप देव सिंह, अशोक भारती भविष्य में अधिवक्ता एकता की बात कही सेन्ट्रल बार के अध्यक्ष ने कंधे से कंधा मिलाकर चलने की बात कहीं इस प्रकार अधिवक्ताओं के बीच खुशी की लहर थी एक दुसरे को बधाई देकर गले मिल रहें थे ।

शादियाबाद पुलिस ने किया 13 गौबंश व तमंचा सहित दो पशु तस्कर गिरफ्तार

गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर के निर्देश पर अपराध एंव अपराधियों व वांछित अभि0गण की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर एव क्षेत्राधिकारी भुड़कुडा/ सैदपुर, गाजीपुर के कुशल पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष कमलेश कुमार मय उ0नि0 कृष्ण प्रताप सिंह मय हमराह थाना शादियाबाद द्वारा मुखबिर खास की सूचना पर खतीरपुर पुलिया से 13 राशी गौबंशबछड़ा व एक अदद तमंचा 315 बोर व एक अदद जिन्दा कारतूस 315 बोर व गिरफ्तार शुदा दो नफर अभियुक्तगण रामप्रवेश पाण्डेय पुत्र रामराज पाण्डेय निवासी चकिया थाना करण्डा जनपद गाजीपुर,अजय यादव पुत्र राजेश यादव उर्फ भुड़कू निवासी वरिया थाना करण्डा गाजीपुर के बिरूद्ध धारा 3/5बी/8 गौबध निवारण अधिनियम व 3/25 A.Act भादवि थाना शादियाबाद गाजीपुर में मंगलवार को समय 04.30 बजे खतीरपुर पुलिया से गिरफ्तार कर चालान मा0 न्यायालय द्वारा किया जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

किसानों के फसल को छुट्टा पशु कर रहे बर्बाद

प्रखर घघसरा/गोरखपुर। पाली क्षेत्र के नेवास कोटिया भगवानपुर मोहानाग रानूखोर गांव अजगईबा घाट के पास छुट्टा पशुओं का आतंक बढ़ गया है। किसानों द्वारा बुवाई की गई गेहूं की फसल खेतों में अभी बड़ा होने शुरू हुए कि क्षेत्र के छुट्टा अपना निवाला बनाना अभी से ही शुरू कर दिया है। छुट्टा पशु खेतों में जितना अपना निवाला बनाते हैं उससे अधिक वह नाजुक गेहूं फसल को रौंदकर बर्बाद कर रहे हैं। ऐसे आवारा छुट्टा पशुओं से आखिर किसान कैसे पाएं निजात। इस संबंध में किसानों से बात की गई तो लोगों ने बताया कि खेतों की निगरानी के समय खेत में छुट्टा पशुओं के झुण्ड को किसी तरह भगा तो दिया जाता है लेकिन शिवान में चारों तरफ फसलें हैं, छुट्टा पशु जहां जाते हैं वहां फसलों को नुकसान करते हैं।

एक करोड रुपए, आईफोन और रॉयल एनफील्ड बुलेट.... क्रिकेट टीम बनाकर रातों रात करोड़पति बनी सिपाही की पत्नी

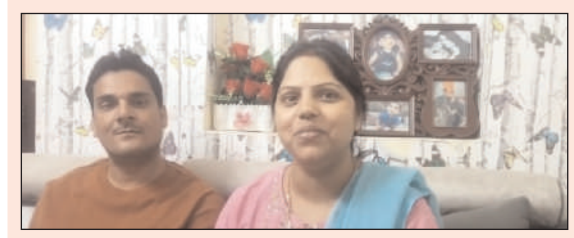

प्रखर संतकबीरनगर। उत्तर प्रदेश के संत कबीर नगर जिले की एक पुलिस कांस्टेबल की पत्नी ने ऑनलाइन स्पोर्ट्स बेटिंग साइट पर आईपीएल की अपनी टीम बनाकर एक करोड रुपए जीते। इसी के साथ उन्हें आईफोन और रॉयल एनफील्ड बुलेट भी गिफ्ट में भ मिला। बता दे जिला आरक्षी की पत्नी हाउसवाइफ है। और 2022 से उन्होंने स्पोर्ट्स बेटिंग साइट पर टीम बनानी शुरू की लेकिन इस बार उनकी किस्मत चमक गई और वह रात और रात करोड़पति बन गई। एक कहावत है कि देने वाला जब भी देता देता छप्पर फाड़ के जी हां ऐसा ही कुछ हुआ संत कबीर नगर में यहां जिला कारागार में तैनात पुलिस कांस्टेबल की पत्नी ने रातों-रात 1 करोड रुपए जीत लिए। दरसल कांस्टेबल देवेश मिश्रा की पत्नी अर्चना ने रविवार को ऑनलाइन सपोर्ट बेटिंग साइट पर आईपीएल की एक टीम बनाई लेकिन उन्हें नहीं पता था कि इससे वह करोड़पति बन जाएगी। जैसे ही नतीजा आया तो पता चला कि उन्होंने एक करोड रुपए जीते हैं यही नहीं इसके अलावा उन्हें बोनस के रूप में एक आईफोन और रॉयल एनफील्ड बुलेट भी मिली है। जैसे ही यह खबर आसपास के लोगों को लगी तो सभी उन्हें बधाई देने पहुंचने लगे अर्चना ने बताया कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि नसीब उनका इस कदर साथ देगा अर्चना देवरिया जिले की रहने वाली है। पति की पोस्टिंग इन दिनों संतकबीरनगर में है इसलिए वह परिवार के साथ यही रह रही है। आज उन्हें और उनके परिवार में खुशियों का ठिकाना नहीं है। बधाई देने वालों का ताता लगा हुआ है किस्मत ने ऐसी बाजी मारी की एक ग्रहणी के दोनो हाथो में लड्डू हैं।

समाजवादी पार्टी के बूथ अध्यक्ष की गला रेत कर हत्या

प्रखर मिजार्पुर। थाना क्षेत्र अदलहाट के ग्राम सभा टेढुआ में संदिग्ध अवस्था में सपा बूथ अध्यक्ष सोहन यादव (सोनू) पुत्र स्वर्गीय मोधन यादव उम्र लगभग 52 वर्ष की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई जिसमें हत्या की आशंका जताई जा रही है। मृतक के परिवार में एक पुत्र संदीप यादव उम्र लगभग 30 वर्ष एवं बहू शीला यादव तथा बेटे के दो बच्चे व पत्नी श्याम बाला हैं। प्रातः काल लगभग 4:00 बजे बहु जब पशुओं को चारा डालने के लिए घर के बाहर निकली तो खून से लथपथ मृत अवस्था में अपने ससुर को देखी। आनंन फानन में लोगों ने नरायनपुर के प्राइवेट अस्पताल में सोहन यादव को ले गए जहां डॉक्टर ने मृत बताया। मृतक का गला किसी धारदार हथियार से काटा गया था वही लगभग 10 से 15 मीटर की दूरी पर एक चारा मशीन है जहां पर खून भी गिरे हुए थे । इससे षड्यंत्र के द्वारा हत्या की आशंका भी जताई जा रही है। मौके पर पुलिस अधीक्षक सहित तमाम पुलिस बल उपस्थित होकर मामले की गहनता से जांच की। मृत शरीर को पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया गया है। मौके पर समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी व तमाम समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।वहीं परिजनों ने न्याय की गुहार लगाते हुए जल्द से जल्द अपराधियों को पकड़ने की मांग की है।

जिला पंचायत में व्याप्त भ्रष्टाचार से दुखी जिला पंचायत सदस्य विश्व केतु यादव ने किया इस्तीफा का एलान

प्रखर संतकबीरनगर। जनपद के अंतर्गत14 आने वाले वार्ड नंबर 14 के जिला पंचायत सदस्य विश्व केतु यादव ने अपने लिखित पत्र में इस्तीफा की बात कही। जिला पंचायत सदस्य विश्व केतु यादव का कहना है कि जिला पंचायत संत कबीर नगर में भ्रष्टाचार और दलाली अपनी चरम सीमा पर पहुंच गई है। जो जिला पंचायत अध्यक्ष , अपर मुख्य अधिकारी राजकुमार शुक्ला एवं अन्य की मिली भगत से हो रहा है जिला पंचायतो को काम के नाम पर लॉलीपॉप देकर सारे काम को कमीशन पर सीधे ठेकेदारों के माध्यम से कराया जा रहा है सभी जिला पंचायतो के बीच भेदभाव पूर्वक काम दिया जा रहा है आगे उन्होंने बताया कि कल जिला मुख्यालय पर प्रेस वार्ता करने के बाद मैं अपने पद से त्यागपत्र दे रहा हूं ।जब मैं इन कमीशन खोरो की वजह से अपने जिला पंचायत क्षेत्र में कोई काम नहीं करवा पा रहा, अपने लोगों की लड़ाई नहीं लड़ पा रहा हु ,तो मुझे पद पर बने रहने का कोई औचित्य नहीं है जिला पंचायत के भेदभाव एवं भ्रष्टाचार से छुबध होकर आज मैं अपने पद से इस्तीफा दे रहा हूं और जिला पंचायत सदस्य विश्व केतु यादव अपने समर्थकों के साथ धरने पर बैठ गए। वहीं जिला पंचायत सदस्य विश्व केतु यादव की नाराजगी और धरने पर बैठने से जिला पंचायत अध्यक्ष तथा अपर मुख्य अधिकारी तथा अन्य कर्मचारियों के होश उड़ गए । किसी तरह मामले की पटाक्षेप करने में जुट गए। वही इस पूरे मामले पर जिला पंचायत अध्यक्ष बलराम यादव ने कहा की परिवार में छोटी-मोटी बातों पर मनमुटाव बड़ी बात नहीं है विश्व केतु यादव सदन के साथी हैं। आपस में बैठ कर उनकी विकास की समस्याओं को जल्द दूर कर दिया जाएगा। जिला पंचायत अध्यक्ष बलराम यादव ने धरना दे रहे विश्व केतु यादव से समस्याओं को दूर करने के लिए कुछ समय मांगा। जिस पर धरना दे रहे विश्व केतु यादव ने अपने धरने को समाप्त किया। जहां पहुंच कर मतभेदों को दूर कर धरने को कराया समाप्त । जिले के प्रथम नागरिक के आश्वासन पर धरने पर बैठे लोगों ने धरना किया समाप्त।। धरने पर बैठे लोगों को समझा बूझाकर आपसी मत भेदों को भूलकर धरनें को कराया समाप्त।

Entertainment News

पति विक्की को इन तीन नामों से बुलाती हैं कैटरीना कैफ

फिल्ममेकर करण जौहर के पॉपुलर शो कॉफी विद करण 8 के नए एपिसोड का प्रोमो इस वक्त सोशल मीडिया पर काफी सुर्खियां बटोर रहा है। इस बार करण जौहर के शो में एक्ट्रेस कियारा आडवाणी के साथ 'सैम बहादुर' एक्टर विक्की कौशल पहुंचे। जिन्होंने शो में खुद की प्रोफेशनल लाइफ के साथ-साथ पर्सनल लाइफ को लेकर भी कई दिलचस्प खुलासे किए। इस दौरान उन्होंने ये भी बताया कि कैटरीना कैफ उन्हें किस नाम से बुलाती हैं।

विक्की को इन तीन नामों से बुलाती हैं कैटरीना

शो में करण जौहर विक्की और कियारा से ढ़ेर सारी बातें तो करते ही हैं। साथ फिल्ममेकर दोनों स्टार्स के साथ एक मजेदार गेम भी खेलते हैं। इस गेम में करण विक्की से पूछते हैं कि वो तीन नाम बताएं दो आपके पार्टनर आपको कहकर बुलाती हैं। इसका जवाब देते हुए सैम बहादुर फेम विक्की कौशल कहते हैं कि, बूबू, बेबी और हेहेय, एक्टर का ये जवाब सुनने के बाद ना सिर्फ करण बल्कि कियारा भी जोर-जोर से हंसने लगती हैं।

वीर पहाड़िया संग इश्क में हैं हरनाज संधू

सारी दुनिया में अपने हुस्न का जादू चलाने वाली साल 2021 की मिस यूनिवर्स हरनाज कौर संधू वैसे तो अक्सर चर्चा का विषय रहती हैं। कुछ वक्त पहले वह अपने बढ़ते हुए वजन को लेकर सुर्खियों में बनी हुई थीं। इसके लिए हरनाज कौर को अक्सर ट्रोल किया जाता है। लेकिन इसके अलावा वह अपनी लव लाइफ को लेकर भी सुर्खियों में बनी रहती हैं। इन दिनों हरनाज के वीर पहाड़िया के साथ दिल का टेलीफोन बजने के चर्चे हैं। दरअसल बीते दिनों हरनाज, वीर पहाड़िया के साथ 'जियो वर्ल्ड प्लाजा' इवेंट में पहुंचीं थीं, तब से ये खबरें हैं। हाल ही में हरनाज ने वीर की लेटेस्ट फोटो पर कुछ ऐसा कमेंट किया है, जिसके बाद फिर से दोनों के अफेयर की खबरें सामने आ रही हैं।वीर पहाड़िया वैसे तो सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं। वह अक्सर अपने फोटोशूट की तस्वीरें और अन्य फोटोज भी शेयर करते रहते हैं। उनकी फोटोज पर फैंस के भी काफी तगड़े रिएक्शन होते हैं। हाल ही में वीर पहाड़िया ने सोशल मीडिया पर अपनी कुछ फोटोज शेयर की हैं। इस फोटो में वह ग्रे पैंट के साथ ब्लैक हाईनेक पहने दिख रहे हैं। फोटोज में वह काफी ज्यादा हैंडसम लग रहे हैं।

हरनाज का स्पेशल कमेंट

वीर की इस फोटो पर बहुत से कमेंट्स आए हैं, लेकिन एक कमेंट बहुत खास है और वह है हरनाज कौर संधू का। हरनाज ने फोटो के साथ लिखा है, 'जंगल में केवल एक ही राजा है।' हरनाज के इस कमेंट के बाद तो दोनों के अफेयर की खबरों को और ज्यादा हवा मिल गई है और उनकी डेटिंग की खबरों को लेकर अटकलें तेज हो चली हैं।

वीर की इस फोटो पर बोना कपूर और ओरी का भी कमेंट है। इस फोटो पर फैंस ने वीर की खूब तारीफ की है।

जब अपने ही पिता से नफरत करने लगे थे जावेद जाफरी

बॉलीवुड के जाने-माने एक्टर जावेद जाफरी को कौन नहीं जानता। उन्होंने कई फिल्मों और टीवी शो में अपने दमदार अभिनय का हुनर पेश किया है। उन्होंने कई फिल्मों में काम किया। अपने 38 साल के करियर में जावेद जाफरी ने करीब 90 से ज्यादा फिल्मों में काम किया, जिनमें उन्होंने अलग-अलग किरदार निभाएं और उन किरदारों ने उनको पहचान दिलाई। इन किरदार में जावेद ने कॉमेडी से लेकर विलेन के अपने हर किरदार में अपने अभिनय ने जबरदस्त रंग भरा। उनके किरदारों और अभिनय को याद भी पसंद किया जाता है। जावेद जाफरी को ज्यादातर फैंस आज भी डांस रियलिटी शो 'बूगी वूगी से जानते हैं।यह शो साल 1996 में सोनी टीवी पर आया करता था, जो बच्चों का डांस सो हुआ करता था। इस शो को उस दौर में जावेद जाफरी उनके भाई नावेद जाफरी और रवि बहल जज किया करते थे। उस दौर में इस शो का खूब पसंद किया जाता था। इस शो के अलावा जावेद ने एक जापानी गेम शो 'ताकेशी केस्टल' का भी फनी वॉइस ओवर किया करते थे, जिसको खूब पसंद किया जाता था।

करियर था सफल लेकिन पिता संग रिश्ते नहीं

अपने जमाने में जावेद जाफरी अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ-साथ अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी सुर्खियों में रहा करते थे। दरअसल, जावेद जाफरी बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर जगदीप के बेटे हैं,जिन्होंने कई फिल्मों में अपने कॉमिक किरदारों से लोगों का गुदगुदाया है। आज भी लोग उनको अमिताभ बच्चन और धर्मेंद्र की फिल्म 'शोले' के 'सूरमा भोपाली' के नाम से जानते हैं। बताया जाता है कि एक समय ऐसा भी आया जब जगदीप को शराब और जुए की बुरी लत लग गई थी, जिसकी वजह से जावेद और जगदीप के रिश्तों में खटास आ गई और वो अपने पिता से नफरत करने लगे।

हालांकि, काफी लंबे समय के इंतजार के बाद जगदीप ने इस आदतों से पीछा छुड़ा लिया है, जिसके बाद बाप और बेटे के संबंध एक बार फिर से ठीक हो गए और जगदीप के आखिरी समय तक जावेद उनके साथ रहे।

BOLLYWOOD UPDATE

दीपिका ने ब्लू वेलवेट गाउन में रचा इतिहास

बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण का नाम ब्रेन विथ ब्यूटी हसीनाओं की लिस्ट में शुमार है। दीपिका ने सिर्फ खूबसूरत, और बेहतरीन एक्ट्रेस हैं, बल्कि वो काफी टैलेंटेड भी हैं। अपनी एक्टिंग स्किल्स और कातिलाना लुक के चलते दीपिका बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक की फिल्मों में अपना बिखेर चुकी हैं। वहीं अब दीपिका ने अपने टैलेंट के दमपर एक बार फिर भारत को गौरवान्वित होने का मौका दिया है और ऐसा कर के एक्ट्रेस के नाम एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है।

दीपिका पादुकोण के नाम जुड़ी एक और बड़ी उपलब्धि

दरअसल, हाल ही में एकेडमी म्यूजियम गाला का आयोजन किया गया, जिसे ऑस्कर के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मंच माना जाता है। इस इवेंट में कई हॉलीवुड सितारों ने रेड कार्पेट पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। इस इवेंट में बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण भी शामिल हुईं, जिसके बाद दीपिका पादुकोण एकेडमी म्यूजियम गाला' में शामिल होने वाली पहली इंडियन एक्ट्रेस बन गई हैं। दीपिका पादुकोण ने ऐसा कर के एक बार फिर देश का नाम रौशन किया है। इससे पहले एक्ट्रेस ने इस साल की शुरुआत में ऑस्कर में इंडियन गाने को प्रेजेंट करने के लिए मंच पर कदम रखते हुए इतिहास रचा था।अपने लुक से हॉलीवुड एक्ट्रेसेज को दिया टक्कर वहीं दीपिका के एकेडमी म्यूजियम गाला के इस उपलब्धि के अलावा उनके लुक की भी खूब चर्चा हो रही है। इस दौरान दीपिका पादूकोण ने ब्लू कलर का वेलवेट गाउन पहना हुआ था। ड्रेस के साथ एक्ट्रेस ने डायमेंड ज्वैलरी से अपने लुक को कम्पलीट किया था। इस लुक में दीपिका सेलेना गोमेज-दुआ लीपा जैसी हॉलीवुड स्टार्स को टक्कर देती नजर आईं।

ये अचीवमेंट्स भी अपने नाम कर चुकीं हैं दीपिका

वहीं इससे पहले दीपिका इस साल रिलीज हुई फिल्म पठान को लेकर सुर्खियों में थीं। इस फिल्म ने दुनिया भर में 1 हजार करोड़ से भी ज्यादा की कमाई कर कई रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। जिसके बाद एक्ट्रेस ने टाइन मैगजीन के कवर पर भी अपनी जगह बनाई थीं। एक्ट्रेस की इस उपल्बिध पर उनके फैंस काफी खुश हैं। वहीं वर्क फ्रंट की बात करें तो, दीपिका पादुकोण जल्द ही ऋतिक रोशन के साथ फिल्म फाइटर में नजर आने वाली हैं।

बॉलीवुड की ये खूबसूरत हसीना ठुकरा चुकी हैं रजनीकांत की 4 फिल्में

सुपरस्टार रजनीकांत पिछले कई दशकों से एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में एक्टिव हैं। 72 की उम्र में भी वह एक के एक सुपरहिट फिल्में दे रहे हैं। रजनीकांत के साथ फिल्में करना बड़ी बात मानी जाती है। हर कोई उनके साथ काम करना चाहता है लेकिन बॉलीवुड की एक ऐसी एक्ट्रेस हैं जिन्होंने एक बार नहीं बल्कि रजनीकांत की चार फिल्मों को मना किया है. उनका नाम है ऐश्वर्या राय बच्चन।

ऐश्वर्या राय बच्चन ने ठुकराई रजनीकांत की चार फिल्में

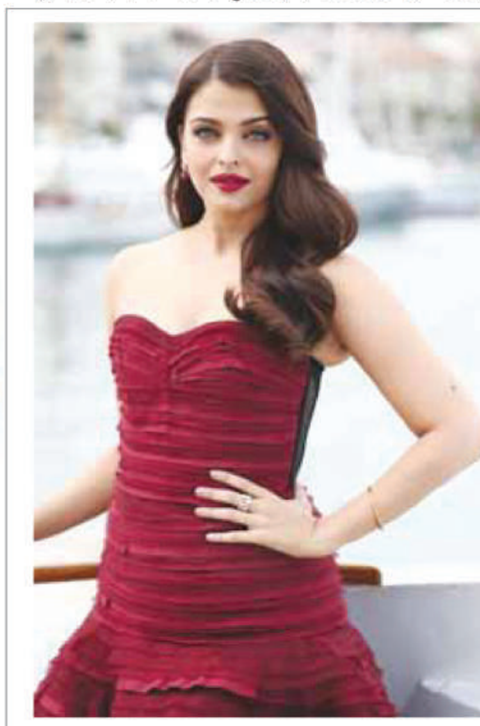

ऐश्वर्या राय बच्चन बॉलीवुड दमदार एक्ट्रेसेस की लिस्ट में शुमार हैं। अपने पूरे करियर में वह कई सफल फिल्मों का हिस्सा रह चुकी हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, ऐश्वर्या राय बच्चन को रजनीकांत की सुपरहिट फिल्म Padayappa ऑफर हुई थी लेकिन एक्ट्रेस ने किसी वजह से फिल्म को ठुकरा दिया था। इसके अलावा ऐश्वर्या को रजनीकांत की बाबा, चंद्रमुखी और शिवाजी: द बॉस जैसी फिल्में भी मिली थीं, लेकिन एक्ट्रेस ने रिजेक्ट कर दिया था। हालांकि, इसके बाद ऐश्वर्या राय बच्चन ने रजनीकांत के साथ फिल्म Enthiran में स्क्रीन शेयर किया था और फिल्म कमर्शियली कामयाब भी साबित हुई थी।

2010 में बनी जोड़ी और ब्लॉकबस्टर हुई फिल्म

आपको बता दें कि साल 2010 में रिलीज हुई Enthiran का हिंदी नाम रोबोट था। इसमें रजनीकांत और ऐश्वर्या राय बच्चन की केमिस्ट्री को बहुत पसंद किया गया था। फिल्म के डायरेक्टर शंकर थे। रिलीज के बाद रोबोट ने 2 नेशनल अवॉर्ड अपने नाम किया था। मूवी को बेस्ट स्पेशल इफेक्ट्स और बेस्ट प्रोडक्शन डिजाइन का अवॉर्ड मिला था। कमाई के मामले में रोबोट बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी।

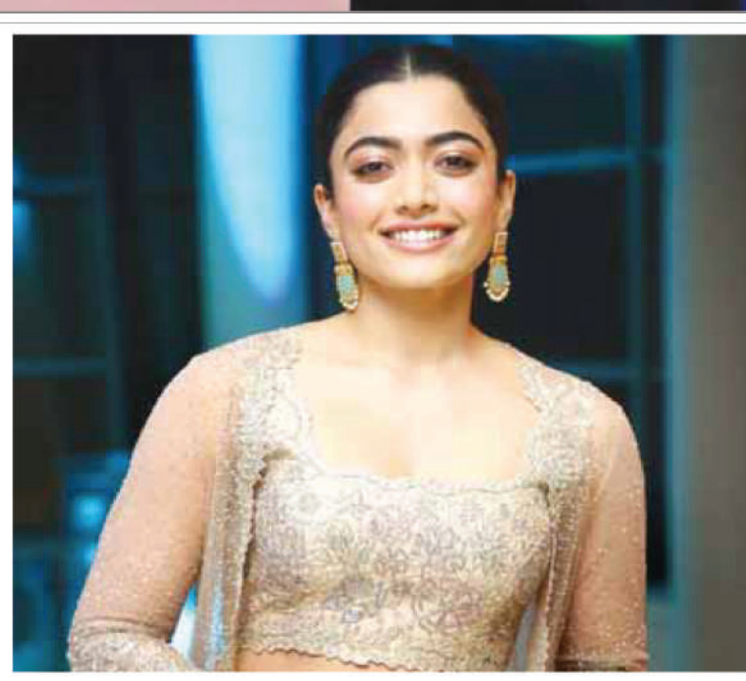

एनिमल रिलीज होते ही रश्मिका के हाथ लगी धांसू मूवी

साउथ एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी हालिया रिलीज मूवी एनिमल की रिलीज के बाद बेहद उत्साहित हैं। इस मूवी को दर्शकों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है। जिसके बाद अदाकारा रश्मिका मंदाना अपनी इस मूवी को मिल रही प्रशंसा का लुत्फ उठा रही हैं। इस बीच खबर मिली है कि अदाकारा रश्मिका मंदाना के हाथ एक और फिल्म लग गई है। रिपोर्ट्स की मानें तो अदाकारा रश्मिका मंदाना जल्दी ही तेलुगु फिल्म स्टार विजय देवरकोंडा के साथ ऑन स्क्रीन शेयर करती दिखेंगी।

इस खबर को लेकर विजय देवरकोंडा और अदाकारा रश्मिका मंदाना के डाई हार्ड फैंस के बीच एंटरटेनमेंट वर्ल्ड में काफी उत्साह है। दोनों सितारे इससे पहले भी 2 दफा एक साथ फिल्मों में नजर आ चुके हैं। रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा ने इससे पहले एक साथ गीता-गोविंदम और डियर कॉमरेड जैसी सुपरडुपर हिट फिल्में दी थीं। जिसके बाद इन दोनों की अगली फिल्म को लेकर फैंस भी एक्साइटेड हैं। मिली जानकारी के मुताबिक विजय देवरकोंडा और मृणाल ठाकुर की अपकमिंग मूवी फैमिली स्टार में अदाकारा रश्मिका मंदाना भी साथ नजर आ सकती हैं। खबर है कि इस मूवी में अदाकारा का दोनों सितारों के साथ एक डांस नंबर होगा।

सलमान खान से लेकर वरुण धवन तक इन बॉलीवुड सितारों को है गंभीर बीमारी

पर्दे पर बॉलीवुड सितारे अपनी एक्टिंग से जलवा बिखेरते हैं। लेकिन, किसी को भी उनकी तकलीफ का अंदाजा नहीं होता। अपने दर्शकों के मनोरंजन के लिए वो चेहरे पर हमेशा चमक लिए रहते हैं। आपको बता दें कि बॉलीवुड के ऐसे कई सितारे हैं जो लंबे समय से गंभीर बीमारी के शिकार हैं। ऐसे कई नाम हैं जो आपको हैरान कर सकते हैं।

वरुण धवन

वरुण धवन ने अपने एक पुराने इंटरव्यू में बताया था कि वो स्टीबुल हायपोफंक्शन नाम की समस्या का शिकार हैं। इस बीमारी में एक आदमी अपने शरीर का बैलेंस खो देता है।

सामंथा रूथ प्रभु

सामंथा रूथ प्रभु साउथ बेहतरीन अदाकाराओं में से एक हैं। लेकिन, बेहद खूबसूरत दिखने वाली सामंथा ने अपनी गंभीर बीमारी का जिक्र सोशल मीडिया पर किया था। वो मायोसिटिस नाम की एक बीमारी से परेशान हैं। इस बीमारी में मांसपेशियों में सूजन आ जाती है। जिसकी वजह से थकान और सांस लेने में दिक्कत होती है।

अजय देवगन

अजय देवगन अपनी फिल्मों में जितनी दमदार एक्टिंग करते हैं, असल जिंदगी में वो उतने ही परेशान हैं। उन्हें टेनिस एल्बो के अलावा बॉर्डरलाइन ओसीडी की समस्या है। इसका खुलासा काजोल ने एक पुराने इंटरव्यू में किया था।

सलमान खान

बॉलीवुड के भाईजान सलमान खान भी एक गंभीर बीमारी का शिकार हैं। ट्राइजेमिनल न्यूरेल्जिया नाम की बीमारी है। इसमें ट्राइजेमिनल नर्व में असहनीय दर्द होता है जो कि चेहरे से दिमाग तक दर्द का अहसास कराता है।

सोनम कपूर

सोनम कपूर ने अपने एक इंटरव्यू में बताया था कि उन्हें डायबिटीज है। इस बीमारी से वो टीन एज से ही जूझ रही हैं। हालांकि, वो खुद की फिटनेस का बेहद ख्याल रखती हैं। एक्ट्रेस लंबे वक्त से योग और मेडिकेशन पर हैं।

खबर संक्षेप

सोनी इंडिया के मुनाफे में 32 प्रतिशत इजाफा

नई दिल्ली। इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद बनाने वाली कंपनी सोनी इंडिया का बीते वित्त वर्ष (2022-23) में मुनाफा 31.8 प्रतिशत बढ़कर 136.7 करोड़ रुपये हो गया। मंच टोफ्लर से मिले कंपनी के वित्तीय आंकड़ों के अनुसार, इस दौरान कंपनी की परिचालन आय 23.1 प्रतिशत बढ़कर 6,353.74 करोड़ रुपये हो गई।

आईनॉक्स विंड ने अनुषंगी कंपनी में किया निवेश

नई दिल्ली। आईनॉक्स विंड एनर्जी लिमिटेड (आईडब्ल्यूईएल) ने आईनॉक्स विंड लिमिटेड (आईडब्ल्यूएल) में 800 करोड़ रुपये का निवेश किया है। अनुषंगी कंपनी इस राशि का इस्तेमाल बकाया कर्ज के एक हिस्से को चुकाने के लिए करेगी। 'आईनॉक्स विंड एनर्जी लिमिटेड ने आईनॉक्स विंड लिमिटेड में 800 करोड़ रुपये का निवेश पूरा किया।

प्रैक्टो का अगले साल लाभ में आने का लक्ष्य

नई दिल्ली। स्वास्थ्य देखभाल एवं डायग्नोस्टिक्स मंच प्रैक्टो की अगले वित्त वर्ष में लाभ की स्थिति में आने और जल्द ही अपना आईपीओ)लाने की योजना है। प्रैक्टो छोटे शहरों और कस्बों में अपनी मौजूदगी बढ़ाने के साथ ही आंकड़ों के बेहतर विश्लेषण के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का इस्तेमाल करने की तैयारी में है।

गिन्नी फिलामेंट्स ने बुनाई प्रसंस्करण इकाई बेची

नई दिल्ली। पारंपरिक और तकनीकी वस्त्र बनाने वाली कंपनी गिन्नी फिलामेंट्स लिमिटेड ने अपनी कताई, बुनाई को 160 करोड़ में बेचा है। एक दिसंबर को हुई बैठक में निदेशक मंडल ने उत्तर प्रदेश में मथुरा जिले में स्थित अपनी संपूर्ण कताई, बुनाई कपड़ा बनाने वाली आरएसडब्ल्यूएम लिमिटेड को 160 करोड़ रुपये में हस्तांतरित करने को मंजूरी दे दी।

एलएंडटी फाइनेंस ने अनुषंगी कंपनियों का विलय किया पूरा

नई दिल्ली। एलएंडटी फाइनेंस होल्डिंग्स (एलटीएफएच) ने अनुषंगी कंपनियों एलएंडटी फाइनेंस, एलएंडटी इंफ्रा क्रेडिट (एलटीआईसीएल) और एलएंडटी म्यूचुअल फंड ट्रस्टी का अपने साथ विलय पूरा होने की सोमवार को घोषणा की। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस विलय के साथ सभी ऋण व्यवसाय एक इकाई यानी एलटीएफएच के तहत आएंगे।

जियोजीत फाइनेंशियल ने नए सीईओ किए नियुक्त

GEOJIT

मुंबई। निवेश कंपनी जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज ने सोमवार को राहुल रॉय चौधरी को निजी संपत्ति सेवा खंड और गोपीनाथ नटराजन को पोर्टफोलियो एवं प्रबंधित परिसंपत्ति खंड का मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त करने की घोषणा की। कंपनी ने एक बयान में कहा कि दोनों खंडों के नए सीईओ संपत्ति प्रबंधन और पोर्टफोलियो प्रबंधन का जिम्मा संभालेंगे और अमीर ग्राहकों के पोर्टफोलियो के निर्माण एवं संवर्द्धन में सहयोग करेंगे। दोनों सीईओ अपने अनुभव के दम पर कामकाज को मजबूती देंगे।

गोल्ड मोनेटाइजेशन स्कीम में जमा कराएं सोना, घर बैठे आएगी ब्याज की इनकम

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

साल 2015 में गोल्ड मोनेटाइजेशन स्कीम लॉन्च की गई थी। इसका मकसद लोगों के घरों, बड़े-बड़े मंदिरों और अन्य संस्थानों के पास पड़े सोने को इकोनॉमी में लाना है। वहीं समय के साथ सोने को लेकर देश की आयात पर निर्भरता को कम करना भी इसका लक्ष्य है। आखिर कैसे काम करती है ये स्कीम?

गोल्ड मोनेटाइजेशन स्कीम में देश का कोई भी नागरिक, हिंदू अविभाजित परिवार, कंपनी, चैरिटेबल संस्थान, प्रोपराइटर शिप या पार्टनरशिप फर्म, ट्रस्ट या म्यूचुअल फंड इत्यादि निवेश करके पैसा कमा सकते हैं। वहीं केंद्र या राज्य सरकारें या उनकी कंपनियां भी अपने सोने को इस स्कीम में कैश कर सकती हैं। सिर्फ 10 ग्राम सोना जमा करके भी इस स्कीम में पैसा कमाया जा सकता है।

10 ग्राम सोना जमा करके भी इस स्कीम में पैसा कमाया जा सकता है

क्या वापस मिलता है सोना?

इस स्कीम के तहत अगर आप शॉर्ट टर्म के लिए गोल्ड डिपॉजिट करते हैं, तब आपको आपका सोना वापस मिल जाता है। जबकि मीडियम टर्म या लॉन्ग टर्म में निवेश करने वालों को सोना वापस नहीं मिलता, बल्कि मैच्योरिटी के वक्त सोने की जो कीमत होती है, उसके हिसाब से पैसे रिटर्न मिलते हैं। सरकार इस सोने का इस्तेमाल दूसरे काम के लिए कर लेती है। यदि आप ब्याज हर साल लेते हैं, तो आपको साधारण ब्याज (सिंपल इंटरेस्ट) ही मिलता है, जबकि मैच्योरिटी पर रिटर्न लेते वक्त आपको चक्रवृद्धि ब्याज (कंपाउंड इंटरेस्ट) का भुगतान होता है।

5 से 7 सात के लिए मिलता है 2.25 फीसदी ब्याज : अगर आप मीडियम टर्म के लिए गोल्ड जमा करते हैं, तब ये बैंक में नहीं बल्कि सरकार के पास जमा होता है। 5 से 7 साल की अवधि के इस डिपॉजिट में 2.25 प्रतिशत का सालाना ब्याज मिलता है। वहीं लॉन्ग टर्म में ये 12 से 15 साल के लिए सरकार के पास डिपॉजिट होता है और आपको सालाना 2.50 प्रतिशत ब्याज मिलता है।

तीन तरह से खोल सकते हैं अकाउंट

देश में चुनिंदा बैंक 'गोल्ड मोनेटाइजेशन स्कीम' का फायदा देते हैं। आपको बस केवाईसी (अपने ग्राहक को जानो) नियमों को पूरा करना है। इसके बाद बैंक आपके सोने की आपके सामने शुद्धता जांच करवाएगा और इसके बदले में आपको डिपॉजिट रसीद जारी की जाएगी। इन डिपॉजिट रसीद के बदले में बैंक आपका 'गोल्ड बैंक डिपॉजिट अकाउंट' खोलेंगे। ये 3 तरह से खुलता है।

शॉर्ट टर्म से लॉन्ग टर्म तक करें ब्याज से कमाई

गोल्ड मोनेटाइजेशन स्कीम आपकी डिपॉजिट रसीद के बदले में शॉर्ट टर्म, मीडियम टर्म और लॉन्ग टर्म के हिसाब से अकाउंट खोलता है। शॉर्ट टर्म में आपका गोल्ड डिपॉजिट 1 से 3 साल के लिए होता है। इसमें ब्याज बैंक द्वारा तय किया जाता है। जबकि मीडियम और लॉन्ग टर्म की डिपॉजिट स्कीम में आपका गोल्ड सरकार के पास जमा होता है और इस पर फिक्स ब्याज मिलता है।

बीएसई सेंसेक्स में 1384 अंकों का आया उछाल

चुनावी नतीजों से झूमा शेयर बाजार सेंसेक्स-निफ्टी ने बनाए नए रिकॉर्ड

- एनएसई सूचकांक निफ्टी में 419 अंक ऊपर बंद
- निफ्टी के 50 में से 44 शेयर रहे लाभ में
- आईसीआईसीआई और एसबीआई में तेजी दर्ज की गई

एजेंसी ▶▶| मुंबई

तीन राज्यों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत से उत्साहित घरेलू शेयर बाजारों में सोमवार को लगातार पांचवें कारोबारी सत्र में तेजी रही और बीएसई सेंसेक्स 1,384 अंकों की जबर्दस्त छलांग लगाते हुए रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। इस तेजी के बीच एनएसई निफ्टी भी अब तक के अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

विश्लेषकों के मुताबिक, भाजपा को मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में मिले स्पष्ट बहुमत से पिछले सप्ताह जीडीपी और अन्य महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़ों के बेहतर रहने से बनी सकारात्मक धारणा और मजबूत हुई है। इसके अलावा कच्चे तेल का दाम 80 डॉलर प्रति बैरल के नीचे रहने से भी निवेशक धारणा को बल मिला।

सेंसेक्स दो फीसदी उछला

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,383.93 अंक यानी 2.05 प्रतिशत उछलकर अबतक के उच्चतम स्तर 68,865.12 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह रिकॉर्ड 68,918.22 अंक तक चला गया था। निफ्टी भी 418.90 अंक यानी 2.07 अंक की बढ़त के साथ अबतक के उच्चतम स्तर 20,686.80 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 44 लाभ में रहे।

इन शेयरों में रही घट-बढ़

सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में आईसीआईसीआई बैंक और एसबीआई में सबसे ज्यादा क्रमश: 4.68 प्रतिशत और 3.99 प्रतिशत की तेजी रही। लाभ में रहने वाले अन्य प्रमुख शेयरों में लार्सन एंड टुब्रो, कोटक महिंद्रा बैंक और एचडीएफसी बैंक शामिल हैं। दूसरी तरफ, विप्रो और टाटा मोटर्स नुकसान में रहे।

एशियाई बाजार रहे नुकसान में

एशिया के अन्य बाजारों में हांगकांग का हैंगसेंग, जापान का निक्की और चीन का शंघाई कंपोजिट सूचकांक नुकसान में रहे। यूरोप के प्रमुख बाजारों में जर्मनी और फ्रांस में जहां तेजी रही वहीं लंदन बाजार में गिरावट रही। अमेरिकी बाजार में शुक्रवार को मिला-जुला रुख रहा।

स्थिर सरकार बनने के संकेत से तेजी

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, 'तीन राज्यों में भाजपा की शानदार जीत से दोनों मानक सूचकांक रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुए। बाजार में तेजी का कारण यह संकेत भी है कि अगले साल होने वाले आम चुनावों में देश में एक स्थिर सरकार बनेगी।'

अदाणी ने एक दिन में कमाए 5.6 अरब डॉलर

शेयर बाजार में आज कारोबार के दौरान अदाणी ग्रुप के मुखिया गौतम अदाणी की दौलत एक दिन में 5.6 अरब डॉलर बढ़ गई है। सुप्रीम कोर्ट से हिंडनबर्ग में मिली राहत और चुनावी नतीजों ने सबसे ज्यादा फायदा अदाणी को पहुंचाया। अदाणी ग्रुप की सभी 10 कंपनियों के शेयर सोमवार को तेजी से ऊपर गए। ग्रुप की फ्लैगशिप अदाणी एंटरप्राइजेज का शेयर 6.78 फीसदी चढ़कर 2,523 रुपए पर बंद हुआ। अदाणी ग्रीन एनर्जी में 9.40 फीसदी की उछाल आई। अदाणी एनर्जी, अदाणी पोर्ट और अदाणी पावर के शेयर भी 5 फीसदी से ऊपर गए हैं। चुनावी नतीजों से निवेशकों को 5.83 लाख करोड़ मिले रविवार को आए चुनाव नतीजों ने सेंसेक्स और निफ्टी में भी खुशखबरी आ गई और शाम तक निवेशकों की दौलत 5.83 लाख करोड़ रुपए बढ़कर 343.51 लाख करोड़ रुपए हो गई। पिछले सत्र के दौरान मार्केट कैप 337.67 लाख करोड़ रुपए था।

बाजार पूंजीकरण 343.48 लाख करोड़ रुपए

बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण सोमवार को अब तक के उच्चतम स्तर 343.48 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया। इसके साथ, बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 5.81 लाख करोड़ रुपये बढ़कर 343.48 लाख करोड़ रुपये हो गया जो शुक्रवार को 337.67 करोड़ रुपये था। बीएसई में सूचीबद्ध सभी कंपनियों का बाजार पूंजीकरण संयुक्त रूप से बुधवार को पहली बार 4,000 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंचा था।

एनसीईएल को टूटे चावल व गेहूं उत्पाद निर्यात की अनुमति

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- नौ लाख टन टूटे चावल, 35,000 टन गेहूं निर्यात की अनुमति

सरकार ने नेशनल कोऑपरेटिव एक्सपोर्ट्स लिमिटेड (एनसीईएल) को विभिन्न देशों में लगभग नौ लाख टन टूटे हुए चावल और लगभग 35,000 टन गेहूं एवं गेहूं उत्पादों के निर्यात की अनुमति दी है। हाल में राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना के अनुसार सरकार ने 34,736 टन गेहूं और गेहूं उत्पादों तथा 8,98,804 टन टूटे चावल के निर्यात की अनुमति दी है।

कुल गेहूं और गेहूं उत्पादों के निर्यात में से एनसीईएल को इस वर्ष भूटान को 15,226 टन मैदा/सूजी, 14,184 टन गेहूं, 5,326 टन गेहूं आटा और 48,804 टन टूटे चावल निर्यात करने की अनुमति दी गई है। अधिसूचना में कहा गया है कि टूटे हुए चावल के मामले में, सहकारी समिति को छह महीने में सेनेगल को पांच लाख टन और गाम्बिया को 50,000 टन अनाज निर्यात करने की अनुमति दी गई है।

सरकार ने लगा दिया था प्रतिबंध

एनसीईएल को इंडोनेशिया को लगभग दो लाख टन टूटे हुए चावल और माली को एक लाख टन चावल निर्यात करने की अनुमति दी गई है। भारत ने मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के उपाय के रूप में पिछले साल से गेहूं और टूटे हुए चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया। हालांकि, कुछ निर्यात को सरकार के स्तर के आधार पर अनुमति दी गई है।

मुकेश अंबानी पर जुर्माना लगाने का सेबी का आदेश सैट ने किया रद्द

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- 2007 में आरपीएल शेयरों में कथित हेराफेरी के मामले में लगा था जुर्माना
- दो अन्य कंपनियों पर भी सेबी ने लगाया था जुर्माना

प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण (सैट) ने रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी और दो अन्य कंपनियों पर जुर्माना लगाने का बाजार नियामक सेबी का आदेश सोमवार को रद्द कर दिया।

नवंबर 2007 में पूर्ववर्ती रिलायंस पेट्रोलियम लिमिटेड (आरपीएल) के शेयरों में कथित हेराफेरी से संबंधित मामले में यह जुर्माना लगाया गया था। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने जनवरी, 2021 में जुर्माना लगाने का आदेश दिया था।

सेबी ने आरपीएल मामले में रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) पर 25 करोड़ रुपये, कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक अंबानी पर 15 करोड़ रुपये, नवी मुंबई एसईजेड प्राइवेट लिमिटेड पर 20 करोड़ रुपये और मुंबई एसईजेड लिमिटेड पर 10 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया था। जुर्माने की जद में आने वाली दोनों कंपनियां- नवी मुंबई एसईजेड और मुंबई एसईजेड के प्रवर्तक आनंद जैन हैं जो पहले रिलायंस समूह का हिस्सा रह चुके हैं। इस आदेश के खिलाफ दायर अपील पर सुनवाई के बाद सैट ने सोमवार को अपना फैसला सुनाया।

2009 में आरआईएल में किया था आरपीएल का विलय

यह मामला नवंबर, 2007 में नकद और वायदा खंड में आरपीएल शेयरों की खरीद-बिक्री से संबंधित है। इसके पहले मार्च, 2007 में आरआईएल ने अपनी अनुषंगी आरपीएल में लगभग पांच प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने का फैसला किया था। इस अनुषंगी का वर्ष 2009 में आरआईएल में विलय कर दिया गया था।

एमजी मोटर इंडिया जनवरी से वाहनों के दाम बढ़ाएगी

नई दिल्ली। एमजी मोटर इंडिया जनवरी 2024 से देश में अपने वाहनों की कीमतें बढ़ाएगी। कंपनी ने एक बयान में कहा कि कीमत वृद्धि का कारण मुद्रास्फीति और जिंसों की बढ़ी हुई कीमत है। हालांकि, एमजी मोटर ने यह नहीं बताया कि वह अपने वाहनों की कीमतें कितनी बढ़ाएगी। मारुति सुजुकी, महिंद्रा एंड महिंद्रा और ऑडी इंडिया ने भी महंगाई का हवाला देते हुए जनवरी 2024 में अपने यात्री वाहनों की कीमतों में बढ़ोतरी की योजना की घोषणा की है। इसके अलावा, टाटा मोटर्स और मर्सिडीज-बेंज इंडिया भी जनवरी से अपने वाहनों की कीमतें बढ़ाने पर विचार कर रही हैं।

पीएलआई के तहत 79 करोड़ रुपए प्रोत्साहन वितरण की उम्मीद

- चालू वित्त वर्ष की अंतिम तिमाही में 'व्हाइट गुड्स' खंड मिलेगा
- मकसद एसी तथा एलईडी लाइट घटकों के विनिर्माण को बढ़ाना

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सरकार के इस वित्त वर्ष की आखिरी तिमाही में फ्रिज, वॉशिंग मशीन जैसे इलेक्ट्रिक उत्पादों के लिए पीएलआई के तहत 79 करोड़ रुपये का वित्त प्रोत्साहन वितरित करने की उम्मीद है।

इन उत्पादों (व्हाइट गुड्स) के उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना का मकसद एयर कंडीशनर तथा एलईडी लाइट घटकों के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देना है। अधिकारी ने बताया कि चालू वित्त वर्ष में योजना के तहत विभिन्न क्षेत्रों के लिए 11,000 करोड़ रुपये के प्रोत्साहन वितरण का लक्ष्य कम पड़ सकता है। अधिकारी ने कहा, कई परियोजनाएं प्रारंभिक अवधि में हैं। 'व्हाइट गुड्स' के क्षेत्र में हम अंतिम तिमाही में करीब 79 करोड़ रुपये के वितरण की उम्मीद कर रहे हैं। 'व्हाइट गुड्स' खंड के तहत पीएलआई योजना के 64 चयनित लाभार्थियों में से 15 ने उत्पादन शुरू कर दिया है। इन 15 लाभार्थियों ने 31 मार्च 2022 की अवधि को चुना है। अन्य लाभार्थी जिन्होंने 31 मार्च 2023 तक की अवधि का विकल्प चुना है, वे कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं। यह योजना 2021-22 से 2028-29 तक सात साल की अवधि के लिए है। इसका परिव्यय 6,238 करोड़ रुपये है। खिलौने जैसे क्षेत्रों के लिए योजना का विस्तार करने की योजना के बारे में पूछे जाने पर अधिकारी ने कहा, 'योजना की समीक्षा के बाद इस पर निर्णय किया जाएगा।

कल्पतरु प्रोजेक्ट को मिले 2,263 करोड़ रुपए के ठेके...

नई दिल्ली। कल्पतरु प्रोजेक्ट इंटरनेशनल लिमिटेड (केपीआईएल) को घरेलू व विदेशी बाजारों में 2,263 करोड़ रुपये के नए ठेके मिले हैं। केपीआईएल ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि कंपनी के ट्रांसमिशन व डिस्ट्रीब्यूशन (टीएंडडी) व्यवसाय को भारत और विदेशी बाजारों में कुल 1,564 करोड़ रुपये के ठेके मिले हैं। जल व भवन और कारखाना व्यवसाय को क्रमशः 458 करोड़ और 241 करोड़ रुपये के ठेके मिले हैं। केपीआईएल और उसकी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनुषंगी कंपनियों को 2,263 करोड़ रुपये के ठेके मिले हैं। कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) मनीष मोहनोत ने कहा, इन टीएंडडी ठेकों ने भारत, लैटिन अमेरिका, अफ्रीका और स्वीडन में हमारी ऑर्डर बुक को मजबूत किया है।

सैनी भारत के हेड ऑफिस का उद्घाटन

रायपुर। सैनी भारत में छत्तीसगढ़ के लिए अपने अधिकृत डीलर ओम इंफ्राकोर के सहयोग से छत्तीसगढ़ परिचालन के लिए रायपुर में अपने 3एस (सेल्स, सर्विस और स्पेयर्स) हेड ऑफिस का उद्घाटन किया। नया कार्यालय इस क्षेत्र में सैनी के निर्माण उपकरण और भारी मशीनरी की बढ़ती मांग को पूरा करने और ग्राहकों और कंपनी के बीच एक महत्वपूर्ण संबंध स्थापित करने के लिए तैयार है। रायपुर कार्यालय, रायगढ़, बिलासपुर, कोरबा, दुर्ग, अंबिकापुर और जगदलपुर आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों और इस क्षेत्र में काम करने वाली हमारी मौजूदा 307 मशीनों को पूरा करेगा। सैनी भारत और ओम इंफ्राकोर को विश्वास है कि यह 3एस कार्यालय ग्राहक अनुभव को समृद्ध करेगा और इष्टतम परिचालन दक्षता के साथ इस क्षेत्र में बाजार पर अविस्मरणिय प्रभाव अंकित करेगा। इस अवसर पर सैनी के शशांक पांडे, विश्वजीत सिंह और ओम इंफ्राकोर के प्रह्लाद अग्रवाल और अभिषेक चक्रवर्ती उपस्थिति थे। इस अवसर पर शशांक पांडे ने कहा कि हमें बेहद खुशी है कि रायपुर में 3एस कार्यालय के उद्घाटन के साथ ओम इंफ्राकोर के साथ हमारा जुड़ाव और मजबूत हुआ हैं।

कंपनी गीत-संगीत की ऑनलाइन स्ट्रीमिंग सेवा देती है

स्पॉटिफाई दुनिया भर में 1,500 कर्मियों की करेगी छंटनी

एजेंसी ▶▶| लंदन

- स्पॉटिफाई अपनी लागत कम कर लाभ में पहुंचना चाहती है

गीत-संगीत की ऑनलाइन स्ट्रीमिंग सेवा देने वाली कंपनी स्पॉटिफाई अपनी लागत कम करने और लाभ की स्थिति में पहुंचने के लिए दुनिया भर में लगभग 1,500 कर्मचारियों की छंटनी करेगी।

यह स्पॉटिफाई में इस साल होने वाली तीसरी छंटनी होगी। इसके पहले जनवरी में करीब छह प्रतिशत कर्मचारियों और जून में दो प्रतिशत कर्मचारियों की छंटनी करने की घोषणा की गई थी।

17 फीसदी कर्मचारी हटाने की बात : स्पॉटिफाई के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डेनियल इक ने सोमवार को कंपनी के ब्लॉग पर 17 प्रतिशत कर्मचारियों को हटाने की जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि नौकरियों में यह कटौती 'रणनीति' के तहत की जा रही है जिसमें कम श्रमबल के साथ मुनाफे पर जोर दिया गया है।

बैंकों ने ब्याज दरें बढ़ानी शुरू की

इक ने भी अपनी पोस्ट में इसका जिक्र करते हुए कहा, /"पिछले साल दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों ने ब्याज दरें बढ़ानी शुरू कर दीं। अब हम खुद को बहुत मुश्किल हालात में पा रहे हैं। बीते एक साल में लागत घटाने की तमाम कोशिशों के बावजूद हमें लागत ढांचे पर खास ध्यान देने की जरूरत है।/

कई प्रौद्योगिकी कंपनियों ने की है छंटनी : महामारी के दौरान कारोबार में तेजी से विस्तार करने वाली कई अन्य प्रौद्योगिकी आधारित कंपनियों- अमेजन, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, मेटा और आईबीएम ने भी इस साल हजारों कर्मचारियों की छंटनी की है।

Spotify

महामारी के समय बड़े पैमाने पर निवेश

स्पॉटिफाई ने कोविड-19 महामारी के दौरान कर्मचारियों, सामग्री और विपणन पर 2020 और 2021 में बड़े पैमाने पर निवेश किया था। उसके लिए कंपनी ने सस्ती दरों पर कर्ज लिए थे लेकिन बाद में ब्याज दर बढ़ने से कंपनी की समस्याएं बढ़ने लगीं।

कंपनी शुद्ध घाटे में चल रही

हालांकि इक ने अपनी पोस्ट में हटाए जाने वाले कर्मचारियों की संख्या नहीं बताई। लेकिन कंपनी के एक प्रवक्ता ने करीब 1,500 कर्मचारियों को दुनिया भर में हटाए जाने की पुष्टि की। स्टॉकहोम स्थित कंपनी साल 2023 में सितंबर तक 46.2 करोड़ यूरो यानी करीब 50 करोड़ डॉलर के शुद्ध घाटे में रही है।

बिजनेस साइट

डॉ. दीक्षित आईसीएआर गोल्ड मेडल से सम्मानित

रायपुर। गोवा में 22वीं राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन के मद्देनजर सस्यविज्ञान के उत्तम तकनीक पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय स्तर के सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमें आईसीएआर जैविक स्ट्रेस संस्थान बरौड़ा के संयुक्त निदेशक डॉ. अनिल दीक्षित को उनके पिछले 30 वर्षों के योगदान के लिए गोल्ड मेडल प्रदान किया गया। यह गोल्ड मेडल इंडियन सोसायटी ऑफ एग्रोनॉमी द्वारा प्रदान किया गया। यह गोल्ड मेडल सचिव डेयर एवं आईसीएआर के महानिदेशक डॉ. हिमांशु पाठक के द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर आईसीएआर के उपमहानिदेशक, सहायक महानिदेशक एवं पदम भूषण डॉ. अरविंद कुमार विशेष रूप से उपस्थित रहे। हाल ही में डॉ. दीक्षित ने एशियन पेसिफिक वीड साइंस कांफ्रेस में शोध पत्र प्रस्तुत करने के लिए थाईलैंड की यात्रा की। पिछले दो वर्षों में डॉ. दीक्षित को राष्ट्रीय स्तर पर तीसरा पुरुस्कार दिया जाना छत्तीसगढ़ राज्य के लिए गौरव की बात है।

खबर संक्षेप

अमीषा, प्राची और हार्दिक ने रजत जीते

नई दिल्ली। भारतीय मुक्केबाज हार्दिक पंवार, अमीषा केरेटा और प्राची टोकस को आर्मेनिया के येरेवन में आईबीए जूनियर विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में अपने-अपने फाइनल में हार के बाद रजत पदक के साथ संतोष करना पड़ा। एशियाई जूनियर चैंपियन हार्दिक (80 किग्रा) को रविवार को करीबी मुकाबले में रूस के एशुरोव बैरमखान से 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। अमीषा (54 किग्रा) और प्राची (80 किग्रा से अधिक) को अपने-अपने फाइनल मुकाबलों में समान रूप से 0-5 से हार का सामना करना पड़ा।

विश्व कप और ओलंपिक स्वर्ण जीतना सपना

मुंबई। महिला प्रीमियर लीग के शुरुआती सत्र में अपने हरफनमौला खेल से प्रभावित करने के बाद इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए

भारतीय महिला टीम में जगह बनाने वाली युवा स्पिनर श्रेयंका पाटिल का ख्वाब देश के लिए विश्व कप और ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतना है। श्रेयंका ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर की महिला टीम के लिए डब्ल्यूपीएल में 150 से अधिक के स्ट्राइक रेट से रन बनाने के साथ ऑफ स्पिन गेंदबाजी से छह विकेट चटकाए थे। वह कैरेबियाई प्रीमियर लीग में खेलने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी है।

स्पिन विकल्प बनकर उभरे रवि बिश्नोई

बेंगलुरु। रवि बिश्नोई को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 श्रृंखला के लिए जब भारतीय टीम में चुना गया तो यह स्पष्ट संकेत था कि

अगले साल टी20 विश्व कप के मद्देनजर वह टीम प्रबंधन की दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा हैं। भारत को विश्व कप से पहले छह टी20 खेलने हैं और समझा जाता है कि 23 वर्ष के बिश्नोई को युजवेंद्र चहल पर तरजीह मिलनी तय है। चहल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 श्रृंखला के लिए भारतीय टीम का हिस्सा नहीं है। चहल ने इस साल नौ टी20 मैचों में नौ विकेट लिए जबकि बिश्नोई ने 11 मैचों में 18 विकेट चटकाए।

अपनी शैली के अनुसार खेलेंगे : मैकुलम

बेंगलुरु। 'बैजबॉल' ने टेस्ट क्रिकेट में इंग्लैंड की बल्लेबाजी के आयाम को बदल दिया है और टीम के न्यूजीलैंड के कोच ब्रैंडन मैकुलम को स्पष्ट हैं कि भारत के

खिलाफ पांच टेस्ट की श्रृंखला का नतीजा भले ही कुछ भी हो लेकिन उनकी टीम अपनी आक्रामक रणनीति पर बरकरार रहेगी। इंग्लैंड को अगले साल 25 जनवरी से हैदराबाद, विशाखापत्तनम, राजकोट, रांची और धर्मशाला में भारत के खिलाफ पांच टेस्ट की श्रृंखला खेलनी है और श्रृंखला के दौरान स्पिन की अनुकूल पिचें मिलने की उम्मीद है।

निशानेबाज के अंगूठे में गंभीर चोट

नई दिल्ली। कर्णी सिंह निशानेबाजी परिसर में 10 मीटर एयर पिस्टल सिलेंडर में विस्फोट के कारण राष्ट्रीय स्तर के एक निशानेबाज के बाएं अंगूठे में गंभीर रूप से चोट आ गयी। यह घटना

शनिवार शाम की है। भारतीय वायु सेना में कॉर्पोरल पद पर तैनात पुष्पेंद्र कुमार भोपाल में चल रही राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए यहां निशानेबाजी परिसर में अभ्यास कर रहे थे। वह सिलेंडर से पिस्टल में गैस भर रहे थे जब धमाका हुआ। इस धमाके के कारण उनके अंगूठे में गंभीर चोट आयी और उन्हें तत्काल अस्पताल में भर्ती करना पड़ा।

एमबापे ने मैच के दौरा सत्र का अपना 15वां गोल

पीएसजी की जीत में एमबापे का गोल लीग वन में दर्ज की लगातार 7वीं जीत

एजेंसी ▸▸| पेरिस

काइलियान एमबापे और वितिन्हा के गोल के दम पर पेरिस सेंट जर्मेन ने लीग वन मैच में 10 खिलाड़ियों के साथ खेलने के बावजूद रविवार को ली हावरे को 2-0 से शिकस्त दी। मैच के 10वें मिनट में पीएसजी के गोलकीपर जियानलुइगी डोनारुम्मा को रेड कार्ड दिखाए जाने के बाद पीएसजी को 80 से अधिक मिनट तक दस खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा।

कोच लुईस एनरिक की टीम ने रविवार को लगातार सातवीं जीत दर्ज करने के बाद तालिका में शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। पीएसजी टीम के नाम 14 मैचों में 10 जीत से 33 अंक है और वह दूसरे स्थान पर काबिज नीस से चार अंक आगे है। नीस को शनिवार को नैनटेस ने 1-0 से हराया था। मौजूदा सत्र में नीस की यह पहली हार थी। एमबापे ने मैच के 22वें मिनट में मौजूदा सत्र का अपना 15वां गोल करते हुए टीम का खाता खोला। वितिन्हा ने 88 वें मिनट में मैनुअल उगारते की मदद से टीम की बढ़त को दोगुना किया।

2-0 से जीता मोनाको

तालिका में तीसरे स्थान पर काबिज मोनाको ने ताकुमी मिनामिनो और विसम बेन येडर के गोल से मोंटपेलियर के खिलाफ 2-0 की जीत दर्ज की। मोनाको से एक स्थान नीचे की टीम लिली ने यूसुफ याजिसी और जोनाथन डेविड के गोल से मेट्ज को 2-0 से शिकस्त दी। मार्सिले ने चार मैचों के बाद जीत का स्वाद चखते हुए रेनेस को 2-0 से हराया।

फेलिक्स के गोल से जीता बार्सिलोना

मैड्रिड। जोओ फेलिक्स ने अपने पूर्व क्लब के खिलाफ गोल किया जिससे बार्सिलोना ने एटलेटिको मैड्रिड को 1-0 से हराकर स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में शीर्ष पर पहुंचने की तरफ कदम बढ़ाए। बार्सिलोना ने फेलिक्स को एटलेटिको से ऋण पर लिया है। उन्होंने 28वें मिनट में गोल किया जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ। इससे बार्सिलोना अपने घरेलू मैदान पर जीत दर्ज करने में सफल रहा।

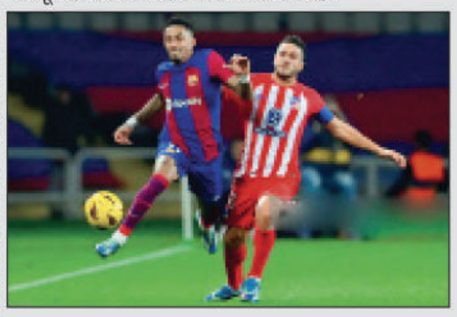

इस जीत से बार्सिलोना के 15 मैच में 34 अंक हो गए हैं और वह शीर्ष पर काबिज रियल मैड्रिड और गिरोना से चार अंक पीछे है। इन दोनों टीमों ने शनिवार को जीत दर्ज की थी। रियाल मैड्रिड ने ग्रेनाडा को 2-0 से और गिरोना ने वालेंसिया को 2-1 से हराया था। इस हार से एटलेटिको चौथे स्थान पर खिसक गया है। उसके तीसरे स्थान पर काबिज बार्सिलोना से तीन अंक कम हैं। एटलेटिको ने हालांकि बार्सिलोना से एक मैच कम खेला है।

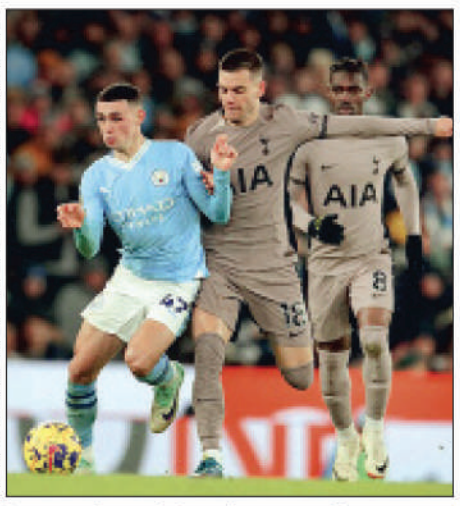

सिटी और टोटेनहैम का रोमांचक मुकाबला बराबरी पर छूटा

मैनचेस्टर। मैनचेस्टर सिटी और टोटेनहैम के बीच इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल का रोमांचक मुकाबला रविवार को यहां 3-3 की बराबरी पर छूटा। टोटेनहैम के दक्षिण कोरियाई स्ट्राइकर सोन ह्यूंग-मिन ने मैच के छठे मिनट में ही गोलकर टीम को बढ़त दिला दी लेकिन इसके तीन मिनट बाद ही उनके आत्मघाती गोल से स्कोर 1-1 से बराबर हो गया। मैनचेस्टर सिटी ने इसके बाद मैच के 31वें मिनट में फिल फोडेन और 81वें मिनट में जैक ग्रीलिश के गोल से बढ़त बनाई लेकिन टीम इसे बरकरार रखने में नाकाम रही। जियोवानी लो सेल्सो (69वां मिनट) और डेजेन कुलुसेवोस्की (90वां मिनट) के गोल से टोटेनहैम मैच को बराबरी पर खत्म करने में सफल रहा। इस मुकाबले के बाद टोटेनहैम 14 मैचों में आठ जीत से 27 अंक के साथ पांचवें जबकि मैनचेस्टर सिटी इतने ही मैचों में नौ जीत और 30 अंक के साथ तीसरे स्थान पर है। अन्य मुकाबलों में तालिका में दूसरे स्थान की टीम लिवरपूल ने फुल्हम को 4-3 जबकि शीर्ष स्थान की टीम आर्सेनल ने वुल्व्स को 2-1 से हराया। चेल्सी ने ईनजो फर्नांडीज के दो गोल की मदद से ब्रिगटॉन को 3-2 से हराया।

होप का नाबाद शतक

वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड को चार विकेट से हराया

एजेंसी ▸▸| नॉर्थ साउंड

कप्तान शाई होप के नाबाद शतक और रोमारियो शेफर्ड की 28 गेंद पर खेली गई 48 रन की तूफानी पारी की मदद से वेस्टइंडीज ने रविवार को यहां पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में इंग्लैंड को चार विकेट से हराया। वनडे विश्व कप में निराशाजनक प्रदर्शन करने के बाद वापसी की कवायद में लगे इंग्लैंड ने निर्धारित 50 ओवर में सभी विकेट खोकर 325 रन बनाए। कप्तान जोस बटलर हालांकि पिछले आठ वनडे में पांचवीं बार दोहरे अंक तक नहीं पहुंच पाए। उन्होंने 13 गेंद का सामना करके तीन रन बनाए। बड़े लक्ष्य के सामने वेस्टइंडीज का स्कोर 39 ओवर के बाद 5 विकेट पर 213 रन था लेकिन होप की 83 गेंद पर खेली गई नाबाद 109 रन और शेफर्ड की आक्रामक पारी के दम पर वेस्टइंडीज ने 48.5 ओवर में 6 विकेट पर 326 रन बनाकर तीन मैच की श्रृंखला में शुरुआती बढ़त हासिल की। होप ने अपनी पारी के दौरान वनडे में 5000 रन पूरे किए।

शेफलर ने जीता हीरो वर्ल्ड चैलेंज का खिताब

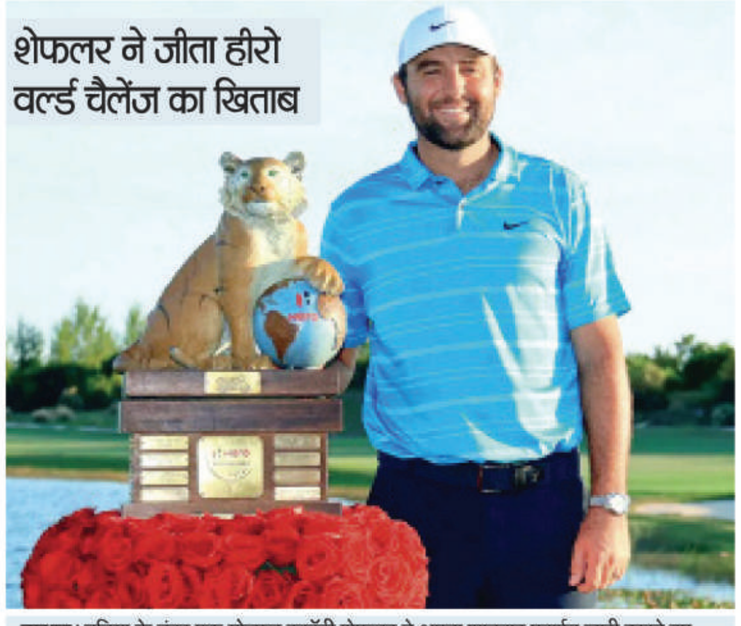

नासाउ। दुनिया के नंबर एक गोल्फर स्कॉटी शेफलर ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए पहली बार हीरो वर्ल्ड चैलेंज का खिताब जीता जबकि टूर्नामेंट के मेजबान टाइगर वुड्स ने अच्छी वापसी की। शेफलर ने अंतिम दौर से पहले तीन शॉट की बढ़त बना रखी थी। उन्होंने अंतिम दौर में चार अंडर 68 का कार्ड खेला और अपना कुल स्कोर 268 तक पहुंचाया। उन्हें खिताब जीतने पर 10 लाख अमेरिकी डॉलर का पुरस्कार मिला।

यूकेके : ओडिशा 24 से मेजबानी को तैयार

नई दिल्ली। 16.4 करोड़ घरों तक पहुंच बनाने वाले सफल, रोमांचक और मनोरंजक उद्घाटन सीजन के साथ-अल्टीमेट खो-खो (यूकेके) अपने भव्य दूसरे संस्करण के लिए पूरी तरह तैयार है। दूसरा सीजन 24 दिसंबर, 2023 को शुरू होने वाला है और इसका फाइनल 13 जनवरी, 2024 को ओडिशा के शहर कटक के जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में खेला जाएगा। ओडिशा सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी, खेल और युवा सेवाएं विभाग के माननीय राज्य मंत्री तुषारकांति बेहरा ने कहा, 'हम ओडिशा में अल्टीमेट खो-खो के दूसरे संस्करण की मेजबानी करने के लिए बेहद उत्साहित हैं। यह हम सभी के लिए एक रोमांचक अवसर है। खो-खो एक ऐसा खेल है जो न केवल हमारे यहाँ खेला जाता है बल्कि ओडिशा में व्यापक रूप से इसे फॉलो भी किया जाता है और यहां दूसरे संस्करण की मेजबानी करना राज्य के लोगों के लिए न केवल इस आयोजन का लाइव अनुभव करने का बल्कि प्रेरित होने और इस खेल को आगे बढ़ाने का एक शानदार अवसर होगा।

श्राइनर का आयोजन समिति से इस्तीफा

ब्रिस्बेन। ब्रिस्बेन के लॉर्ड मेयर एड्रियन श्राइनर ने 2032 में यहां होने वाले ओलंपिक खेलों की आयोजन समिति से त्यागपत्र दे दिया है। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने 2021 में ब्रिस्बेन को 2032 के खेलों की मेजबानी सौंपी थी लेकिन श्राइनर के इस्तीफे से आयोजकों में आपसी मतभेद का पता चलता है। ब्रिस्बेन ने ओलंपिक के आयोजन के लिए लीडर्स फोरम का गठन किया था जिसमें सरकार के तीनों स्तर और अन्य एजेंसियों के प्रतिनिधि शामिल हैं। लेकिन श्राइनर ने कहा कि इस समूह का उपयोग केवल हितधारकों को खुश करने के लिए किया जा रहा है जबकि सभी अहम फैसले राज्य सरकार कर रही है।

जोकोविच ने रिकॉर्ड 8वीं बार साल का अंत नंबर एक रैंकिंग पर किया

एजेंसी ▸▸| लंदन

नोवाक जोकोविच ने अपने रिकॉर्ड में सुधार करते हुए सोमवार को आठवीं बार एटीपी टेनिस रैंकिंग में साल का अंत नंबर एक खिलाड़ी के रूप में किया। जोकोविच ने जनवरी में ऑस्ट्रेलियाई ओपन, जून में फ्रेंच ओपन और सितंबर में अमेरिकी ओपन के रूप में साल के चार में से तीन ग्रैंडस्लैम खिताब जीते। वह पुरुष एकल में रिकॉर्ड 24 ग्रैंडस्लैम जीत चुके हैं। वह साथ ही 2023 में विंबलडन में उप विजेता भी रहे। जोकोविच ने 2023 में 56 जीत दर्ज की जबकि सात बार उन्हें हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने इस दौरान सात खिताब जीते जिसमें पिछले महीने एटीपी फाइनल्स का खिताब भी शामिल है। सर्बिया के 36 साल के जोकोविच ने कार्लोस अल्कारेज को पछाड़कर शीर्ष रैंकिंग हासिल की थी। अल्कारेज ने ही जुलाई में विंबलडन फाइनल में जोकोविच को पांच सेट में हराया था। अल्कारेज ने 2023 का अंत दूसरे नंबर के खिलाड़ी के रूप में किया। पिछले महीने डब्ल्यूटीए फाइनल्स का खिताब जीतने वाली ईगा स्वियातेक डब्ल्यूटीए रैंकिंग में नंबर एक महिला खिलाड़ी रहीं। एरिना सबालेंका, कोको गॉफ, एलेना रिबाकिना और जेसिका पेगुला का नंबर उनके बाद आता है।

आईपीएल 2024 से हटें आर्चर : ईसीबी

लंदन। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने 2024 के टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर से अगले

साल होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग से हटने को कहा है। आर्चर को 2022 के आईपीएल से पहले मुंबई इंडियंस ने आठ करोड़ रुपए में खरीदा था, लेकिन फ्रेंचाइजी ने पिछले सप्ताह उन्हें 'रिलीज' कर दिया था। आईपीएल की 19 दिसंबर को दुबई में होने वाली नीलामी की सूची में उनका नाम पंजीकृत नहीं है। आर्चर अपने करियर में चोटों से जूझते रहे हैं। वह इस साल मई में आईपीएल में खेलते हुए चोटिल हो गए थे।

राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी से हट सकता है ऑस्ट्रेलिया

एजेंसी ▸▸| गोल्ड कोस्ट

ऑस्ट्रेलिया 2026 में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी से हट सकता है और उसके खेल अधिकारियों ने अंतरराष्ट्रीय महासंघ को अन्य देशों की दावेदारी पर विचार करने के लिए कह दिया है। राष्ट्रमंडल खेल ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कार्यकारी क्रेग फिलिप्स ने गोल्ड कोस्ट के मेजबानी से हटने के बाद सोमवार को यह टिप्पणी की।

इससे पहले जुलाई में विक्टोरिया प्रांत मेजबानी से हट गया था। फिलिप्स ने कहा कि आस्ट्रेलिया अभी मेजबानी से पूरी तरह नहीं हटा है लेकिन राष्ट्रमंडल खेल महासंघ को

अन्य विकल्पों पर भी गंभीरता से विचार करना चाहिए। फिलिप्स ने कहा, 'हमने संकेत दिया है और ऐसा करने में उन्हें हमारा पूरा समर्थन मिलेगा। खेलों की मेजबानी करना हमारी प्राथमिकता है और हम ऐसा करने की कोशिश करेंगे।

दक्षिण अफ्रीका तीनों प्रारूप में करेगा भारतीय टीम की मेजबानी

बावुमा, रबाडा को टी20-वनडे श्रृंखला से विश्राम

एजेंसी ▸▸| जोहानिसबर्ग

दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा और तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा को भारत के खिलाफ इस महीने होने वाली सीमित ओवरों की श्रृंखला से विश्राम दिया गया है और वह इसके बाद होने वाली टेस्ट श्रृंखला में वापसी करेंगे। दक्षिण अफ्रीका खेल के तीनों प्रारूप में भारतीय टीम की मेजबानी करेगा।

भारत इस दौरे में तीन टी20, तीन वनडे और दो टेस्ट मैच खेलेगा। इस दौरे की शुरुआत 10 दिसंबर को डरबन में पहले टी20 मैच से होगी। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने सोमवार को कहा, 'कप्तान तेम्बा बावुमा और कैगिसो रबाडा उन खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्हें सीमित

ओवरों की श्रृंखला से बाहर रखा गया है। यह दोनों खिलाड़ी इसके बाद टेस्ट श्रृंखला में वापसी करेंगे।' भारत और दक्षिण अफ्रीका दोनों ही नए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र की तैयारी में जुटे हैं। दोनों टीम के बीच पहला टेस्ट मैच 26 दिसंबर से सेंचुरियन में खेला जाएगा। बावुमा की अनुपस्थिति में एडेन मार्कराम सीमित ओवरों की श्रृंखला में दक्षिण अफ्रीका की अगुवाई करेंगे।

अब तक एक वनडे और 16 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज ट्रिस्टन स्टब्स को पहली बार टेस्ट टीम में जगह दी गई है जबकि हेनरिक क्लासेन को टेस्ट टीम से बाहर रखा गया है। तेज गेंदबाज गेराल्ड कोएट्ज़ी, मार्को यानसन और लुंगी एनगिडी को भी वनडे से बाहर रखा गया है। यह तीनों खिलाड़ी पहले दो टी20 मैच और दो टेस्ट मैच की श्रृंखला के लिए टीम में शामिल किए गए हैं।

तीनों प्रारूप के लिए टीम

टी20 टीम : एडेन मार्कराम (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, मैथ्यू ब्रीट्जके, नांद्रे बर्गर, गेराल्ड कोएत्जी (पहला और दूसरा टी20), डोनोवन फरेरा, रीजा हेंड्रिक्स, मार्को यानसन (पहला और दूसरा टी20), हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी (पहला और दूसरा टी20), एंडिले फेहलुकवायो, तबरेज शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स और लिजाद विलियम्स

वनडे टीम : एडेन मार्कराम (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, नांद्रे बर्गर, टोनी डी जोरजी, रीजा हेंड्रिक्स, हेनरिक क्लासेन , केशव महाराज, मिहलाली मपोंगवाना, डेविड मिलर, वियान मुल्डर, एंडिले फेहलुकवायो, तबरेज शम्सी, रासी वान डेर डुसेन, काइल वेरेन और लिजाद विलियम्स।

टेस्ट टीम : टेम्बा बावुमा (कप्तान), डेविड बेडिंघम, नांद्रे बर्गर, गेराल्ड कोएत्जी, टोनी डी जोरजी, डीन एल्गर, मार्को यानसन, केशव महाराज, एडेन मार्कराम, वियान मुल्डर, लुंगी एनगिडी, कीगन पीटरसन, कैगिसो रबाडा, ट्रिस्टन स्टब्स और काइल वेरिन।

कृत्रिम कोख

लैंकेस्टर (द कन्वरसेशन)। हमारा प्रजनन जीवन हमारे पूर्वजों के मुकाबले काफी अलग है और इसके लिए पिछले कुछ दशकों में हुए स्वास्थ्य नवाचारों को कुछ हद तक श्रेय दिया जा सकता है। आईवीएफ, दानदाता से मिलने वाले अंडे और शुक्राणु, गर्भ प्रत्यारोपण, सरोगेसी और अंडा फ्रीजिंग जैसी प्रथाओं का मतलब है कि कई लोगों के लिए अब पहले से कहीं अधिक विकल्प हैं कि क्या, कब और कैसे बच्चा पैदा करना है। फिर भी, इन प्रगतियों के बावजूद, प्रजनन का एक पहलू स्थिर बना हुआ है और वह है गर्भ में भ्रूण को विकसित करने की आवश्यकता। लेकिन अगर प्रौद्योगिकी ने मानव शरीर के बाहर भ्रूण को विकसित करना संभव बना दिया तो पितृत्व के बारे में हमारी धारणाओं का क्या होगा? हाल तक, एक्टोजेनेसिस - शरीर के बाहर भ्रूण का विकास - का विचार विज्ञान कथा रहा है। लेकिन अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान की टीमों ने कृत्रिम गर्भ विकसित करना शुरू कर दिया है। आशा है कि यह तकनीक किसी दिन समय से पहले जन्म लेने वाले शिशुओं की जान बचाने के काम आएगी। जानवरों पर परीक्षण पहले ही किए जा चुके हैं - शोधकर्ताओं ने मेमने के भ्रूण को कोख से बाहर विकसित करने में सफलता की सूचना दी है।

इस बीच, नीदरलैंड में एक टीम सिमुलेशन तकनीक का उपयोग करके एक समान प्रणाली विकसित कर रही है। यह दृष्टिकोण उन्नत निगरानी और कंप्यूटर मॉडलिंग से सुसज्जित मैनिकिन का उपयोग करके समय से काफी पहले जन्मे शिशुओं को जन्म के समय तक ले जाने की प्रक्रिया की नकल करता है। इससे शोधकर्ताओं को यह समझने में मदद मिलती है कि एक शिशु ऐसे वातावरण में कैसे विकसित हो सकता है जो गर्भ की स्थितियों का अनुकरण करता है। हालाँकि इसमें कई दशक लग सकते हैं, और यह वर्तमान शोध का इच्छित समापन बिंदु नहीं है, कृत्रिम गर्भ प्रौद्योगिकियाँ अंततः 'पूर्ण एक्टोजेनेसिस' का रास्ता बना सकती हैं, जिसका मतलब होगा गर्भाधान से लेकर 'जन्म' तक भ्रूण को मानव शरीर के बाहर पूरी तरह से विकसित करना।

पूर्ण एक्टोजेनेसिस में अनुसंधान में एक बाधा दुनिया भर में मौजूदा कानून है, जो या तो भ्रूण अनुसंधान पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाता है या 14 दिनों से अधिक समय तक अनुसंधान के लिए मानव भ्रूण को विकसित करने पर रोक लगाता है।

इसलिए इस प्रकार के शोध के लिए कानून में बदलाव की आवश्यकता होगी। अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक समुदाय के बीच इसके प्रति जिज्ञासा बढ़ रही है, लेकिन इस तरह के बदलाव को जनता का समर्थन मिलेगा या नहीं यह ज्ञात नहीं है।

पूर्ण एक्टोजेनेसिस महत्वपूर्ण नैतिक, कानूनी और सामाजिक प्रश्न भी उठाता है, जिनका उपयोग करने से पहले उत्तर देना आवश्यक होगा।

यूके में, जो बच्चे को जन्म दे वही बच्चे की कानूनी मां होती है - आनुवंशिकी या इरादे की परवाह किए बिना। हालाँकि, कृत्रिम गर्भ में भ्रूण का विकास गर्भधारण और मातृत्व के बीच के इस संबंध को तोड़ सकता है।

सरोगेसी ने, कुछ हद तक, मातृत्व की हमारी कानूनी और सामाजिक अवधारणाओं को पहले ही चुनौती दे दी है। जन्म के समय सरोगेट बच्चे की कानूनी मां होती है, लेकिन माता-पिता के आदेश या गोद लेने के माध्यम से बच्चे को इच्छित माता-पिता को हस्तांतरित किया जा सकता है।

लेकिन कृत्रिम गर्भ लंबे समय से स्थापित मानदंडों को और अधिक गहन तरीकों से बाधित कर सकता है, क्योंकि अब कोई 'जन्म देने वाली मां' नहीं होगी। कानून को यह परिभाषित करने की आवश्यकता होगी कि ऐसी परिस्थितियों में कानूनी मां कौन है, और क्या यह परिभाषा सभी माताओं पर लागू होती है या केवल जब कृत्रिम गर्भ प्रौद्योगिकियों का उपयोग किया जाता है।

पितृत्व की कानूनी परिभाषाओं पर कृत्रिम गर्भ का प्रभाव कम महत्वपूर्ण हो सकता है।

यूके में, जो व्यक्ति शुक्राणु प्रदान करता है वह आम तौर पर बच्चे का कानूनी पिता होता है - जब तक कि बच्चा किसी लाइसेंस प्राप्त क्लिनिक में दान किए गए शुक्राणु का उपयोग करके पैदा न हो। उस स्थिति में, दाता किसी भी परिणामी बच्चे का कानूनी पिता नहीं है। लेकिन मानव निषेचन और भ्रूणविज्ञान अधिनियम 2008 के माध्यम से पितृत्व (या समान-लिंग वाले जोड़ों के लिए पितृत्व) को कानूनी रूप से किसी को भी जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। यह किसी ऐसे व्यक्ति को उसके कानूनी पिता या अन्य माता-पिता के रूप में मान्यता देने की अनुमति देता है जो आनुवंशिक रूप से बच्चे से संबंधित नहीं है। इस अधिनियम के प्रावधान पूर्ण एक्टोजेनेसिस पर लागू होंगे क्योंकि इसमें भ्रूण बनाने के लिए आईवीएफ की आवश्यकता होगी। पूर्ण एक्टोजेनेसिस के परिणामस्वरूप कानूनी पितृत्व को देखने के हमारे तरीके में और अधिक आमूल-चूल परिवर्तन हो सकते हैं। यह हमें न केवल 'माँ' और 'पिता' के बारे में हमारे विचारों पर, बल्कि इस्तेमाल की जाने वाली भाषा पर भी पुनर्विचार करने के लिए प्रेरित कर सकता है। उदाहरण के लिए, क्या इसके स्थान पर हमेशा 'अभिभावक' शब्द का उपयोग करना अधिक उचित होगा?

व्यक्तिगत निर्णय

कृत्रिम गर्भ तकनीक लोगों द्वारा प्रजनन के बारे में लिए जाने वाले व्यक्तिगत निर्णयों को भी प्रभावित करेगी। यह माता-पिता बनने के निर्णय के कई लोगों के जीवन में फिट बैठने के तरीके को काफी हद तक बदल सकता है।

अंडा फ्रीजिंग और आईवीएफ की तरह, कृत्रिम गर्भ विशेष रूप से महिलाओं के लिए जीवन में बाद में बच्चे पैदा करना संभव बना देगा। यह लोगों को एक साथ कई भ्रूणों को धारण करने की अनुमति भी दे सकता है - जिससे उनके लिए पहले की तुलना में बहुत कम समय अवधि के भीतर अपने परिवार को पूरा करना संभव हो जाएगा।

कृत्रिम गर्भ प्रौद्योगिकी तकनीक से अधिक लोगों के लिए अपने स्वयं के जैविक बच्चे पैदा करना आसान हो जाएगा - जिनमें एकल पुरुष, समान लिंग वाले जोड़े और स्वास्थ्य कारणों से गर्भवती होने में असमर्थ महिलाएं शामिल हैं। इसका मतलब यह भी होगा कि महिलाओं को अब बच्चे पैदा करने के लिए गर्भावस्था और प्रसव से जुड़े महत्वपूर्ण जोखिमों और बोझों से नहीं गुजरना पड़ेगा।

विज्ञान कथाओं में, कृत्रिम गर्भ अक्सर डायस्टोपिया का प्रतीक होते हैं - प्राकृतिक प्रक्रियाओं में तकनीकी घुसपैठ और सरकारी नियंत्रण का एक साधन (जैसा कि द मैट्रिक्स या ब्रेव न्यू वर्ल्ड में)। लेकिन कृत्रिम गर्भ तकनीक वर्तमान में उपलब्ध प्रजनन विकल्पों को बढ़ा सकती है - जिससे अधिक लोगों के लिए यदि वे चाहें तो माता-पिता बनना संभव हो सकेगा। पूर्ण एक्टोजेनेसिस अभी भी बहुत दूर है, लेकिन अभी इस पर चर्चा करना महत्वपूर्ण है ताकि हम इसके द्वारा उठाए जाने वाले मुद्दों के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त कर सकें। मानव प्रजनन के कई पहलुओं की तरह, कृत्रिम गर्भ तकनीक विभाजनकारी हो सकती है।

कुछ लोग इसे प्रजनन स्वायत्तता और समानता बढ़ाने के एक तरीके के रूप में देखेंगे, अन्य इसे खतरनाक - या यहां तक कि पारंपरिक पारिवारिक संरचनाओं और मूल्यों के लिए खतरे के रूप में देखेंगे। अभी भी संभवतः दोनों के लिए इसकी क्षमता दिखाई देगी। आपकी स्थिति जो भी हो, यह तकनीक जल्द हकीकत बन सकती है और समाज तथा पितृत्व की हमारी अवधारणा पर इसके प्रभाव पर सावधानीपूर्वक विचार करने की आवश्यकता है।

पितृत्व के बारे में हमारी धारणाओं को बदल सकती है

- आईवीएफ, दानदाता से मिलने वाले अंडे और शुक्राणु, गर्भ प्रत्यारोपण, सरोगेसी और अंडा फ्रीजिंग जैसी प्रथाओं का मतलब है कि कई लोगों के लिए अब पहले से कहीं अधिक विकल्प हैं कि क्या, कब और कैसे बच्चा पैदा करना है।
- इन प्रगतियों के बावजूद, प्रजनन का एक पहलू स्थिर बना हुआ है और वह है गर्भ में भ्रूण को विकसित करने की आवश्यकता।
- अगर प्रौद्योगिकी ने मानव शरीर के बाहर भ्रूण को विकसित करना संभव बना दिया तो पितृत्व के बारे में हमारी धारणाओं का क्या होगा
- हाल तक, एक्टोजेनेसिस - शरीर के बाहर भ्रूण का विकास - का विचार विज्ञान कथा रहा है। लेकिन अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान की टीमों ने कृत्रिम गर्भ विकसित करना शुरू कर दिया है।
- कृत्रिम गर्भ प्रौद्योगिकियाँ अंततः 'पूर्ण एक्टोजेनेसिस' का रास्ता बना सकती हैं, जिसका मतलब होगा गर्भाधान से लेकर 'जन्म' तक भ्रूण को मानव शरीर के बाहर पूरी तरह से विकसित करना।
- पूर्ण एक्टोजेनेसिस में अनुसंधान में एक बाधा दुनिया भर में मौजूदा कानून है, जो या तो भ्रूण अनुसंधान पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाता है या 14 दिनों से अधिक समय तक अनुसंधान के लिए मानव भ्रूण को विकसित करने पर रोक लगाता है।
- शोध के लिए कानून में बदलाव की आवश्यकता होगी। अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक समुदाय के बीच इसके प्रति जिज्ञासा बढ़ रही है, लेकिन इस तरह के बदलाव को जनता का समर्थन मिलेगा या नहीं यह ज्ञात नहीं है।
- पूर्ण एक्टोजेनेसिस महत्वपूर्ण नैतिक, कानूनी और सामाजिक प्रश्न भी उठाता है, जिनका उपयोग करने से पहले उत्तर देना आवश्यक होगा।
- कृत्रिम गर्भ प्रौद्योगिकी तकनीक से अधिक लोगों के लिए अपने स्वयं के जैविक बच्चे पैदा करना आसान हो जाएगा - जिनमें एकल पुरुष, समान लिंग वाले जोड़े और स्वास्थ्य कारणों से गर्भवती होने में असमर्थ महिलाएं शामिल हैं।
- महिलाओं को अब बच्चे पैदा करने के लिए गर्भावस्था और प्रसव से जुड़े महत्वपूर्ण जोखिमों और बोझों से नहीं गुजरना पड़ेगा।
- कृत्रिम गर्भ तकनीक वर्तमान में उपलब्ध प्रजनन विकल्पों को बढ़ा सकती है - जिससे अधिक लोगों के लिए यदि वे चाहें तो माता-पिता बनना संभव हो सकेगा। पूर्ण एक्टोजेनेसिस अभी भी बहुत दूर है, लेकिन अभी इस पर चर्चा करना महत्वपूर्ण है ताकि हम इसके द्वारा उठाए जाने वाले मुद्दों के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त कर सकें।
- यह तकनीक जल्द हकीकत बन सकती है और समाज तथा पितृत्व की हमारी अवधारणा पर इसके प्रभाव पर सावधानीपूर्वक विचार करने की आवश्यकता है।

भगवान राम का किरदार निभाना बड़ी जिम्मेदारी सुजय रेउ

मुंबई (आईएएनएस)। एक्टर सुजय रेउ, जो अपकमिंग शो 'श्रीमद रामायण' में भगवान राम का किरदार निभा रहे हैं , ने कहा कि ऐसे अत्यधिक पूजे जाने वाले भगवान का किरदार निभाना सिर्फ एक भूमिका नहीं है, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी है। भगवान राम को वीरता और सदाचार का अवतार माना जाता है। यह पौराणिक गाथा भारतीय परिवारों को एक प्राचीन आध्यात्मिक युग में ले जाने का वादा करती है जो आज भी प्रासंगिक संपूर्ण मूल्यों और जीवन पाठों पर प्रकाश डालती है। निर्माताओं ने महान भारतीय महाकाव्य का एक नया प्रोमो जारी किया है, जिसमें दर्शकों को 'मर्यादा पुरूषोत्तम' श्री राम से परिचित कराया गया है। उसी के बारे में बात करते हुए, सुजय ने कहा : श्रीमद रामायण में यह अवसर पाकर मैं सम्मानित और उत्साहित महसूस कर रहा हूं। उन्होंने कहा, अत्यधिक पूजे जाने वाले भगवान का किरदार निभाना केवल एक भूमिका नहीं है, बल्कि यह एक बड़ी जिम्मेदारी है और किसी अन्य की तरह आध्यात्मिक यात्रा का उपक्रम है। भगवान राम की कालजयी कथा ने हमेशा मेरे दिल में एक विशेष स्थान रखा है, और उनकी यात्रा को जीवंत करने का यह मौका मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है।'श्रीमद रामायण' 1 जनवरी को लॉन्च होने वाला है और सोनी पर प्रसारित होगा।

सइयां बिना सून लागे घर आंगन रिलीज

मुंबई (वार्ता)। अभिनेत्री लवली काजल और गायिका खुशी कक्कर का गाना सइयां बिना सून लागे घर आंगन रिलीज हो गया है ।लोकगीत'सइयां बिना सून लागे'वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है। वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स प्रस्तुत लोकगीत'सइयाँ बिना सून लागे'को खुशी कक्कर ने गाया है ।इस गाने को गीतकार यादव राज ने लिखा है, संगीतकार भी यादव राज ही है। वीडियो निर्देशक रवि पंडित, कोरियोग्राफर रौनक शाह, एडिटर दीपक पंडित है। डीआई रोहित सिंह ने किया है। इस गाने का आल राइट्स वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स के पास है।

कोविड के प्रति शरीर की प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया बाधित करता है मोटापा

ऐसे लोगों के लिए पुनः संक्रमण से बचने के लिए टीकाकरण आवश्यक हो जाता है।

नई दिल्ली (भाषा)। अधिक वजन होने से 'एसएआरएस-सीओवी-2' संक्रमण के प्रति शरीर की प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया बाधित हो सकती है, लेकिन कोविड-19 टीकाकरण द्वारा प्रदान की जाने वाली सुरक्षा पर इसका असर नहीं होता। एक अध्ययन में यह दावा किया गया है। 'क्लीनिकल एंड ट्रांसलेशनल इम्यूनोलॉजी' जर्नल में प्रकाशित यह अध्ययन इस बात पर आधारित है कि कैसे कोविड-19 अधिक वजन वाले लोगों को प्रभावित करता है। ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड विश्वविद्यालय में पीएचडी उम्मीदवार मार्कस टोंग ने कहा, ''हमने पहले यह दिखाया है कि ज्यादा वजन होना 'एसएआरएस-सीओवी-2' के खतरे को बढ़ाता है।'टोंग ने कहा, 'लेकिन इससे पता चलता है कि ज्यादा वजन होने से संक्रमण के प्रति कमजोर प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया उत्पन्न होती है, लेकिन टीकाकरण के प्रति यह बेअसर रहती है।'

शोधकर्ताओं की एक टीम ने उन लोगों के रक्त के नमूने एकत्र किए जो कोविड-19 से उबर चुके थे और अध्ययन अवधि के दौरान संक्रमण के लगभग 13 महीने बाद तक दोबारा संक्रमित नहीं हुए थे। टोंग ने कहा, 'संक्रमण के तीन महीने बाद, एक उच्च बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) कम एंटीबॉडी स्तर से जुड़ा था।' उन्होंने कहा, 'संक्रमण के 13 महीने बाद, एक उच्च बीएमआई, कम एंटीबॉडी गतिविधि और प्रासंगिक बी कोशिकाओं के प्रतिशत में कमी देखी गई थी। यह कोशिका कोविड-19 से लड़ने वाले एंटीबॉडी बनाने में मदद करती है।' क्वीन्सलैंड विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर किर्स्टी शॉर्ट ने कहा कि परिणामों से स्वास्थ्य नीति में मदद मिल सकती है। उन्होंने कहा ''अगर संक्रमण से अधिक वजन वाले लोगों में गंभीर बीमारी और कमजोर प्रतिक्रिया का खतरा बढ़ता है तो इस समूह को पुनः संक्रमित होने का खतरा भी अधिक है। यह देखते हुए इस समूह के लिए टीकाकरण आवश्यक हो जाता है।'

'झलक' में सुशांत की डांस पार्टनर से अंकिता को हुई थी जलन

मुंबई (आईएएनएस)। कंट्रोवर्शियल रियलिटी शो 'बिग बॉस 17' में एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे ने उस वक्त को याद किया, जब वह सुशांत सिंह राजपूत के साथ डांस रियलिटी शो 'झलक दिखला जा' के सीजन 4 में थीं। बिग बॉस घर के गार्डन एरिया में अंकिता ईशा मालवीय और अभिषेक कुमार से बात कर रही थीं। इस दौरान अंकिता ने कहा, 'झलक दिखला जा' में टॉप 5 में होने के बाद भी मैं उतनी फोकस्ड नहीं थी। मैं बाहर घूमने निकल जाया करती थी। मैं अक्सर सुशांत से कहती कि कॉम्पिटिशन छोड़ो, मेरे साथ बाहर चलो। अभिषेक ने अंकिता से सुशांत सिंह राजपूत के बारे में पूछा, 'वह कहां तक पहुंचे थे?' इस पर अंकिता ने कहा कि वह टॉप 2 पर था। उन्होंने आगे कहा, मैंने उससे कहा था कि हार जाना बेटा, अगर तू जीत गया तो बहुत प्रॉब्लम हो जाएगी। उसको शो का पहला 30 (फुल स्कोर) मिला था, जिस वजह से मुझे काफी इश्यू भी हुए थे। मैंने उससे पूछा कि तुमको फुल स्कोर कैसे मिले। ईशा ने अंकिता से सुशांत के डांस पार्टनर के बारे में पूछा।

के के मेनन की इच्छा, ऑस्कर में जाए 'द रेलवे मेन'

मुंबई (आईएएनएस)। प्रशंसित अभिनेता के के मेनन की इच्छा है कि उनकी सीरीज 'द रेलवे मेन' ऑस्कर में जाए। उनका मानना है कि इस सीरीज ने भारत को ग्लोबल स्टेज पर गौरवान्वित किया होगा। के के ने कहा, काश 'द रेलवे मेन' ऑस्कर में भारत की एंट्री के तौर पर क्वालिफाइड हो सके। यह सीरीज दुनिया को दिखाती है कि एक देश के रूप में हमने उस भयावह रात में क्या झेला था और निस्वार्थ भारतीयों की भावना को भी दिखाती है, जिन्होंने अनगिनत लोगों को मरने से बचाने के लिए अपनी जान जोखिम में डाल दी। 4-पार्ट वाली यह मिनी सीरीज 1984 की भोपाल गैस त्रासदी के दौरान सेट की गई है, जिसने

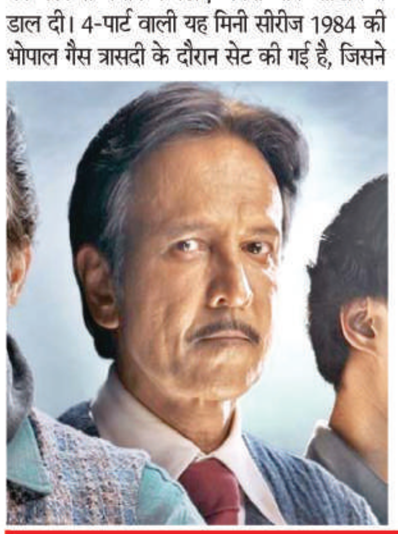

देश को हिलाकर रख दिया था। इसका निर्देशन नवोदित निर्देशक शिव रवैल ने किया है। के के मेनन ने कहा, यह सीरीज वास्तव में हर ग्लोबल स्टेज पर भारत का प्रतिनिधित्व करने और दुनिया भर के लोगों को दुर्गम खतरे में हमारे एकजुटता को परिभाषित करने की हकदार है। 'द रेलवे मेन' एक ऐसा शो है जिस पर हर भारतीय को गर्व होना चाहिए। के के मेनन का मानना है कि 'द रेलवे मेन' उनके करियर के अब तक का सबसे बेहतरीन कामों में एक है। उन्होंने कहा, यह मेरी फिल्मोग्राफी में अब तक के सबसे बेहतरीन प्रोजेक्ट्स में से एक है जिसका मैं हिस्सा रहा हूं। मैं उस प्रतिक्रिया से रोमांचित हूं जो सीरीज को विश्व स्तर पर पहले ही मिल चुकी है। यह सभी के प्यार की हकदार है। यह अमर मानवीय भावना को हमारी श्रद्धांजलि है और यह भोपाल के उन सभी गुमनाम नायकों को भी श्रद्धांजलि है जिनके बलिदान ने उन हजारों लोगों को बचाया जो इस बात से अनजान थे कि हवा में मूक हत्यारे से कैसे लड़ना है। सीरीज में आर. माधवन, दिव्येंदु और बाबिल खान भी शामिल हैं।

लॉस एंजेल्स में एकेडमी म्यूजियम गाला में दीपिका

मुंबई (आईएएनएस)। दीपिका पादुकोण ने लॉस एंजेल्स में एकेडमी म्यूजियम गाला में शिरकत की। वह इस इवेंट में आमंत्रित होने वाली पहली भारतीय स्टार हैं। एकेडमी म्यूजियम गाला ऑस्कर के बाद दूसरा सबसे बड़ा स्टेज है जिसे एक ही बोर्ड द्वारा आयोजित किया जाता है। इस साल की शुरुआत में दीपिका को ऑस्कर में इंडियन सॉन्ग एक्ट के लिए स्टेज पर देखा गया था। दीपिका ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अपनी कई तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें उन्होंने डार्क पर्पल वेलवेट फ्लोर-स्वीपिंग गाउन पहना हुआ था। उन्होंने इवेंट के लिए अपने लुक को डायमंड से पूरा किया। वर्कफ्रंट की बात करें तो, दीपिका के लिए 'पठान' और 'जवान' के साथ एक शानदार साल रहा। वह जल्द ही ऋतिक रोशन और अनिल कपूर के साथ 'फाइटर' में नजर आएंगी। दीपिका के पास प्रभास और अमिताभ बच्चन के साथ 'कल्कि 2898 एडी' भी है।

यश की 19वीं फिल्म के टाइटल का 8 को होगा अनावरण

मुंबई (वार्ता)। दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार यश की आने वाली 19 वीं फिल्म के टाइटल का 08 दिसम्बर को अनावरण होगा। 'के.जी.एफ'-1 और के.जी.एफ 2 के लिए मशहूर रॉकिंग स्टार यश अब अपनी अगली फिल्म के बारे में ऑफिसियल तौर पर बड़ी घोषणा करने की तैयारी कर रहे हैं, जिससे उनके फॉलोअर्स के बीच उत्साह की लहर दौड़ गई है। यश अपने अगले प्रोजेक्ट के ऑफिसियल टाइटल को रिलीज करेंगे, जिसे फिलहाल 'यश 19'के नाम से जाना जाता है। यश ने सोशल मीडिया पर प्रोडक्शन हाउस, केवीएन प्रोडक्शंस के साथ पोस्ट में अपने फॉलोअर्स को सूचित किया कि वह 8 दिसम्बर को 9:55 बजे फिल्म के ऑफिसियल टाइटल की घोषणा करेंगे।

2025 में रिलीज होगी 'हाउसफुल 5'

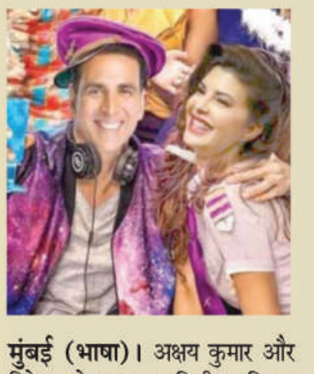

मुंबई (भाषा)। अक्षय कुमार और रितेश देशमुख अभिनीत फिल्म 'हाउसफुल 5' छह जून 2025 को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी। फिल्म निर्माण कंपनी ने यह जानकारी दी। 'दोस्ताना' और 'ड्राइव' जैसी फिल्मों के निर्देशक तरुण मनसुखानी फिल्म 'हाउसफुल 5' का निर्देशन करेंगे।साजिद नाडियाडवाला द्वारा निर्मित यह फिल्म पहले अगले साल दीपावली के मौके पर रिलीज होने वाली थी। फिल्म निर्माण कंपनी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''हाउसफुल फ्रैंचाइजी को मिली भारी सफलता का श्रेय दर्शकों को जाता है और हमें उम्मीद है कि 'हाउसफुल 5' को भी दर्शकों का उतना ही प्यार मिलेगा।

घर घर पहुंचेगा निमंत्रण रामलला का : रमेश जी

श्री राम जन्मभूमि रामलला प्राण प्रतिष्ठा गृह संपर्क महाअभियान 1 से 15 जनवरी तक

प्रयागराज। मंगलवार 5 दिसंबर 23 को नैनी के माधव ज्ञान केंद्र इंटर कॉलेज में संघ विचार परिवार के प्रमुख पदाधिकारियों की उपस्थिति में संघ के प्रांत प्रचारक रमेश जी ने श्री राम जन्मभूमि रामलला प्राण प्रतिष्ठा गृह संपर्क महाअभियान की घोषणा किया यह अभियान 1 जनवरी से 15 जनवरी तक चलेगा। बता दें कि अयोध्या में श्रीरामलला की मूर्ति का प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी 2024 दोपहर 12 बजकर 20 मिनट पर देश के प्रधानमन्त्री नरेन्द्र भाई मोदी एवम् राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉक्टर मोहन भागवत की गरिमामयी उपस्थिति देश के संत,महंत,महामण्डलेश्वर ,प्रबुद्ध प्रतिष्ठित आध्यात्मिक सांस्कृतिक समाज जीवन के प्रत्येक क्षेत्र के लगभग 10 हजार लोगों की उपस्थिति में सम्पन्न होना सुनिश्चित हुआ है। इस ऐतिहासिक अवसर पर पूरे काशी प्रांत में हिंदू-शक्ति के व्यापक जन जागरण हेतु चरण बद्ध ढंग से एक बड़े गृह संपर्क महा अभियान की तिथि वार घोषणा की गयी।

इस अवसर पर काशी प्रांत के प्रांत प्रचारक रमेश जी ने कहा कि यह विश्व के सबसे बड़े संगठन की ओर से चलाया जाने वाला विश्व का सबसे बड़ा महाजनसंपर्क अभियान होगा। यह 'श्री राम जन्मभूमि रामलला प्राण प्रतिष्ठा ग्रह संपर्क महाअभियान' के रूप में चलाया जाएगा। काशी प्रांत के 22 हजार गांवों में 55 हजार टोली बनाकर लगभग 3 लाख कार्यकर्ता के हाथों में पूजित अक्षत, श्रीराम मंदिर का चित्र एवं निमंत्रण पत्र देकर सबको अयोध्या पहुंचने का निमंत्रण देंगे। इस अवसर पर भारी उत्साह एवं जय श्री राम तथा हर हर महादेव के उद्घोष के बीच विश्व हिंदू परिषद काशी प्रांत के अध्यक्ष के पी सिंह प्रांत संगठन मंत्री नितिन ने प्रयाग उत्तर ,प्रयाग दक्षिण गंगापार तथा यमुनापार जिला एवं नैनी भाग के लिए अयोध्या से आए पूजित अक्षत वाले कलश पांच जिलों के कार्यवाह तथा संघचालक को सौंप दिए गये। अपने ओजस्वी उद्बोधन में कार्यकताओं में जोश भरते हुए हुए प्रांत प्रचारक रमेश जी ने कहा की कार्यकर्ता दसों दिशाओं में जाएं दल-बादल सा छा जाएं का संदेश लेकर ह्लराष्ट्र को राममयह्लकरने के लिए हर गाँव गली मोहल्ले में पहुंचकर सबको व्यक्तिगत रूप से निमंत्रण पत्र सौंपेगे। राम में राष्ट्र का स्वरूप प्रतिबिंबित होता है इसलिए बगैर भेदभाव के सभी दलों, सभी विचारों, सभी पन्थो के लोगों तक संघ परिवार के कार्यकर्ता और समाज की सज्जन शक्ति अपनी पहुंच बना कर उन्हे निमंत्रित करेंगे। इस अभियान में ह्लएक भी हिंदू घर छुटने ना पाए इसका पूरा ध्यान रखेंगे। 1 से 15 जनवरी 2024 तक चलने वाले इस महाभियान को सफल बनाने के लिए कार्यकताओं की टोली बनेगी। एक टोली में पांच कार्यकर्ता होंगे जिन्हें 15 दिनों में100 घरों मैं संपर्क करना होगा ।संपर्क अभियान के दौरान कार्यकर्ता सामाजिक समरसता का वातावरण पैदा करते हुए महा संपर्क अभियान में सभी स्थानीय प्रमुख मंदिरों की सूची उनका स्थान किस देवता का मंदिर है आदि विवरण भी कार्यकर्ता संग्रहित करेंगे। यह कार्यालय में डाटा के रूप में सुरक्षित रखे जाएंगे। आगामी 20 दिसंबर तक टोली निर्माण तथा 24 दिसंबर को टोली प्रमुखों का प्रशिक्षण होगा। इस दौरान उन्हें अपने चिन्हित गांवों के लिए अक्षत चित्र एवं निमंत्रण पत्र सौंप दिए जाएंगे। काशी प्रांत के चयनित 3 हजार श्रीराम भक्त 30 जनवरी को अयोध्या पहुंचेंगे। गौरतलब है कि 22 जनवरी को 11:00 बजे से 1:00 बजे तक प्रांत के सभी मंदिरों मैं भजन कीर्तन श्री राम जय राम जय जय राम का सामूहिक जाप तथा 11 से 12 तक सामूहिक आरती एवं 12 से 1:00 बजे तक प्राण प्रतिष्ठा समारोह का जीवंत एवं सीधा प्रसारण कार्यकताओं को दिखाया जाएगा। सह प्रांत कार्यवाहक डॉ राकेश जी ने कार्यकताओं को संगठन आत्मक विषयों की जानकारी दी। बैठक में संघ परिवार के विभिन्न संगठनों के अतिरिक्त क्षेत्र सह सेवा प्रमुख युद्धवीर, प्रांत प्रचारक प्रमुख रामचंद्र,प्रांत प्रचार प्रमुख डॉ मुरारजी विभाग संघ चालक प्रोफेसर केपी सिंह ,विभाग प्रचारक आदित्य ,विभाग कार्यवाह डॉ संजय सिंह , घनश्याम अग्रहरि,संजीव आदि सहित संघ परिवार के 5 सौ से अधिक प्रमुख कार्यकर्ता इस अवसर पर उपस्थित रहे।

राष्ट्रवादी मुस्लिम पसमांदा महज के जिला प्रभारी व गोरखपुर परिक्षेत्र के मोदी मित्र जुबैर अहमद ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

प्रखर संतकबीरनगर। जनपद के सबसे बड़े विकास खंड सेमरियावां के रहने वाले जुबैर अहमद ने समाज में अंतिम छोर में रहने वाले व्यक्ति को समाज के मुख्य धारा में जोड़ने के लिए हर वक्त तत्पर व तैयार रहते हैं। सिमरियावा विकासखंड क्षेत्र में ग्रामीण इलाकों में समय-समय पर क्षेत्रीय जनता की समस्याओं से रूबरू होते रहते हैं सड़क पानी बिजली स्वास्थ्य शिक्षा पर इनका विशेष ध्यान रहता है जरूरतमंदों की जरूरत को पूरा करने के लिए दिन-रात मेहनत करते रहते हैं। जुबेर अहमद एक पैर से दिव्यांग है दिव्यांग होने के बावजूद इनकी हौसलों की उड़ान में कोई कमी नहीं है दिन हो या रात क्षेत्रीय जनता की समस्याओं को सुलझाने में अपना काफी समय व्यक्त करते हैं। इन्हीं सब सेवा भाव को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी के इस सिपाही को हाल ही में गोरखपुर परिक्षेत्र का मोदी मित्र प्रभारी बनाया गया है। जिससे लोगों में काफी उत्साह का माहौल है। इलाके के सभी नवयुवक जुबैर अहमद के साथ कंधे से कंधा मिलाकर लोगों की मदद करने के लिए आतुर रहते हैं। इसी क्रम में आज सेमरियावां विकासखंड की धरती से चलकर जिला मुख्यालय पर जिला अधिकारी कार्यालय पहुंचकर आज उन्होंने एक ज्ञापन सोपा। समाजसेवी जुबेर अहमद का कहना है कि बिगरा मीर से लेकर चिउटना चौराहे के बीच में स्ट्रीट लाइट प्रति मोड पर लगाने की मांग हैं और आज मैं और मेरे समर्थक जिला कलेक्ट्रेट परिसर में पहुंच कर इसकी मांग करते हैं । राष्ट्रवादी मुस्लिम पसमांदा महज के संतकबीरनगर के जिला प्रभारी व गोरखपुर परिक्षेत्र के मोदी मित्र प्रभारी जुबैर अहमद ने आगे बताया की विकास खंड सेमरियावा मार्ग से ले कर टेमा रहमत तक मार्ग बनी हैं। यह सड़क दर्जनों गांव से हो कर गुजराती हैं रात के समय इस सड़क से गुजरने वाले राहगीरों को काफी मुश्किल होती हैं दुर्घटनाओं की संभावना अक्सर बनी रहती हैं । इस सड़क पर घातक मोड़ पर स्ट्रीट लाइट ना होने के कारण आए दिन काफी दुर्घटाए होती रहती हैं ।विशेष रूप से विगरा मीर गांव से ले कर चिउटना चौराहे के बीच कई काफी घातक मोड़ होने के कारण रात के समय में अत्यधिक दुर्घटनाएं होती चली आ रही हैं। और आगे जाड़े का मौसम भी दस्तक दे रहा है तो ऐसे में कोहरे का प्रकोप से दुर्घटनाओं की संभावना बनी रहेगी इसलिए संतकबीरनगर के जिला अधिकारी से मेरा यह अनुरोध हैं की इस दुर्घटना संभावित जगहों पर स्ट्रीट लाइट लगवाने के लिए सम्बन्धित अधिकारियों को आदेश करे जिससे समस्याओं का समाधान हो सके । इस पूरे कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रवादी मुस्लिम पसमांदा महाज के जिला प्रभारी जुबैर अहमद,एजाज अहमद,मंडल अध्यक्ष अल्ताफ हुसैन,शहाबुद्दीन,जफर हुसैन,मोहम्मद अनस,सोनू,अफजल अहमद,अली जान,नफीस अहमद आदि लोग उपस्थित रहे।

प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त, अपराधी खुलेआम कर रहे हैं हत्या : पूर्व एमएलसी दयाराम प्रजापति

मृतक परिवार को 50 लाख रुपए मुआवजा दिए जाने की उठाई मांग, मृतक की बहन को सरकार दे पक्की नौकरी

प्रखर जौनपुर। सपा सुप्रीमो पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर सोमवार को पूर्व एमएलसी दयाराम प्रजापति के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल खेतासराय के बभनौटी वार्ड निवासी फूलचंद प्रजापति के आवास पर पहुंचा। जिनके दो युवा पुत्र अजय प्रजापति व अंकित प्रजापति की 28 नवंबर मंगलवार की रात सरेआम निर्मय हत्या कर दी गई थी। इस घटना की जानकारी मिलते ही सपा सुप्रीमो ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल सोमवार को पीड़ित परिवार से मिलने के लिए मौके पर पहुंचा जिसमें मुख्य रूप पूर्व एमएलसी दयाराम प्रजापति ,अरशद खान डां अवधनाथ पाल,दिनेश प्रजापति, हरवीर सिंह, वीरेन्द्र यादव, डां रामगोविंद प्रजापति, दिलीप प्रजापति,के साथ जिले के वरिष्ठ नेताओं के साथ प्रतिनिधिमंडल खेतासराय कस्बा में पहुंचा। इस दौरान मृतक परिवार के मुखिया फूलचंद प्रजापति, उनकी पत्नी मनभावती देवी और बेटी विनीता से मुलाकात करके हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया। पूर्व एमएलसी दयाराम प्रजापति ने कहा पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर में हम सभी यहां आये हैं घटना की पूरी जानकारी अखिलेश यादव दिया जायेगा और अपराधियों को कठोर से कठोर सजा मिले इसके लिए पूरा समाजवादी परिवार मृतक परिवार के साथ खड़ा रहेगा । कहा आप को किसी से डरने की जरूरी नहीं हैं ।कहा कि जब से प्रदेश में भाजपा सरकार बनी है। अपराधी बेलगाम हो गए हैं उनको अपराध करते समय किसी प्रकार का भय नहीं रहता। खेतासराय कस्बे में पुलिस बूथ के एकदम निकट घटित हुई यह धटना उसका जीता जागता उदाहरण है। उन्होंने मांग किया कि भाजपा सरकार इस मृतक के परिवार को 50 लाख की सहायता राशि मुख्यमंत्री राहत कोष से देने की कृपा करें। कहा मृतक परिवार में एक बेटी बची जो बूढ़े माता पिता का देखभाल करेंगी । उसे भाजपा सरकार पक्की नौकरी दें । जिससे उनका जीवन यापन चल सकें। मुख्य रूप से पूर्व एमएलसी लल्लन प्रसाद यादव,चेयरमैन वसीम अहमद,लालचंद यादव अंखड प्रताप यादव, हिसामुद्दीन शाह, राहुल त्रिपाठी, पूनम मौर्या , इर्शाद मंसूरी, अजमत अली,अजय विश्कर्मा, अनिल दूबे,नासिर खान,जयप्रकाश यादव, ऋषि यादव, त्रिदेव यादव,अमित सोनकर, रामसूरत प्रजापति इंतखाब आलम अन्य मौजूद रहे।

पीजी कालेज में हुआ पूर्व शोध प्रबंध संगोष्ठी का आयोजन, श्रीमती शकुन सिंह ने दी प्रस्तुति

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर में पूर्व शोध प्रबन्ध प्रस्तुत संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह संगोष्ठी महाविद्यालय के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ तथा विभागीय शोध समिति के तत्वावधान में महाविद्यालय के सेमिनार हाल में सम्पन्न हुई, जिसमें महाविद्यालय के प्राध्यापक, शोधार्थी व छात्र- छात्राएं उपस्थित रहे। उक्त संगोष्ठी मे भाषा संकाय के हिन्दी विषय की शोधार्थिनी श्रीमती शकुन सिंह ने अपने शोध शीर्षक "हिन्दी दलित साहित्य में समकालीन सामाजिक यथार्थ " नामक विषय पर शोध प्रबन्ध व उसकी विषय वस्तु प्रस्तुत करते हुए कहा कि प्राचीन काल से लेकर आधुनिक काल तक के साहित्य का अध्ययन करने से यह प्रतीत होता है कि दलित चेतना और दलित विमर्श के दर्शन सदैव होते रहे हैं। आधुनिक काल में तो दलित विमर्श एक विचारधारा के रूप में उभर कर सामने आई है। दलित साहित्य के केंद्र में भारतीय समाज का सबसे निचला तबका, मेहनतकश सर्वहारा मानव जाति है, जिसे सदियों से धर्मशास्त्र एवं सामाजिक परंपरा की आड़ में शारीरिक एवं मानसिक रूप से गुलाम बना कर रखा गया और दलित समाज जितना उपेक्षित रहा, उतना ही उनका साहित्य भी उपेक्षित रहा है। दलित समाज और दलित साहित्य ने अपने अस्तित्व और अस्मिता के लिए निरंतर संघर्ष किया है। अपनी इसी अस्तित्व और अस्मिता की रक्षा के लिए दलित साहित्य प्रतिबद्ध भी है, क्योंकि दलित साहित्य में नए मानवीय एवं समतामूलक सामाजिक मूल्यों का समावेश है। प्रस्तुतिकरण के बाद विभागीय शोध समिति, अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ व प्राध्यापकों तथा शोध छात्र-छात्राओं द्वारा शोध पर विभिन्न प्रकार के प्रश्न पूछे गए जिनका शोधार्थिनी श्रीमती शकुन सिंह ने संतुष्टिपूर्ण एवं उचित उत्तर दिया। तत्पश्चात समिति एवं महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर डॉ०राघवेन्द्र कुमार पाण्डेय ने शोध प्रबंध को विश्वविद्यालय में जमा करने की संस्तुति प्रदान किया। इस संगोष्ठी में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर डॉ० राघवेन्द्र कुमार पाण्डेय, अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ के संयोजक प्रोफेसर डॉ० जी० सिंह, शोध निर्देशक एवं हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ० विनय कुमार दूबे , डॉ० संजय चतुर्वेदी, प्रोफेसर डॉ० अरुण कुमार यादव, डॉ० कृष्ण कुमार पटेल, डॉ० राम दुलारे, डॉ० योगेश कुमार, डॉ० हरेन्द्र सिंह, डॉ० समरेंद्र नाथ मिश्र, प्रोफेसर डॉ० सत्येंद्र नाथ सिंह, डॉ० अतुल कुमार सिंह एवं महाविद्यालय के प्राध्यापकगण तथा शोध छात्र- छात्राएं आदि उपस्थित रहे। अंत में प्रोफेसर डॉ० विनय कुमार दुबे ने सभी का आभार व्यक्त किया। संचालन अनुसंधान एवं विकास प्रोकोष्ठ के संयोजक प्रोफेसर डॉ० जी० सिंह ने किया।

एक शाम खाक यूसुफपुरी के नाम, आयोजित कर मनाई 79वीं जन्मतिथि

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। मोहम्मदाबाद की प्रतिष्ठित समाजिक, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था खाक फाउंडेशन के तत्वाधान में नगर के महल्ला जमालपुर स्थित नौशाद अंसारी के आवास पर मशहूर ओ मारूफ शायर और अदीब स्व खलील अंसारी खाक यूसुफपुरी साहब की 79वीं जन्मतिथि के अवसर पर सोमवार को खाक यूसुफपुरी के अदबी कारनामे शीर्षक के तहत सेमिनार एवं मुशायरा का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ जिसमें गाजीपुर जनपद के वरिष्ठ शायरों कवियों ने खाक यूसुफपुरी को अपनी रचनाओं, शायरी, कविताओं, लेखों एवं कहानियों के माध्यम से श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का प्रारम्भ आकिब सलेमपुरी के किरात एवं नातपाक से हुई तत्पश्चात फैयाज अंसारी फैज ने खाक यूसुफपुरी की प्रसिद्ध गजल 'बात निकली किसी के आने की' प्रस्तुत की। इस मौके पर डॉ सय्यद जफर असलम साहब ने खाक यूसुफपुरी के ऊपर एक मकाला पेश करते हुए उनकी अदबी खिदमात का तफ़्सीली जाएजा पेश किया मुख्य अतिथि राजकीय सिटी इंटर कॉलेज गाजीपुर के प्रधानाचार्य नियामतुल्लाह ने कहा कि खाक यूसुफपुरी एक मुकम्मल तहरीक थे जिन्होंने समाज को अपनी कलम से राह दिखाई विशिष्ट अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष रईस अंसारी ने कहा कि सबके यारो मददगार जनाब खाक यूसुफपुरी न केवल अदब बल्कि समाजी और सियासी मैदान के भी उस्ताद थे। इस अवसर पर आयोजित मुशायरा एवं कवि सम्मेलन में शायरों और कवियों ने अपने कलाम पेश करके खूब वाहवाही पाई जिनमें खास तौर से गाजीपुर से तशरीफ लाए हन्टर गाजीपुरी, साजिद गाजीपुरी, खालिद गाजीपुरी, बादशाह राही के अलावा दानिश अलबेला बहादुरगंज, नदीम गंगौलवी, अबू शहमा, दानिश दौलताबादी और मुकामी शोअरा डॉ सय्यद जफर असलम, डॉ राशिद रब्बानी, आसी यूसुफपुरी, अहकम गाजीपुरी, सी पी सुमन, आकिब सलेमपुरी, सरवर मोहम्मदाबादी, इरशाद जनाब खलीली, वकील अरकम ने अपने कलाम पर खूब दादो तहसीन और तालियाँ बटोरी इस अवसर पर उपस्थित सम्मानित श्रोताओं में मोहम्मद हुसैन एम डी भाई, शादाब कादरी, डॉ वसीम अख्तर, डॉ शाहिद जमाल गुरु प्रजापति, सुल्तान अहमद, आसिम इरफान, सुहेल मुमताज, रईस फरीदी, साजिद अंसारी, इसरार अंसारी, इजहार अंसारी, अनीस अंसारी, माज अकरम मोईन, अब्बास, वसीम, बड़े पहलवान, अफजाल, सैफ, जाहिद, आदिल, बबलू, यूसुफ, यावर फैसल इत्यादि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन इरशाद जनाब खलीली ने किया। अध्यक्षता डॉ साजिद गाजीपुरी ने किया अंत में सभासद कैफ अंसारी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

विधायक ने किया कम्बल वितरण

प्रखर पिंडरा वाराणसी। मां नकटेश्वरी देवी मंदिर प्रांगण में मंगलवार को बदलते मौसम के बीच 470 असहाय लोगों को कम्बल वितरित किया। ग्राम सभा कठिरांव निवासी तीर्थराज रामनरेश दुबे ने अपनी पत्नी की स्मृति में कम्बल वितरण किया। जिसके मुख्य अतिथि विधायक पिंडरा डॉ0 अवधेश सिंह ने समाज के कमजोर, दुर्बल, असहाय लोगो को कम्बल वितरण किया। इस दौरान विधायक ने कहाकि प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री की सरकार प्रत्येक जरुरतमंद के हितो का ख्याल करती है। इस दौरान जिलाउपाध्यक्ष पवन सिंह,मण्डल अध्यक्ष अजय पटेल,सुरेंद्र सिंह, रमेश वंशनारायण दुबे, हौशीला पाण्डेय, ग्राम प्रधान धनंजय सिंह, संजय पाण्डेय, राजू, साहब शुक्ला, अभिषेक राजपूत, राजनाथ, अमन पटेल संतोष दुबे, प्रमोद दूबे, अतुल रावत समेत अनेक ग्रामीण रहे।

संक्षिप्त खबरें

जौनपुर मड़ियाहूं के युवा साहित्यकार आदर्श पांडेय को साहित्य गौरव सम्मान से किया गया सम्मानित

प्रखर डेस्क। आदर्श पांडेय को शब्द शब्द दर्पण संस्था द्वारा प्रयागराज में आयोजित अखिल भारतीय काव्य सम्मेलन में साहित्य गतिविधियों से प्रभावित होकर साहित्य गौरव सम्मान से किया गया सम्मानित।इस कार्यक्रम में देश के 12 कवियों को किया गया है सम्मानित। हाल में ही दिल्ली साहित्यिक संस्था हिंदी न उर्दू अदबी संगम, ने साहित्य के छेत्र में अतुलनीय योगदान देने के लिए उनकी पुस्तक आधुनिक जगत के अनमोल रत्न पुस्तक में उनका परिचय प्रकाशित किया गया था साथ ही आधुनिक जगत के अनमोल रत्न सम्मान से सम्मानित किया था। आदर्श पांडेय की कविताएं कई साहित्यिक पुस्तक और अखबारों में प्रकाशित हुई है। इसके पूर्व इनको आकाश गंगा बाल पटल सम्मान से भी 2022 में समानित किया जा चुका है। युवा साहित्यकार आदर्श वर्तमान में इलाहाबाद विश्वविद्यालय में पढ़ाई कर रहे है।

नियमों को अनदेखी कर, राजस्व का किया भारी नुकसान, जमीन की धोखाधड़ी मे कार्यवाही की मांग

प्रखर बलिया। बलिया जनपद के सीयर ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम ससनाबहादुरपुर, पोस्ट- अखोप में नियम विरुद्ध जमीन बेच कर , स्टांप शुल्क मे हेरा- फेरी करके अवैध तरीके से विद्यालय की मान्यता हासिल करके का मामला प्रकाश मे आया है ! उक्त मामले में कल्याण सिंह के अनुसार प्रार्थी रमेश कुमार सिंह ने उप- जिलाधिकारी, बेल्थरारोड बलिया को प्रार्थना पत्र देकर जांच की मांग किया ! प्रार्थी ने यह आरोप लगाया हैं कि अरविंद प्रताप पुत्र शिवशंकर ने खाता संख्या -365 तथा खाता संख्या 416 मे अपने मालिकाना हक से 5 डिसमिल जमीन स्वामी शिवनारायण शिवशंकर इंटरमीडिएट कालेज के प्रबंधक श्री मान्धाता सिंह पुत्र प्रताप सिंह, निवासी गोविंदपुर, जिला - बलिया को बेच/दान दे दिया है। साथ ही उक्त खाता संख्या के जमीन को एक ही जगह दिखाकर, साक्ष मे हेराफेरी करके गलत चौहद्दी को दिखाकर राजस्व विभाग उत्तर प्रदेश का भारी नुकसान किया है, साथ ही साथ माध्यमिक शिक्षा परिषद प्रयागराज से गलत तरीके से मान्यता हासिल प्राप्त कर लिया है ! प्रार्थी ने पत्राचार के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी सहित शासन के सभी आला अधिकारियों से जांच की मांग किया है !

झांसी में शिक्षकों पर प्राणघातक हमले की निंदा, गिरफ्तारी की मांग

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय मंत्री चौधरी दिनेश चंद्र राय ने बीते सप्ताह क्रिश्चियन इंटर कॉलेज झांसी के शिक्षकों पर अवांछित तत्वों द्वारा हमला किए जाने पर आक्रोश व्यक्त करते हुए तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। शिक्षकों के ऊपर हमलावरों द्वारा किए गए प्राणघातक हमले की घोर निंदा कर अपना आक्रोश जताया। तथा हमलावरों को कार्यवाही कर तत्काल गिरफ्तार किए जाने की मांग किया। प्रादेशिक मंत्री ने पुलिस के सक्षम अधिकारियों से मांग किया कि यदि समय रहते हमलावरों को गिरफ्तार नहीं किया जाता है तो माध्यमिक शिक्षक संघ आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा, साथ ही घटना की जांच के लिए जिला स्तर पर कमेटी गठित करने की मांग की। मालूम हो कि क्रिश्यिचन इंटर - कॉलेज के गेट पर जमा 20-25 बाहरी युवक आपस में झगड़ रहे थे। उनकी आवाजें स्कूल के भीतर तक आ रहीं थीं, जिससे विद्यालय का पठन-पाठन प्रभावित हो रहा था। इस पर स्कूल के आधा दर्जन शिक्षक बाहर आए और युवकों को झगड़ा करने से रोकने के साथ विद्यालय गेट से दूर जाने के लिए कहा। यह बात युवकों को नागवार गुजरी और वह शिक्षकों के साथ मारपीट शुरू कर दी और पत्थरबाजी भी की। तेज गति से बाइक चलाते हुए शिक्षकों पर चढ़ाने की कोशिश की।

अनन्या बनी एक दिन की प्रिंसिपल

प्रखर महराजगंज/बृजमनगंज। रामबक्श शांति देवी मार्डन चिल्ड्रन जूनियर हाई स्कूल बृजमनगंज में 9वीं कक्षा साइंस की छात्रा अनन्या जायसवाल को एक दिन के लिए स्कूल प्रिंसिपल की जिम्मेदारी दी गई।प्रधानाचार्य सुवाष यादव द्वारा इस प्रकार का कार्यक्रम पिछले कई वर्षो से कराया जाता है ।उन्होंने बताया कि स्कूल में इस तरह की शुरूआत विद्यार्थियों के अंदर आत्मविश्वास, सृजनात्मक शक्ति पैदा करने के लिए आज नवीं कक्षा की अनन्या जायसवाल को हेड टीचर बनाया गया हैं। प्रेसवार्ता के दौरान बच्चों को क्या संदेश देना चाहतीं हैं पूछने पर अनन्या ने कहा कि संस्कार एवं अनुशासन के साथ शिक्षा ग्रहण करते हुए विधालय सहित मां बाप का नाम रोशन करें यही शुभकामनाएं है। एक दिन के प्रिंसिपल बने अनन्या ने कहा कि प्रिंसिपल की कुर्सी पर बैठ कर स्कूल का शिक्षा का कार्य देख कर अलग सा महसूस हुआ। प्रिंसिपल की क्या जिम्मेदारी स्कूल, अनुशासन को लेकर होती है इस बात का अहसास भी हुआ। इस तरह से विद्यार्थी के अंदर आत्मविश्वास भी बढ़ता है। स्कूल संचालक सुवाष यादव, प्राचार्य ओमप्रकाश,एवं डी.एन.मिश्रा जी सहित सुनील जायसवाल, विवेक कुमार मौजूद रहे।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं